सूर्योदय दि. 13-07-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

श्रुती हासन ने बयां किया पैनिक अटैक...पृष्ठ-8

वर्ष : 06 अंक : 104 | नई दिल्ली, मंगलवार 13 जुलाई-2021 | नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित | मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

देश में कोरोना को मात देने वालों की संख्या तीन करोड़ के पार

पर्यटन स्थलों पर भीड़ और कोरोना प्रोटोकाल के उल्लंघन पर गंभीर चिंता, इस तरह की लापरवाही से संक्रमण फिर बढ़ेगा

नयी दिल्ली.एजेंसी

देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के नये मामलों में गिरावट के साथ ही बीमारी को मात देने वालों की संख्या तीन करोड़ के पार पहुंच गई है। इस बीच रविवार को 12 लाख 35 हजार 287 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये। देश में अब तक 37 करोड़ 73 लाख 52 हजार 501 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के 37,154 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर तीन करोड़ आठ लाख 74 हजार 376 हो गया है।

इस दौरान 39 हजार 649 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की कुल संख्या बढ़कर तीन करोड़ 14 हजार 713 हो गयी है। सक्रिय मामले 3219 घटकर चार लाख 50 हजार 899 हो गये हैं। इसी अवधि में 724 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर चार लाख आठ हजार 764 हो गया है। देश में सक्रिय मामलों की दर कम होकर 1.46 फीसदी, रिकवरी दर बढ़कर 97.22 फीसदी और मृत्यु दर 1.32 हो गयी है। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामले 2172 बढ़ने के बाद यह संख्या 119442 हो गयी है। इसी दौरान राज्य में 6013 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 5912479 हो गयी है जबकि 350 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 125878 हो गया है। केरल में इस दौरान सक्रिय मामले 379 घटकर 115327 हो गये हैं तथा 12502 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोना को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 2935423 हो गयी है जबकि 97 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 14586 हो गयी है। कर्नाटक में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 404 कम होकर 36760 रह गए हैं। वहीं 56 और मरीजों की मौत से मृतकों का आंकड़ा 35835 हो गया है। राज्य में अब तक 2796377 मरीज स्वस्थ हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 460 घटकर 32307 रह गयी है तथा 47 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 33418 हो गयी है। वहीं 2453061 मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं। आंध्र प्रदेश में सक्रिय मामले 28680 रह गये हैं।

राज्य में कोरोना को मात देने वालों की तादाद 1881161 हो गयी है जबकि 13002 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 403 घटकर 14901 रह गये हैं और इस महामारी के संक्रमण से कुल 17916 लोगों की मौत हुई है। राज्य में अब तक 1479312 मरीज स्वस्थ हुए हैं। तेलंगाना में सक्रिय मामले 408 घटकर 10316 हो गये हैं, जबकि अब तक 3729 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 617638 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के 37,154 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर तीन करोड़ आठ लाख 74 हजार 376 हो गया है।

कोरोना की स्थिति पर मुख्यमंत्रियों से बात करेंगे मोदी

पूर्वोत्तर के राज्यों में कोरोना संक्रमण की स्थिति की समीक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को आठ राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बातचीत करेंगे। अधिकारिक सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री असम , नगालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, मणिपुर, मेघालय,अरूणाचल प्रदेश और मिजोरम के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेन्स के माध्यम से बात करेंगे और कोरोना संक्रमण के कारण उपजी स्थिति की समीक्षा करेंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ समय में देश के अन्य राज्यों की तुलना में पूर्वोत्तर के राज्यों में कोरोना संक्रमण के मामलों में उतनी कमी नहीं आयी जिसे लेकर चिंता बनी हुई है।

सरकार से दल बदल कानून में बदलाव का अनुरोध करेंगे : लोकसभा अध्यक्ष

दल बदल निरोधक कानून के अंतर्गत मामलों का एक निश्चित समयसीमा में फैसला होना चाहिए

नयी दिल्ली.एजेंसी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज कहा कि दल बदल निरोधक कानून में एक निश्चित समयसीमा में फैसला होना चाहिए और वह सरकार से इस कानून में संशोधन करने का अनुरोध करेंगे।

बिरला ने संसद के मानसून सत्र की तैयारियों को लेकर यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में यह कहा। तृणमूल कांग्रेस के सांसदों के दल बदल कानून के तहत दिये गये नोटिस को लेकर एक सवाल पर श्री बिरला ने कहा कि यह सदन की कार्यवाही से जुड़ा फैसला है जिसका उत्तर संवाददाता सम्मेलन में नहीं दिया जा सकता है। हालांकि उन्होंने यह स्वीकार किया कि दल बदल निरोधक कानून के अंतर्गत मामलों का एक निश्चित समयसीमा में फैसला होना चाहिए और वह सरकार से इस संबंध में दल बदल निरोधक कानून में संशोधन करने का अनुरोध करेंगे।

संसद के मानसून सत्र के बारे में श्री बिरला ने कहा कि सत्र 19 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा। कुल 19 बैठकें होंगी और सदन की कार्यवाही दिन में 11 बजे से शाम छह बजे तक चलेगी। उन्होंने 17वीं लोकसभा की उत्पादकता की चर्चा करते हुए कहा कि 1952 से लेकर सभी लोकसभाओं में पहले पांच सत्रों में इतना काम नहीं हुआ जितना 17वीं लोकसभा के पहले पांच सत्रों में हुआ है। उन्होंने कहा कि 17वीं लोकसभा के पांच सत्रों की उत्पादकता कुल मिलाकर 122 प्रतिशत रही है।

114 बैठकें ज्यादा देर तक चलीं। सदस्यों ने देर रात तक बैठक कर अपने संवैधानिक दायित्वों को निभाया तथा 105 विधेयकों को पारित कराया। इस दौरान 102 विधेयक पुरस्थापित किये गये। 1764 सदस्यों ने विधेयकों पर चर्चा में सक्रियता से भाग लिया। प्रश्नकाल में अधिक से अधिक प्रश्नों के उत्तर दिये गये तथा नियम 377 के अधीन मामलों में 90 प्रतिशत मामलों में मंत्रियों के जवाब तय समयसीमा में आये जबकि पहले केवल 60-65 प्रतिशत मामलों में ही यह हो पाता था।

संसद के मानसून सत्र के बारे में श्री बिरला ने कहा कि सत्र 19 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा। कुल 19 बैठकें होंगी और सदन की कार्यवाही दिन में 11 बजे से शाम छह बजे तक चलेगी।

opensearch

एक नज़र

आतंकवाद को लेकर गृह मंत्री का बड़ा बयान

नई दिल्ली। अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी की अगुवाई में जब दूसरी बार हमारी सरकार बनी तो तय हुआ कि नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-रिसर्च एंड एनालिसिस केंद्र को गुजरात के फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी से जोड़ा जाए। अब हम देख रहे हैं, यह हो गया। गृह मंत्री अमित शाह गुजरात के गांधीनगर के दौरे पर हैं। अमित शाह ने नारकोटिक ड्रग्स के एनालिसिस सेंटर का उद्घाटन किया है। आतंकवाद को लेकर गृह मंत्री ने बड़ा बयान दिया है। नार्को टेरर का खतरा बढ़ गया है। नार्को टेरर का पैसा आतंकवाद में खर्च हो रहा है। शाह ने कहा कि भारत में नार्को आतंकियों को नहीं आने देंगे। उन्होंने कहा कि, पीएम मोदी की अगुवाई में जब दूसरी बार हमारी सरकार बनी तो तय हुआ कि नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-रिसर्च एंड एनालिसिस केंद्र को गुजरात के फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी से जोड़ा जाए। अब हम देख रहे हैं, यह हो गया। शाह अपने गृह राज्य गुजरात के 3 दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजभवन में कोविड वॉरियर्स के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

आतंकियों के पास मिला राम मंदिर का नक्शा

नई दिल्ली। एक दिन पहले लखनऊ पकड़े गए आतंकियों के पास से एटीएस को राम मंदिर के आसपास के नक्शे भी बरामद किए गए हैं। खबरों के अनुसार संदिग्धों के पास से काशी और मथुरा के भी धार्मिक स्थलों के नक्शे एटीएस को इन संदिग्ध आतंकियों से मिले हैं। आज एटीएस ने यूपी के कई शहरों में छापेमारी की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कानपुर से दो संदिग्धों को पकड़ा गया है। यूपी एटीएस केंद्र की एजेंसी एनआईए से भी संपर्क कर रही है और कश्मीर से लेकर बेंगलुरु तक के कनेक्शन को देखा जा रहा है। कुछ जले हुए दस्तावेज और कुछ सबूत एटीएस को बरामद हुए थे। जिसमें कई सारी रेकी की गई थी और पेपर पर रेड पेन से गोल निशान लगाकर एरिया को डिफाइन किया गया था। उसी आधार पर एटीएस की पूछताछ चल रही है। लेकिन उत्तर प्रदेश की सियासत में आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद सियासत भी तेज हो गई है।

आकाशीय बिजली गिरने से देश में 78 लोगों की गई जान

नई दिल्ली.एजेंसी

उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश समेत देश के कई अन्य राज्यों में आकाशीय बिजली गिरने से कुल 78 लोगों की जान चली गई। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख व्यक्त करते हुए राहत राशि की घोषणा की है। उत्तर प्रदेश में 41 और मध्य प्रदेश में दो दिन के अंदर आकाशीय बिजली गिरने 14 की जान चली गई है। वहीं, आकाशीय बिजली गिरने से राजस्थान के छह जिलों में 23 लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही 28 घायल हो गए। सबसे ज्यादा 12 लोगों की मौत जयपुर में हुई है। ये सभी आमेर किले के वाच टावर पर खड़े होकर मौसम का आनंद ले रहे थे। आमेर किले के वाच टावर पर जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें नौ स्थानीय और तीन पर्यटक थे। उधर, मध्य प्रदेश में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो दिन (रविवार व सोमवार) में 14 की जान गई है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में भी रविवार को आकाशीय बिजली की वजह से 41 लोगों की जान चली गई थी।

जानकारी के अनुसार आमेर किले और वाच टावर पर जाने की अनुमति शाम सात बजे तक ही है, लेकिन करीब 25 लोग रविवार रात आठ बजे तक वहां मौजूद थे । इसी बीच बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसमें 12 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई ।

हिमाचल में बारिश-बाढ़ से भारी नुकसान, मुख्यमंत्री के राहत-बचाव तेज करने के निर्देश

शिमला.एजेंसी।

हिमाचल प्रदेश में मॉनसून की गत दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण राज्य में नदियां, खड्डें और नाले ऊफान पर आने से अनेक क्षेत्रों में भारी नुकसान होने के साथ जनजीवन अस्त व्यक्त हुआ है। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं से हुए नुकसान पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कांगड़ा सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण काफी नुकसान हुआ है जिसकी रिपोर्ट मंगवाई गई है। सभी जिलाउपायुक्तों को राहत-बचाव कार्य तेज करने तथा प्रभावितों को हरसम्भव सहायता प्रदान करने के निर्देश दे दिए हैं। उन्होंने लोगों और पर्यटकों से आग्रह किया है कि नदी-नालों के किनारे न जाएं और खराब मौसम के दृष्टिगत पूरी सावधानी बरतें ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके। राज्य में कई जगह भूस्खलन से सड़कों पर आवाजाही भी प्रभावित हुई है। अनेक स्थानों पर बारिश और बाढ़ के कारण सरकारी और निजी सम्पति का भारी नुकसान हुआ है। अनेक लोगों ने इस दौरान अपने मकानों को ध्वस्त होते देखा है। वहीं राज्य में सड़कों और पुलों को नुकसान हुआ है जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। सड़कों पर भूस्खलन का मलबा गिरने से राज्य परिवहन निगम की बसों समेत बड़ी संख्या में वाहनों की दोनों ओर फंसने की सूचनाएं हैं। कांगड़ा जिले के धर्मशाला और ऊपरी क्षेत्रों में रविवार शाम से हो रही बारिश और बादल फटने से मांझी खड्ड और निचले क्षेत्रों में आई भीषण बाढ़ से भागसूनाग समेत क्षेत्र के निचले क्षेत्रों में भारी तबाही हुई है। बाढ़ के कारण खड्ड और नालों के लबालब बहने से इनके किनारे स्थित अनेक मकान, झुग्गी झोंपड़ियां और सड़कों पर खड़ी गाड़ियां बह गई हैं। बाढ़ के कारण अनेक पुलों को भी नुकसान पहुंचा है वहीं सड़कों पर अनेक जगह भूस्खलन होने वाहनों का आवागमन प्रभावित हुआ है। इन्हें वैकल्पिक मार्गो से रवाना किया जा रहा है। प्रकृति के इस रौद्र रूप से नदी नालों के आसपास तबाही का मंजर है वहीं किसी और बड़ी अनहोनी की आशंका से लोग सहमे हुये हैं। बारिश और बाढ़ के कारण धर्मशाला में सड़कों पर खड़े वाहनों को क्षति पहुँची है। मंडी-पठानकोट राजमार्ग पर राजोल में गज खड्ड पर बना पुल क्षतिग्रस्त होने वहां से वाहनों का आवागमन रोक कर पुलिस बल तैनात कर किया गया।

छोटे व मझौले किसानों की प्रगति सरकार का प्रमुख लक्ष्य : तोमर

नई दिल्ली.एजेंसी।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि छोटे और मझौले किसानों की प्रगति सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। ऐसे हमारे 11 करोड़ से अधिक किसानों को ऐतिहासिक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत अभी तक 1.35 लाख करोड़ रुपए की राशि सीधे उनके बैंक खातों में पहुंचाई जा चुकी है। तोमर ने आज यह बात नाबार्ड के 40वें स्थापना दिवस पर आयोजित वेबिनार में कही। उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि क्षेत्र में छोटे और सीमांत किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराना अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसके लिए कोरोना महामारी के दौरान भी सरकार ने पीएम-किसान लाभार्थियों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने के लिए मिशन मोड में सफलतापूर्वक अभियान चलाया। चालू वित्त वर्ष के बजट में इस क्षेत्र में साढ़े 16 लाख करोड़ रुपये ऋण देने का लक्ष्य रखा है। तोमर ने इस बात पर संतोष जताया कि नाबार्ड ने सहकारी और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के जरिये किसानों को रियायती दर पर फसल ऋण उपलब्ध कराया और सात साल में यह राशि साढ़े छह लाख करोड़ रुपये है। सरकार ने कृषि विपणन में भी सुधार किया है। एकीकृत राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) मंडियां एक हजार हैं, चालू साल में और एक हजार मंडियों को इस पोर्टल से जोड़ा जाएगा।

डॉ. दिनेश शर्मा ने श्रद्धा एवं भक्ति के साथ किया भगवान जगन्नाथ का पूजन अर्चन

हर साल की तरह इस बार भी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के अवसर पर आयोजन हो रहा है : उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा

ओपन सर्च.संवाददाता

लखनऊ। रथ यात्रा के पावन अवसर पर अवधनगरी लखनऊ के काली मंदिर के पास भगवान जगन्नाथ बडे भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के पूजन से वातावरण भक्तिरस से ओतप्रोत हो गया। श्रद्धा और भक्ति से भरे वातावरण में लोग भगवान का जयकारा भी लगा रहे थे। वैदिक मंत्रो के बीच उपमुख्यमंत्री डा दिनेश शर्मा ने भी पूरी श्रद्धा एवं भक्ति के साथ भगवान जगन्नाथ का पूजन अर्चन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हर साल की तरह इस बार भी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के अवसर पर आयोजन हो रहा है। यह भक्तों पर भगवान का ही कृपा प्रसाद है। उन्होंने स्व लालजी टंडन को याद करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से ही यह कार्यक्रम आयोजित होता था तथा आज भी वह परम्परा कायम रही है। यह यात्रा पूरे शहर के लिए ऐतिहासिक यात्रा के रूप में रही है। भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा का पुराना इतिहास रहा है। भगवान की आज उडीसा में प्रतीकात्मक यात्रा निकाली जा रही है। उसी प्रकार से पूरी श्रद्धा के साथ यहां पर भी प्रतीकात्मक रूप में भोग का आयोजन किया गया है। सरकार ने प्रदेशभर में धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन के लिए प्राचीन इमारतों ,मठो , मंदिरों व सूफी सन्तों के स्थलों का विकास कराया है। उन्होंने कहा कि कोरोना के संक्रमण काल में राजधानी के इस क्षेत्र में व्यापक रूप से सेनेटाइजेशन हुआ है। मेडिकल किट व दवाओं का वितरण भी हुआ है। कुछ लोगों ने सेवा भाव से श्मशान घाट में भी कार्य किया है। यहां की एक सांस्कृतिक विरासत है। यह तमाम देवियों के प्रसिद्ध मंदिर है। भगवान राम के अनुज लक्ष्मण जी जब इस लखनऊ पधारे थे उस समय में अलीगंज के हनुमान मंदिर के साथ ही चौक के तमाम मंदिरों का भी ऐतिहासिक उल्लेख आता है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने रथ यात्रा प्रारंभ करने के पहले पूजन कराया,दीप प्रज्ज्वलित किया महाआरती के पश्चात सांकेतिक रथयात्रा का शुभारंभ किया इस मौके पर अनुराग मिश्र ने उपमुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भी भेट किया तथा अनुराग दीक्षित संजू झिगरंग सुरेश रस्तोगी, आंनद मिश्र सुनील धानुक ने स्वागत किया।पूजन आचार्य राजेश शुक्ल ने पूजन कार्य कराया।इसी प्रकार ऐशबाग में परंपरागत से निकलने वाली ऐतिहासिक यात्रा के पूजन अर्चन में सम्मिलित हुए जहां पर भगवान बागेश्वर महादेव तथा भगवान श्री जगन्नाथ की कुटिया का पूजन अर्चन किया तथा । इस अवसर पर गणेश प्रकाश वर्मा विजय श्रीवास्तव गुलशन जवाहर संदीप शर्मा ने उप मुख्यमंत्री का स्वागत किया तथा साकेत शर्मा ने स्मृति चिन्ह भेंट किया। यहां पर पुजारी रमेश तिवारी जी उपस्थित थे ।

भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा का पुराना इतिहास रहा है, भगवान की आज उडीसा में प्रतीकात्मक यात्रा निकाली जा रही है।

नेपाल में ओली को बड़ा झटका, भंग संसद हुई बहाल

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल में अपनी अल्पमत सरकार बचाने में जुटे प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को शीर्ष कोर्ट ने बड़ा झटका देते हुए भंग संसद को बहाल कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी को नेपाली कांग्रेस के प्रमुख शेर बहादुर देउबा को मंगलवार तक प्रधानमंत्री नियुक्त करने का निर्देश दिया। पांच महीनों में दूसरी बार भंग प्रतिनिधि सभा (संसद) को बहाल किया गया। कोर्ट ने 23 फरवरी को भी प्रधानमंत्री ओली को झटका देते हुए भंग की गई प्रतिनिधि सभा को बहाल करने के आदेश दिए थे। सोमवार को चीफ जस्टिस चोलेंद्र शमशेर राणा की अध्यक्षता वाली शीर्ष कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सिफारिश पर राष्ट्रपति भंडारी का निचले सदन को भंग करने का फैसला असंवैधानिक था।

एक नज़र

सत्ता के लोभ में राजद का हश्र कहीं लोजपा जैसा न हो जाए : उपेंद्र कुशवाहा

सीतामढ़ी (रुन्नीसैदपुर) (एजेंसी)। बिहार यात्रा पर निकले जदयू संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने सोमवार को सीतामढ़ी जिले के रुन्नीसैदपुर में कहा कि राजद के नेता दिवा स्वप्न देख रहे हैं। सपना देखते रहेंगे तो लोजपा की तरह अकेले बच जाएंगे। जनता के मैंडेट के अनुसार, एनडीए की सरकार पांच वर्षों तक काम करेगी। जदयू सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। हमारी कोशिश है कि हम हर वर्ग के लोगों के साथ संपर्क बनाएं।

रुन्नीसैदपुर के कटौझा में बागमती के बांये तटबंध के साथ-साथ मधौल गांव के समीप नवनिर्मित पुल का उन्होंने निरीक्षण किया। रुन्नीसैदपुर के बसतपुर गांव स्थित महादलित बस्ती में कोविड वैक्सीनेशन कैंप का उदघाटन किया। अथरी गांव में राकेश कुमार पप्पू के आवास पर आयोजित भोज में शामिल हुए। रुन्नीसैदपुर स्थित पार्टी कार्यालय में कुछ समय के लिए रुके और मीडिया को संबोधित किया। पूरे तेवर में नजर आ रहे कुशवाहा ने कहा कि जदयू को प्रदेश में नंबर एक पाजीशन तक पहुंचाना उनका लक्ष्य है। उनकी बिहार यात्रा पार्टी द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा गरीबों, युवाओं व महिलाओं समेत सभी वर्गों के हित में अनेक योजनाएं संचालित हैं। कोरोना से हुई मौतों पर मुख्यमंत्री के द्वारा उनके परिवार को मुआवजे देने का प्रावधान इनमें सबसे अहम है। उन्होंने कहा जिनके लिए कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की गई उन्हें उसका शत-प्रतिशत लाभ मिले, उसमें पार्टी कार्यकर्ताओं की भूमिका के साथ-साथ संगठन को और भी धारदार बनाने के लिए जिलों के साथियों से विमर्श उनकी बिहार यात्रा का मुख्य उद्देश्य है। स्थानीय विधायक पंकज कुमार मिश्रा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने रुन्नीसैदपुर में अगवानी की तथा फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। सांसद सुनील कुमार पिंटू, विधान पार्षद देवेश चंद्र ठाकुर, रामेश्वर महतो, पूर्व मंत्री रंजू गीता, विमल शुक्ला, जिलाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह कुशवाहा भी इस मौके पर खास तौर पर मौजूद थे। इनके अलावा राम लक्षण सिंह कुशवाहा, रेखा गुप्ता, हिमांशु पटेल, जितेंद्र नाथ, संतोष कुशवाहा, विजय पटेल, लालबाबू पासवान, अवधेश सिंह, अनुपम झा व बबलू मंडल, प्रहलाद महतो भी मौजूद थे।

जदयू की नई बिहार कार्यकारिणी की होगी आनलाइन बैठक, राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी भी होंगे शामिल

पटना (एजेंसी) । जदयू की नवगठित प्रदेश कमेटी की बैठक 18 जुलाई को होगी। वर्चुअल मोड में होने वाली इस बैठक में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह भी शामिल होंगे। जदयू प्रदेश कमेटी की अचानक बुलाई गई इस बैठक के बारे में जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बताया कि बैठक इस बात को केंद्र में रख बुलाई गई है कि नई कमेटी के अस्तित्व में आने के बाद अभी तक इसकी बैठक नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि कमेटी के सभी लोगों के साथ पार्टी प्रदेश कार्यालय में बैठक करना कोरोना प्रोटोकाल के अनुरूप नहीं। इस वजह से यह तय किया गया है कि प्रदेश कमेटी की बैठक वर्चुअल मोड में होगी। पहली बैठक होने की वजह से इसे लेकर कोई एजेंडा नहीं पर आने वाले समय के लिए पार्टी के अभियान पर चर्चा जरूर होगी। जदयू की प्रदेश राज्य कार्यकारिणी की बैठक भी जल्द बुलाई जानी है। इसकी तारीख की घोषणा भी शीघ्र की जाएगी। आधिकारिक तौर पर मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश कमेटी की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल नहीं होंगे। वहीं राज्य कार्यसमिति की बैठक को वह संबोधित कर सकते हैं। जदयू के मंत्री भी कार्यसमिति में शामिल होंगे।

जीतन राम मांझी का लालू पर करारा हमला, कहा- कुछ भी बोल देते हैं: रूह कंपा देती है 2005 के पहले की यादें

पटना (एजेंसी)। बिहार में अपराध के मुद्दे पर हमलावर विपक्ष और सुप्रीम कोर्ट की बिहार पुलिस हालिया तल्ख टिप्पणी के बीच राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने एक खास बयान दिया है। उन्होंने राज्य में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का बचाव करते हुए इसे अब तक की सबसे बेहतर सरकार करार दिया है। उन्होंने लालू-राबड़ी के शासनकाल की याद दिलाते हुए कहा कि 2005 से पहले का दौर रूह कंपा देता है। उन्होंने कहा कि हर सरकार में कोई न कोई कमी जरूर रही है, लेकिन नीतीश कुमार के नेतृत्व ने राज्य को बदलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में अपराध बढ़ने का दावा कुछ लोग महज मीडिया में बने रहने के लिए करते रहते हैं। राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने एक दिन पहले बिहार में अपराध के मुद्दे पर सरकार को जमकर घेरा था। उन्होंने ट्वीट कर सरकार को %जनादेश का अपहरणकर्ता% कहा। लालू ने कहा कि बिहार में महज 120 दिनों में अपहरण के 3 हजार 565 मामले दर्ज हुए। जनादेश का अपहरणकर्ता ही इन संगठित अपराधियों का रोल मॉडल और संरक्षक कर्ता है। राजद का लगातार दावा है कि बिहार की जनता ने पिछले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को जनादेश दिया था। कुछ इसी तरह की बातें तेजस्वी यादव ने भी कही थीं। तेजस्वी यादव ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी का हवाला दिया था, जिसमें कथित तौर पर बिहार में पुलिस राज होने की बात कही गई है। इसके अलावा तेजस्वी ने एक जदयू सांसद के घर के दरवाजे से बड़े अपराधी के गिरफ्तार होने पर भी सवाल खड़े किए थे। मांझी का यह बयान राज्य में बदलते राजनीतिक माहौल में काफी महत्वपूर्ण है।

दरभंगा पहुंची एनआइए की टीम, पार्सल ब्लास्ट में रेलकर्मियों व अन्य से ली जा रही जानकारी

दरभंगा (एजेंसी) । दरभंगा जंक्शन पर हुए पार्सल ब्लास्ट में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) की टीम सोमवार को दरभंगा पहुंची है। सात सदस्यों वाली टीम जंक्शन पर पहुंचने के साथ यहां के अतिविशिष्ट प्रतीक्षालय में रेलकर्मी व अन्य लोगों का बयान ले रही है। इस दौरान लोगों से क्या जानकारी हालिस की जा रही है, यह जानकारी नहीं दी जा रही है। हॉल को अति सुरक्षा घेरे में रखा गया है। बताया गया इस बार जो टीम यहां पहुंची है तो वह हर बिंदु की गहराई से पड़ताल करने में लगी है। करीब एक दर्जन गवाहों के बयान दर्ज किया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि टीम की ओर से मामले में गिरफ्तार किए गए शातिर आतंकियों से कई अहम जानकारी मिली है, जिसकी तस्दीक की जानी है। साथ यहां के संदिग्ध जो पहले से पुलिस की रिकार्ड में हैं, उनकी भी गिरफ्तारी की जानी है। याद रहे कि दरभंगा जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या एक पर हुए पार्सल ब्लास्ट मामले में पहली बार 25 जून को एनआइए की 4 सदस्यीय टीम दरभंगा जंक्शन पहुंची थी तब पार्सल अनलोड करने वाले कुली समेत तीन गवाहों के बयान दर्ज किए गए थे। एनआइए की टीम ने जीआरपी थाना पहुंचकर ब्लास्ट वाले पार्सल की गहनता से जांच कर रही है। बता दें कि जिस पार्सल में ब्लास्ट हुआ था उस गठरी का एक वैज्ञानिक जांच को भेजा गया था।

अब सुप्रीम कोर्ट में होगा सेनारी नरसंहार का फैसला, सीएम नीतीश का जनता दरबार आरंभ

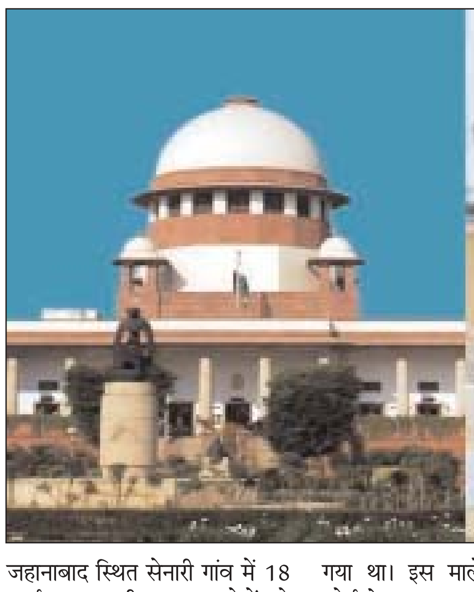

पटना (एजेंसी) । बिहार के चर्चित सेनारी नरसंहार के मामले में निचली अदालत से सजा पाए दोषियों को बरी किए जाने के पटना हाईकोर्ट के फैसले को बिहार सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे स्वीकार कर लिया है। आज बिहार की राजधानी पटना व औरंगाबाद में दो बड़ी घटनाओं में 53 लाख रुपये की लूट हुई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता दरबार शुरू कर दिया है। आज वहां भी सुरक्षा जांच के दौरान एक महिला से छिनतई की घटना हो गई। आज से 10वीं के ऊपर के शिक्षण संस्थान कोरोना गाइडलाइन की शर्तों के साथ खोल दिए गए हैं। बाढ़ की बात करें तो उत्तर व पूर्वी बिहार में नदियां उफना रहीं हैं। बिहार की सभी प्रमुख खबरों को एक जगह पढ़ें इस खबर में। बिहार के जहानाबाद स्थित सेनारी गांव में 18 मार्च 1999 की रात 34 लोगों को भेड़-बकरियों की तरह काट दिया गया था। इस माले में जहानाबाद कोर्ट ने साल 2016 में 10 दोषियों को फांसी तो तीन को उम्रकैद की सजा दी थी, जिसे पटना हाईकोर्ट ने बदल कर निचली अदालत से दोषी करार दिए गए सभी 13 लोगों को रिहा करने का आदेश दिया। बिहार सरकार ने पटना हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिसे कोर्ट ने आज सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया। बिहार में आज लूट का दिन था। राजधानी पटना व औरंगाबाद में दो बड़ी घटनाओं में 53 लाख रुपये की लूट हुई। औरंगाबाद में वारदात के दौरान अपराधियों ने सुरक्षा गार्ड को गोली भी मारकर दिया। हालांकि, पुलिस के पीछा करने पर अपराधियों ने रुपये से भरा एक बैग फेंक दिया, जिसमें लूटे गए 41 लाख में से करीब 32 लाख रुपये बरामद कर लिए गए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज से फिर जनता दरबार लगाना आरंभ कर दिया। पटना के मुख्यमंत्री सचिवालय के संवाद सभाकक्ष में सुबह 11:00 बजे से इसका आयोजन किया गया। इसमें शामिल होने वाले लोगों के लिए कोविड-19 की गाइडलाइन का पालन अनिवार्य किया गया। खास बात यह रही कि वहां पहुंची एक महिला के साथ सुरक्षा जांच के दौरान छिनतई की घटना हो गई। उत्तर बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है तो पूर्वी बिहार में कोसी व अन्य नदियों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव जारी है। बाढ़ का पानी रेल ट्रैक पर चढ़ जाने के कारण सुगौली-नरकटियागंज रेलखंड पर परिचालन बाधित है। समस्तीपुर-मुक्तापुर डाउन लाइन भी बंद है। बिहार के 10वीं से ऊपर के सरकारी एवं निजी शिक्षण संस्थान खुल गए हैं। ये शिक्षण संस्थान बीते पांच अप्रैल, 2021 से बंद पड़े थे। शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी ने बताया कि खोले गए शिक्षण संस्थानों में कोरोना प्रोटोकाल का सख्ती से पालन करना अनिवार्य है।

पटना में कूरियर कंपनी से 12 लाख की डकैती, औरंगाबाद में गोली मारकर ले गए 41 लाख

औरंगाबाद (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना व औरंगाबाद जिले में दो बड़ी घटनाओं में 53 लाख रुपये की लूट हुई है। पटना के आलमगंज थाना क्षेत्र स्थित एक कूरियर कंपनी के कार्यालय में 12 लाख रुपये की डकैती की वारदात हुई तो औरंगाबाद में बैंक जा रहे एक निजी कंपनी के कर्मचारियों से करीब 41 लाख रुपये लूट लिए गए। औरंगाबाद में वारदात के दौरान अपराधियों ने सुरक्षा गार्ड को गोली मारकर जख्मी कर दिया। हालांकि, पुलिस के पीछा करने पर अपराधियों ने रुपये से भरा एक बैग फेंक दिया, जिसमें लूटे गए 41 लाख में से करीब 32 लाख रुपये बरामद कर लिए गए। राजधानी के पटना सिटी इलाके में अपराधियों ने एक कूरियर कंपनी के ऑफिस में धावा बोलकर 12 लाख रुपए की डकैती की। वारदात पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र के कुम्हरार स्थित आदिवासी कॉलोनी में हुई। वहां एक [illegible] कूरियर कंपनी के ऑफिस में [illegible] हथियारबंद अपराधी दिनदहाड़े घुस गए और 12 लाख रुपए की डकैती डाली। अपराधी सीसीटीवी का डीवीआर भी अपने साथ ले गए, ताकि उनकी पहचान उजागर न हो। अपराधियों के फरार हो जाने के बाद

कूरियर कंपनी के कर्मचारियों ने पुलिस को वारदात के की सूचना दी। मौके पर पहुंचे सिटी एसपी जीतेंद्र कुमार ने बताया कि पुलि जांच-पड़ताल शुरू कर चुकी है। औरंगाबाद में एक निजी कंपनी (रेडिएंट) के चार कर्मचारी बोलेरो में करीब 41 लाख रुपये लेकर [illegible] थे। [illegible] बारुण थाना क्षेत्र के सिरिस में रिलायंस पेट्रोल पंप के पास दो बाइक पर सवार चार अपराधियों ने साथ चल रहे सुरक्षा गार्ड रामनिवास सिंह को कंधे में गोली मार दी। फिर, हथियार के बल पर करीब 41 लाख रूपये लूटकर आराम से भाग गए। घटना के बाद पुलिस जांच में जुटी थी। इसी बीच जम्होर थाना के मोरडिहरी गांव होकर भागते लुटेरों पर जम्होर में वाहन जांच कर रही पुलिस टीम की नजर पड़ी। पुलिस को देखकर जब लुटेरे कच्ची सड़क से भागने लगे, तब पुलिस ने उनका पीछा किया। इस दौरान उन्होंने रुपयों से भरा एक बैग फेंक दिया, जिसमें करीब 32 लाख रुपये रखे थे। एसपी सुधीर कुमार पोरिका ने बताया कि भागते समय अपराधियों ने बैग से करीब नौ लाख रुपये निकाल लिए तथा बैग फेंक दिया। पहचान छिपाने के लिए उन्होंने अपने पहने कपड़े भी फाड़ [illegible]

लीला मंचन के सभी आर्टिस्ट और दर्शको को डबल डोज़ वेक्सिन के बाद अनुमति

नई दिल्ली.ओपन सर्च

लालक़िला मैदान में 06 से16 अक्टूबर को आयोजित होने वाली विश्वविख्यात लव कुश रामलीला कमिटी ने इस बार कोविड़ 19 विपदा के चलते लीला मे आने वाले दर्शकों के लिए भी वेक्सिन टीके की दोनो डोज़ लेने का सर्टिफ़िकेट दिखाने के बाद ही लीला मैदान में प्रवेश देने का फ़ैसला किया है! लवकुश रामलीला कमिटी की कार्यसमिति की एक विशेष बैठक में लीला के प्रधान अशोक अग्रवाल और सचिव अर्जुन कुमार द्वारा रखे गये इस प्रस्ताव जा मौजुद सभी सदस्यों ने ध्वनिमत से स्वागत किया। इसी बैठक में म्यूज़िक डायरेक्टर शंकर साहनी और सिंगर धर्मेंद्र ने इस वर्ष लीला मंचन के दौरान प्रस्तुत किए जाने वाले चालीस गीतों की आडियो सीडी की पहली प्रति अशोक अग्रवाल को सौंपी ! लीला के सचि[illegible] अर्जुन कुमार के मुताबिक़ इस [illegible] लीला के सभी कलाकारों को हमने [illegible] वेक्सिन की दोनो डोज़ लगवाने के लिए कह दिया है , लीला में कार्य करने वाले सभी कलाकारों और अन्य कार्य करने वालों को भी हमने वेक्सिन की डोज़ लगवाने का सर्टिफ़िकेट 02 अकटुबर तक लीला कमिटी के ऑफ़िस में भेजने के लिए अभी से कह दिया है इतना ही नही लीला में अभिनय करने आ रहे बॉलीवुड के कलाकारों को अभी से डबल वेक्सिन लगवाने के लिए अभी से कह दिया है। लीला के प्रेसिडेंट अशोक अग्रवाल के मुताबिक़ इस साल रामलीला मंचन के दौरान अलग अलग दृर्शयो के दौरान चालीस से ज़्यादा गीतों को भी प्रस्तुत किया जाएगा , इन गीतों को लीला मंचन के बीच मंचित दृर्श्य के दौरान पेश किया जाएगा ! इन गीतों को विख्यात गायक धर्मेंद्र और उनके साथियों ने आवाज़ दी है ,बॉलीवुड के मशहूर संगीतकार , सिंगर गीतकार शंकर साहनी ने इन सभी गीतों का संगीत तैयार किया है , पिछले क़रीब दस महीनो से इन गीतों का निर्माण कार्य लीला प्रेसिडेंट अशोक अग्रवाल के मार्ग दर्शन में किया गया। लीला कमिटी ने दिल्ली में तेज़ी से लगाई जा रही वेक्सिन के लिए पीं एम मोदी जी दिल्ली के सी एम अरविंद केजरीवाल को बधाई देते हुएँ आशा व्यक्त करी कि सरक़ार जल्दी ही दिल्ली में धार्मिक आयोजनो को अनुमति प्रदान करेगी।

opensearch

लोकसभा में जदयू सांसदों ने बनाया रिकार्ड, चिराग पासवान और पशुपति पारस से आगे निकलीं वीणा

पटना (एजेंसी)। सत्र के दौरान सांसदों की हाजिरी भी दर्ज होती है। रिकार्ड बनता है। 17वीं लोकसभा में राज्य के सांसदों का खराब और बढ़िया हाजिरी का रिकार्ड जदयू सांसदों के नाम ही दर्ज है। नालंदा के जदयू सांसद कौशलेंद्र कुमार की हाजिरी सौ फीसद है। सबसे अधिक 129 सवाल पूछने का रिकार्ड भी कौशलेंद्र के नाम पर है। भागलपुर के जदयू सांसद अजय कुमार मंडल कम हाजिरी वाले राज्य के सांसदों में एक नम्बर पर हैं। वह महज 32 फीसद बैठकों में शामिल हुए। बाल्मीकिनगर से उप चुनाव जीत कर सांसद बने सुनील कुमार के नाम भी शत प्रतिशत हाजिरी का रिकार्ड है। लेकिन, यह उनके कार्यकाल का पहला सत्र था। विधायी शोध संगठन पीआरएस के विश्लेषण में यह जानकारी दी गई है। रिकार्ड बताता है कि लोकसभा की कार्यवाही में वीणा देवी को छोड़कर लोक जनशक्ति पार्टी के दोनों गुटों के अन्य सांसदों की हाजिरी कमजोर है। वीणा देवी सबसे अधिक सक्रिय हैं। उनकी हाजिरी 96 फीसद है। चिराग पासवान 60 फीसद बैठकों में शामिल हुए। पशुपति कुमार पारस 63 और चंदन सिंह की हाजिरी 74 फीसद है। दूसरी बार खगड़िया से चुने गए महबूब अली कैसर 83 फीसद बैठकों में शामिल होते हैं। युवा प्रिंस राज 82 फीसद के साथ कैसर से थोड़ा पीछे चल रहे हैं। पारस मंत्री बन गए हैं। इसलिए उनकी हाजिरी अब लोकसभा में दर्ज नहीं होगी। मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले रविशंकर प्रसाद की हाजिरी मानसून सत्र से दर्ज

होगी। वे सवाल भी पूछेंगे। दिलेश्वर कामत, गोपालजी ठाकुर और मो. जावेद। कामत पहले भी सांसद रहे हैं। गोपालजी और जावेद का यह पहला टर्म है। 95 फीसद और उससे अधिक हाजिरी वाले सांसद हैं–अजय कुमार निषाद, आलोक कुमार सुमन, निषाद, दिलेश्वर कामत, महाबली सिंह, प्रदीप कुमार सिंह, राजीव प्रताप रूडी, रमा देवी और सुशील कुमार सिंह। अन्य सांसदों की हाजिरी इस तरह है–राजीव रंजन सिंह ऊर्फ ललन सिंह(92), चंद्रेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी (83), छेदी पासवान (80), दिनेश चंद्र यादव (87), दुलालचंद गोस्वामी(94), गिरिधारी यादव(75), जनार्दन सिंह सीग्रीवाल (91), कविता सिंह (88), राधामोहन सिंह (85), रामकृपाल यादव (87), रमा देवी(98), संजय जायसवाल (80), संतोष कुमार (87), सुनील कुमार पिंटू (84) एवं विजय कुमार मांझी (91)। अजय मंडल-26, आलोक सुमन-99, चंदन सिंह-18, छेदी पासवान-09, दिलेश्वर कामत-64, दुलालचंद गोस्वामी-37, जनार्दन सिंह सीग्रीवाल-117, कविता सिंह-07, महबूब अली कैसर, पशुपति कुमार पारस-03, प्रिंस राज-0, राजीव रंजन सिंह-89, रामकृपाल यादव-30, रामप्रीत मंडल-28, संजय जायवाल-77, सुशील कुमार सिंह-90, विजय कुमार मांझी-83, अजय निषाद-86, अशोक कुमार यादव-01, चंद्रेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी-63, चिराग पासवान-50, दिनेश चंद्र यादव-25, गिरिधारी यादव-112, गोपालजी ठाकुर-75, कौशलेंद्र कुमार-129, महाबली सिंह-68, प्रदीप कुमार सिंह-116, राजीव प्रताप रुडी-104, रमा देवी-118, संतोष कुमार-50, सुनील कुमार पिंटू एवं वीणा देवी-59।

बिहार को केंद्र से 800 करोड़ रुपए तक मिलने की उम्मीद, सरकारी अस्पतालों में लगेंगे आधुनिक उपकरण

पटना (एजेंसी) । बिहार में कमजोर पड़ती कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर और तीसरी लहर की आशंका के बीच सरकार जिला अस्पताल से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को सुविधा संपन्न बनाने में जुट गई है। जल्द ही पूर्व में दिए गए उपकरणों, दवाओं के साथ इन अस्पतालों को और भी जीवन रक्षक उपकरण मुहैया कराए जाएंगे। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में कोरोना पैकेज के तहत घोषित 15 हजार करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की गई है। पैकेज की इस राशि से जहां फील्ड अस्पताल बनाने की योजना है वहीं अस्पतालों में 10 हजार लीटर आक्सीजन स्टोरेज की क्षमता भी विकसित की जानी है। बिहार में भी इस राशि से स्वास्थ्य प्रक्षेत्र में कई आमूल-चूल बदलाव होंगे। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के अनुसार फिलहाल केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत पैकेज का विस्तृत विवरण राज्य को प्राप्त नहीं हुआ है। एक-दो दिन के अंदर स्पष्ट होगा कि पैकेज में बिहार की हिस्सेदारी कितनी होगी। इधर स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने बताया कि बिहार को स्वीकृत पैकेज से सात सौ से आठ सौ करोड़ रुपये प्राप्त होने की उम्मीद है। इसके अनुपात में तीन सौ करोड़ रुपये के करीब राज्यांश दिए जाएंगे। इस राशि से कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के विस्तृत इंतजाम अस्पतालों में किए जाएंगे। मंगल पांडेय ने बताया कि राज्य सरकार ने फिलहाल अपने संसाधनों से राज्य भर के सदर अस्पताल से लेकर एपीएचसी तक को कोई प्रकार के आधुनिक उपकरण मुहैया कराए हैं। तीसरी लहर में बच्चों पर खतरे का दावा विशेषज्ञ कर रहे हैं जिसे देखते हुए विभिन्न नियोनेटल इंटेसिव केयर यूनिट (नीकू), पीडियाट्रिक इंटेसिव केयर यूनिट (पीकू) और स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में बचों के लिए सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। पैकेज मिलने पर इन्हें और आधुनिक मशीनों और उपकरणों से युक्त किया जाएगा। भविष्य में आक्सीजन का संकट ना हो इसके लिए 119 पीएसए आक्सीजन प्लांट भी लगाए जा रहे हैं। ये प्लांट मेडिकल कालेज अस्पताल, सदर अस्पताल के साथ अनुमंडल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और रेफरल अस्पताल में बन रहे हैं।

प्यार को नहीं मिला मुकाम तो प्रेमी-प्रेमिका ने दी जान, आज ही युवती की होनी थी शादी

मधुबनी (एजेंसी) । कहते हैं जीवन साथी और सच्चा प्यार जिंदगी में हर कोई चाहता है। कुछ को संयोग से मिल जाता है तो कुछ लोगों इस डगर में बहुत कुछ गंवाना पड़ता है। मधुबनी में प्यार को नहीं मिला मुकाम तो प्रेमिका ने शादी के एक दिन पहले प्रेमी के साथ मिलकर दे दी जान, सोमवार को घर में आनी थी बरात, हालांकि युवती मटकोर रस्म के पहले ही गायब हो गई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन दोनों की प्रेम कहानी गांव में सभी को पहले से पता था, लेकिन इसमें परिवार रोड़ा बनकर खड़ा था। बताते चले कि पंडौल थाना क्षेत्र के रूचौल गांव के तालाब में प्रेमी जोड़े का शव तैरता मिला। शव मिलने की सूचना फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। गांव के झामदास तालाब के पास शव देखने लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने देखा कि एक दुपट्टे से बंधा लड़का-लड़की का शव तालाब के पानी में तैर रहा है। लोगों ने तत्काल घटना की सूचना पंडौल थाना को दी। हालांकि, जब तक थानाध्यक्ष शंकर शरण दास, एसआई सुरती महतो, एएसआई मनोज कुमार इक्षसह व मुन्ना मांझी सहित सशस्त्र पुलिस बल के संग रूचौल पहुंचते, तब तक लोगों ने दोनों शव को पानी से बाहर निकाल लिया था। शवों की पहचान बथने पंचायत के वार्ड संख्या पांच रूचौल निवासी रामदेव पासवान की 19 वर्षीय

बेटी हेमा कुमारी एवं रामवृक्ष पासवान के 20 वर्षीय पुत्र अक्षय पासवान के रूप में हुई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही लोगों ने आनन-फानन में दुपट्टा में बंधे शव को खोल दिया और जलाने की नियत से बगीचा की ओर लेकर चले गए। स्थानीय लोगों के अनुसार उक्त दोनों युवक-युवती के बीच काफी लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लेकिन, दोनों के स्वजनों को यह स्वीकार नहीं था। इसी बीच हेमा के स्वजनों ने किसी और जगह उसकी शादी तय कर दी थी। रविवार को ही उसका मटकोर और सोमवार को शादी होनी थी। लेकिन, मटकोर से तीन दिन पूर्व ही वह अपने प्रेमी के साथ घर से भाग निकली थी। स्वजनों ने इस संबंध में पुलिस को कोई सूचना नहीं दी थी। अचानक रविवार की सुबह प्रेमी जोड़े का शव दुपट्टे से बंधा तालाब में तैरता मिला। मृतक युवक के गले पर कुछ निशान भी दिख रहे थे। स्थानीय लोग प्रेमी जोड़े की हत्या की संभावना से भी इनकार नहीं कर रहे। वहीं, कुछ लोग आत्महत्या की शंका जाहिर कर रहे हैं। इस बीच थानाध्यक्ष शंकर शरण दास दल बल के साथ वहां पहुंच गए। समाज के प्रबुद्धलोग व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रेमी जोड़े के स्वजनों ने पुलिस को लिखित आवेदन देते हुए बताया कि अक्षय व हेमा के बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा था।

मुख्यमंत्री के जनता दरबार में पहुंची महिला से छिनैती, सीधे नीतीश कुमार से की शिकायत

पटना (एजेंसी)। बिहार में पांच साल बाद सोमवार को दोबारा जनता के दरबार में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सुबह साढ़े 10 बजे से ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता के दरबार में पहुंच गए। नीतीश ने तय विभागों से जुड़ी समस्याओं की शिकायतें सुनीं। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अपनी दिक्कतों का निबटारा किया। जनता दरबार में पहुंची एक महिला के साथ छिनैती हो गई। उसने सीधे इसकी शिकायत सीएम नीतीश कुमार से कर दी। सीएम के कहने पर मामभे की जांच शुरू कर दी गई है। परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। बता दें कि सोमवार को मुख्यंत्री का जनता दरबार चल रहा था। बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे थे। इसी बीच एक महिला नीतीश कुमार के सामने अपनी समस्या बताने पहुंची। मुख्यमंत्री से अपनी परेशानी बताने के बाद जाते-जाते महिला ने कहा कि किसी ने उसकी जीतिया (लाकेट) छीन ली है। उसने कहा कि यह घटना परिसर में हुई है। सीएम ने महिला की बात सुनकर तुरंत मामले की जांच का आदेश दे दिया। जनता दरबार के लिए परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है। मुख्यमंत्री के जनता दरबार में एक छात्रा सोमवार को अपनी समस्या लेकर पहुंची। इस दौरान उसने नीतीश कुमार के समक्ष बताया कि अनजाने में मैंने बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन दे दिया था।

एक नज़र

राकेश टिकैत का बड़ा बयान, पुलिस बैरियर तोड़ने के लिए इस तरह तैयार होंगे ट्रैक्टर

नई दिल्ली/गाजियाबाद (एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने रविवार को यूपी गेट पर कहा कि अगर सितंबर तक सरकार किसानों की बात नहीं सुनेगी तो बड़ा निर्णय लिया जाएगा। किसानों के ट्रैक्टर कहकर संसद तक जाएंगे। यूपी गेट पर 28 नवंबर से तीनों कृषि कानूनों के विरोध में धरना चल रहा है। रविवार को यहां हरियाणा से प्रदर्शनकारी पहुंचे। राकेश टिकैत ने सभा को संबोधित किया।

राकेश टिकैत ने कहा कि कहा कि 26 जनवरी को पुलिस गुमराह करके ट्रैक्टरों को लाल किला पर ले गई थी। इस बार किसान गुमराह होने वाले नहीं हैं। अबकी बार संघर्ष हुआ तो किसान पीछे नहीं हटेंगे। सरकार सितंबर तक समस्या का निस्तारण करे नहीं तो हम सख्त निर्णय लेने को मजबूर होंगे। टिकैत ने कहा सरकार कहती है कि देश में न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी थी, है और रहेगी लेकिन हम बताना चाहते हैं कि मूंग के किसानों को एमएसपी नहीं मिला। 75 सौ रुपये एमएसपी वाली मूंग चार हजार रुपये में खरीदी गई। किसान मूंग लेकर संसद पर जाएंगे।

सरकार इस गलतफहमी में न रहे कि वाटर कैनन से किसानों के ट्रैक्टर रुक जाएंगे। बंपर लगे ट्रैक्टर न केवल बैरियर तोड़ेंगे बल्कि वाटर कैनन मारने के लिए लगाई गाड़ियों का भी इलाज करेंगे। राकेश टिकैत ने आगे कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है जब उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब समेत सब एक साथ हैं। चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत कहा करते थे कि इन चार राज्यों के किसान एक हो जाएं तो किसानी को दिक्कत ही न हो। इस दौरान अभिमन्यु कोहाड़, प्रधान नरेश दहिया, अतिल खाप के प्रधान हवा सिंह, तोमर खाप से चौधरी रतिराम आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ से पकड़ा गया पूर्व केंद्रीय मंत्री की पत्नी की हत्या का आरोपित

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय पीआर कुमारमंगलम की पत्नी व वरिष्ठ अधिवक्ता किट्टी कुमारमंगलम (67) की हत्या और लूट के मामले में दिल्ली पुलिस एक और कामयाबी मिली है। दिल्ली पुलिस ने इस लूट और हत्याकांड में आरोपित को टीकमगढ़ जिले के गांव बलदेवपुरा से गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमार मंगलम की पत्नी को उनके निवास बसंत विहार कॉलोनी दिल्ली में लूट करके हत्या कर दी थी। इसमें दो आरोपियों को दिल्ली पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। अब रविवार की सुबह दिल्ली पुलिस की टीम टीकमगढ़ आई और रात्रि में छापेमारी कर तीसरे आरोपित को गिरफ्तार किया है।

टीकमगढ़ जिले के पुलिस थाना जतारा के अंतर्गत आने वाले बलदेवपुरा गांव से तीसरा आरोपित सूरज कुमार अपनी पत्नी के साथ छिपा हुआ था। दिल्ली पुलिस ने इसके पास से 3400000 के लूटे हुए गहने भी बरामद किए है। बता दें कि हत्या व लूट के दौरान तीनों आरोपितों ने शराब पी रखी थी। इस मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपित राजू ने पुलिस को बताया है कि वारदात से पहले राकेश और सूरज शराब लेकर भंवर सिंह कैंप आए थे।

इसके बाद वे किट्टी के घर पहुंचे। चूंकि किट्टी सिर्फ उसे ही पहचानती थी, इसलिए पहले वही कपड़े लेने के बहाने घर पहुंचा और घरेलू सहायिका मैथिली को काबू में किया। इसके बाद राजेश व सूरज भी घर में घुसे। लूटपाट के दौरान राजेश व सूरज ने किट्टी की हत्या कर दी। राजू ने भी मिथिला की हत्या करनी चाही, लेकिन नशे व जल्दबाजी के कारण वह उसे मार नहीं पाया। राजू ने बताया कि लूटपाट का माल तीनों में बराबर-बराबर बांटने की बात हुई थी, लेकिन लूट के बाद राजेश व सूरज ने उसे धोखा दे दिया।

दिल्ली में 90 फीसद से अधिक पुलिसकर्मी व उनके परिजन लगवा चुके हैं टीका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस कोरोना का टीका लगवाने की दौड़ में आगे निकल चुकी है। अब तक 90 फीसद से अधिक पुलिसकर्मी व उनके परिवार के सदस्य टीके की दोनों डोज लगवा चुके हैं। पुलिस कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों को टीका लगवाने के लिए 10 टीकाकरण केंद्र संचालित हो रहे हैं। दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता चिन्मय बिश्वाल ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने अपने कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों के जल्द पूर्ण टीकाकरण की व्यवस्था की है।

दिल्ली के पुलिस आयुक्त बालाजी श्रीवास्तव ने वीडियो कान्फ्रेंस के जरिये कर्मियों से बातचीत की और सभी से अपने परिवार के सदस्यों को जल्द टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित भी किया गया। इसके साथ कोरोना संक्रमित पुलिस कर्मियों की देखभाल व मानसिक तनाव दूर करने के लिए वरिष्ठ अधिकारी लगातार उनके संपर्क में रहे। इसमें वरिष्ठ चिकित्सकों की मदद भी ली गई।

अधिकारी ने बताया कि टीके की प्रभावशीलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कोरोना की दूसरी लहर में, अधिकांश कर्मी जिन्हें पहले से ही टीका लग चुका था, वे हल्के या सबसे मध्यम लक्षणों से ठीक हो गए। टीकाकरण करने वालों में कोरोना से ठीक होने की दर 99 फीसद से अधिक रही। पुलिस कर्मियों व उनके परिवार के सदस्यों को टीका लगवाने के लिए अलग-अलग स्वास्थ्य केंद्रों पर 10 केंद्र संचालित किया जा रहा है।

पुलिस मुठभेड़ में 5 बदमाश गिरफ्तार, मुख्य साजिशकर्ता बिल्डर अभी भी फरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाड़ा हिंदूराव इलाके में हुई फायरिंग के मामले में दिल्ली पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मामले में अभी मुख्य साजिशकर्ता बिल्डर समेत कई अन्य फरार हैं। आरोपितों की पहचान फराशखाना निवासी मेहताब, नंदनगरी निवासी राहुल उर्फ चार्ली व हिमांशु के रूप में हुई है। इसके अलावा पुलिस ने दो अन्य आरोपितों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त एंटो अल्फोंस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में पता चला कि पीड़ित नईम व उनके भांजे मुनीफ को सदर बाजार, बाड़ा हिंदूराव व दिल्ली के अन्य इलाकों में बिल्डरों से खतरा प्रतिद्वंदिता थी।

जांच में पता चला कि बाड़ा हिंदूराव इलाके के अहाता किदारा में मुनीफ ने एक भवन निर्माण पर रोक लगवा कर उसे ध्वस्त करवा दिया था। इस

भवन का निर्माण दानिश नामक बिल्डर करा रहा था। भवन के ध्वस्त होने से दानिश को करोड़ों का नुकसान हुआ था। इसी मामले में दानिश ने नईम व मुनीफ को मारने के लिए अपने रिश्तेदारों व बदमाशों को पांच लाख की सुपारी देकर साजिश रची थी। पुलिस टीम ने घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो चार बदमाशों की पहचान हुई। इसके बाद पुलिस टीम ने एक सूचना पर वारदात में शामिल एक बदमाश राहुल उर्फ चार्ली को सिविल लाइन इलाके से गिरफ्तार कर लिया। वहीं, पुलिस की एक दूसरी टीम ने वारदात में शामिल दूसरे बदमाश हिमांशु को पकड़ लिया।

पूछताछ में दोनों ने बताया कि उनके एक दोस्त ने उन्हें बाड़ा हिंदूराव इलाके में किसी काम के लिए बुलाया। इसके बाद तीन लोग आटो से किशनगंज रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर पहुंचे वहां पर कार से दानिश और मेहताब आया और नईम व मुनीफ को मारने के लिए कहा। राहुल वैक्सीन के बारे में पूछने के बहाने अस्पताल में यह पता लगाने के लिए गया था कि नईम व मुनीफ अस्पताल में मौजूद हैं या नहीं।

इसके साथ ही उसे मुनीफ की कार को रोकने के लिए भी कहा गया था। जब राहुल मुनीफ की कार के सामने आया तो मुनीफ से उसकी बहस होने लगी। बात हाथापाई तक पहुंच गई। इस दौरान वहां कई और लोग आ गए। अन्य बदमाशों ने फायरिंग कर मौके से फरार हो गए।

वर्ष 1965 के बाद पहली बार यमुना का जल स्तर इतना घटा है और रोजना 100 एमजीडी पानी का उत्पादन प्रभावित हो रहा है : राघव चड्ढा

डीजेबी उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने दिल्ली में गहराए जल संकट के मद्देनजर वजीराबाद बैराज का किया निरीक्षण

सुप्रीम कोर्ट के दिए आदेश के अनुसार दिल्ली वालों को उनके हक का पानी दे खट्टर सरकार

अगर खट्टर सरकार ने दिल्ली वालों के हक का पानी नहीं छोड़ा तो, दिल्ली में त्राहिमाम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है : राघव चड्ढा

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री राघव चड्ढा ने हरियाणा से यमुना में पानी नहीं छोड़े जाने की वजह से दिल्ली में गहराए जल संकट के मद्देनजर आज वजीराबाद बैराज का निरीक्षण किया। राघव चड्ढा ने कहा कि हरियाणा की खट्टर सरकार सुप्रीम कोर्ट के दिए आदेश के अनुसार दिल्ली को पानी दे। हरियाणा से पानी नहीं छोड़े जाने के चलते यमुना का जल स्तर 7.5 फीट घट गया है। अगर हरियाणा ने पानी नहीं छोड़ा तो, दिल्ली में त्राहिमाम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने कहा कि 1965 के बाद पहली बार यमुना का जल स्तर इतना घटा है और इसके चलते दिल्ली में रोजना 100 एमजीडी पानी का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। राघव चड्ढा ने कहा कि सेंट्रल दिल्ली, वेस्ट दिल्ली और साउथ दिल्ली में जल संकट गहरा गया है, जिसमे पीएम आवास, राष्ट्रपति भवन, सुप्रीम कोर्ट और अंतरराष्ट्रीय दूतावास शामिल हैं। डीजेबी ने याचिका दायर कर सुप्रीम कोर्ट से 1995 में दिए अपने आदेश के अनुसार हरियाणा सरकार को रोजाना पानी देने के लिए निर्देशित करने की मांग की है।

हम झोली फैला कर मांगते हैं कि दिल्ली वालों को मानवीय और कानूनी आधार पर उनके हक का पानी दीजिए। इस पर राजनीति न करिए। दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री राघव चड्ढा ने आज वजीराबाद बैराज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वजीराबाद बैराज में हरियाणा की ओर से यमुना नदी का पानी छोड़ा जाता है। हम सीधा नदी से पानी उठाकर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में जाते हैं और उसे अपने वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में साफ करते हैं। इसके बाद हम लोगों के घरों तक पहुंचाते हैं। यह नदी पूरी भरी हुई होती है और नदी का स्तर 7.50 फीट और ऊपर होता है, लेकिन आज पानी बहुत कम स्तर पर नजर आ रहा है और एक बहुत बड़ा खाली मैदान नजर आ रहा है। यह रिवर बेल्ट पूरा भरा होता है, लेकिन क्योंकि हरियाणा ने दिल्ली के हक और दिल्ली के अधिकार का पानी रोक लिया है, इसके चलते आज नदी सूख गई है। रिवर बेल्ट इतना सूख गया है कि आप यहां क्रिकेट या हॉकी भी खेल सकते हैं। हरियाणा ने दिल्ली के अधिकार का कम से कम 120 एमजीडी पानी आज के समय में रोका हुआ है, जिसके चलते दिल्ली में एक जल संकट बनता नजर आ रहा है। डीजेबी उपाध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली एक लैंड लॉक शहर है। हम लोग आसपास पड़ोसी राज्यों से घिरे हुए हैं। पड़ोसी राज्यों पर हम अपने जलापूर्ति के लिए निर्भर हैं। थोड़ा पानी उत्तर प्रदेश गंगा नदी के माध्यम से देता है। थोड़ा हरियाणा यमुना नदी के माध्यम से देता है और भांखड़ा नंगल से पंजाब की ओर से कुछ पानी आता है।

उसमें सबसे बड़ा हिस्सा किसी का होता है, तो वह यमुना नदी का है, लेकिन आज हरियाणा सरकार ने दिल्ली का हक मार लिया है। दिल्ली वालों का हक का पानी रोक लिया है और आज हरियाणा हमें अपने अधिकार और हक का पानी नहीं दे रहा है। उन्होंने पानी इस कदर रोका है कि 1965 के बाद पहली बार यमुना नदी का जल स्तर इस वजीराबाद बैराज पर इतना घट गया है। आज इसकी वजह से दिल्ली के अंदर रोजाना 100 एमजीडी पानी का उत्पादन प्रभावित हो गया है। मैं हाथ जोड़कर हरियाणा की खट्टर सरकार से विनती करता हूं कि दिल्ली वालों के अधिकार का पानी दे दीजिए। दिल्ली वालों का हक मत मारिए। कानून के तहत आपको यह पानी देना है। सुप्रीम कोर्ट ने यह तय किया है।

यह मैनीटेरियन ग्राउंड पर पानी देना है। आज आप दिल्ली वालों का अधिकार जो मार रहे हैं, दिल्ली वालों के हक का पानी उन्हें नहीं दे रहे हैं, इससे पूरी दिल्ली में त्राहिमाम त्राहिमाम हो सकती है। दिल्ली के उन इलाकों सेंट्रल दिल्ली और एनडीएमसी एरिया, जहां प्रधानमंत्री का निवास, सुप्रीम कोर्ट हाई कोर्ट और अंतरराष्ट्रीय दूतावास है, वह सारा सेंट्रल दिल्ली, लुटियंस दिल्ली और एनडीएमसी के इलाकों के सिर पर आज जल संकट का खतरा मंडरा रहा है। इसीलिए हरियाणा सरकार से हाथ जोड़कर का विनती है कि आप खुद देखिए कि यमुना नदी सूख गई है। यमुना नदी में अब पानी नहीं बचा है। आप रिवर बेल्ट देख सकते हैं, यहां पर गिल्ली, डंडा, हॉकी और क्रिकेट खेल सकते हैं। कृपया कर दिल्ली वालों का उनके हक का पानी दीजिए। श्री राघव चड्ढा ने कहा कि यमुना नदी इसलिए सूख गई है, क्योंकि हरियाणा ने दिल्ली के हक का पानी रोक दिया है। हरियाणा की खट्टर सरकार ने 120 एमजीडी प्रतिदिन जो दिल्ली को मिलना चाहिए, वह नहीं दे रही है। मैं हरियाणा के सीएम खट्टर से हाथ जोड़कर कहना चाहूंगा कि आपकी दिल्ली वालों से क्या दुश्मनी है? आपको सुप्रीम कोर्ट द्वारा 1995 में दिए गए आदेश के अनुसार, जितना पानी देना चाहिए, आप दिल्ली वालों को उतना पानी दीजिए।

आप मानवीय आधार पर दिल्ली वालों को पानी दीजिए। अगर हरियाणा की खट्टर सरकार ने दिल्ली वालों के हक का पानी नहीं छोड़ा तो, दिल्ली में त्राहिमाम त्राहिमाम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह हमारा हक है। हम कोई भीख या खैरात नहीं मांग रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने तय किया था कि हरियाणा को इतना पानी दिल्ली को देना है, लेकिन हरियाणा सरकार वह पानी नहीं दे रही है। मैं हरियाणा सरकार के मंत्रियों से कहना चाहूंगा कि आप यहां आइए और अपनी आंखों से देखिए।

निर्माण श्रमिकों के बैंक डिटेल्स को अपडेट करने के लिए 12 जुलाई से 17 जुलाई तक स्पेशल कैम्प

कोरोना काल में दिल्ली सरकार द्वारा दी गई सहायता राशि से वंचित रजिस्टर्ड निर्माण श्रमिकों को इन कैम्प्स से मिलेगा फायदा

निर्माण श्रमिकों को अब लंबी कतारों में खड़े होने की ज़रूरत नहीं, ऑनलाइन ही कर सकेंगे रजिस्ट्रेशन और क्लेम

निर्माण श्रमिकों की सहायता के लिए दिल्ली सरकार ने शुरू की 24म7 हेल्पलाइन

दिल्ली बिल्डिंग एंड कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की संख्या हुई 3 लाख के पार, सरकार की अगले साल तक 10 लाख निर्माण श्रमिकों को पंजीकृत करने की योजना

दिल्ली सरकार सदैव निर्माण श्रमिकों के हितों के लिए प्रतिबद्ध, हमारा लक्ष्य हरेक निर्माण श्रमिक तक पहुंच सके सरकारी सहायता : उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया

विकास.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली बिल्डिंग एंड कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड निर्माण श्रमिकों के बैंक डिटेल्स के संशोधन के लिए 12 से 17 जुलाई तक एक विशेष कैम्प का आयोजन कर रही है। कोरोना काल के दौरान दिल्ली सरकार ने निर्माण श्रमिकों को 5-5 हज़ार रुपये की सहायता राशि दी थी। लेकिन पर्याप्त बैंक डिटेल्स या रजिस्ट्रेशन के दौरान बैंक डिटेल्स अपलोड न करने के कारण कुछ श्रमिकों की सहायता राशि बैंक की ओर वापस कर दी गई। इसी को देखते हुए सरकार ने बैंक डिटेल्स अपडेशन के लिए आज से विशेष कैम्प शुरू किया है।

ताकि बाकी बचे श्रमिकों को भी सहायता राशि [illegible] के। [illegible] 12 जुलाई [illegible] 17 जुलाई 2021 तक 3 [illegible] जिलों में स्पेशल कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं जहां कोविड प्रोटोकॉल और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जा सकता है। ये कैम्प 3 श्रम कार्यालयों में लगाए जाएंगे। 1. श्रम कल्याण केंद्र, निमरी कॉलोनी, अशोक विहार, उत्तर और उत्तर पश्चिम जिला कार्यालय 2.श्रम कल्याण केंद्र, झिलमिल कॉलोनी, उत्तर और उत्तर पूर्व जिला कार्यालय 3.श्रम कल्याण केंद्र, पुष्प विहार, पुष्प भवन, दक्षिण जिला कार्यालय। इसके अलावा दिल्ली सरकार ने पिछले दो महीनों में कंस्ट्रक्शन बोर्ड में बड़े सुधार किए हैं। सरकार द्वारा श्रमिकों का ऑनलाइन वैरिफिकेशन सिस्टम शुरू किया गया है। साथ ही अब श्रमिकों को अपना रेजिस्ट्रेशन करवाने के लिए लेबर ऑफिस में जाने की जरूरत नहीं है उनके रेजिस्ट्रेशन की पूरी प्रक्रिया अब आ[illegible] है। [illegible] फ़ेस कैप्चर और ऑनलाइन पेमेंट के द्वारा श्रमिकों का ऑनलाइन वेरिफिकेशन भी हो जाएगा। इससे श्रमिकों को अपना काम छोड़ कर कार्यालयों की लंबी लाइनों में नहीं लगना होगा और वे अपने सुविधा के अनुसार किसी भी समय अपनी रेजिस्ट्रेशन कर पाएंगे।

नए किए गए सुधारों के बाद श्रमिक अपने सभी क्लेम अब इसे ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर ऑनलाइन कर सकते है। क्लेम्स जैसे- शिक्षा, पेंशन, मातृत्व लाभ, विवाह, मृत्यु आदि ऑनलाइन दर्ज किए जा सकता हैं और दो सप्ताह के भीतर वे डोरस्टेप डिलीवरी के माध्यम से भी उपलब्ध होंगे। सरकार द्वारा निर्माण श्रमिकों के लिए 24म7 हेल्पलाइन भी शुरू की गई है जहां श्रमिकों को 011-41236600 डायल करना होगा और एक मिस्ड कॉल देना होगा। जहां 48 घंटों के भीतर ही श्रमिकों की समस्याओं को सुनकर उनका निपटारा करने का काम किया जाएगा। इन सुधारों पर चर्चा करते हुए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार श्रमिक भाइयों-बहनों की बेहतरी के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि इस इन कैम्प के आयोजन का लक्ष्य सभी निर्माण श्रमिकों के डेटा को अपडेट करने है ताकि सरकार द्वारा मिलने वाली सहायता सभी निर्माण श्रमिकों तक समय के साथ पहुंच सके। इन सभी सुधारों के कारण पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की संख्या दिसंबर में लगभग 1 लाख थी जो आज बढ़कर 3 लाख से अधिक हो चुकी है। दिल्ली सरकार ने अगले साल तक दिल्ली के सभी 10 लाख निर्माण श्रमिकों को पंजीकृत करने लक्ष्य रखा है।

opensearch

दिल्ली में पानी का जबरदस्त संकट, सुप्रीम कोर्ट पहुंचा गया मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में पानी की कमी के लिए दिल्ली जल बोर्ड यमुना में जलस्तर घटने की बात कहते हुए हरियाणा सरकार पर कम पानी छोड़ने का आरोप लगा रहा है। जल बोर्ड इसे लेकर हरियाणा सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट भी चला गया है। वहीं, हरियाणा सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि उसने दिल्ली को दिए जाने वाले पानी में कोई कमी नहीं की है। उसका कहना है कि दिल्ली सरकार पहले भी इन आरोपों को लेकर सुप्रीम कोर्ट गई है और शीर्ष अदालत ने हमेशा माना है कि हरियाणा की ओर से दिल्ली को पानी की आपूर्ति ठीक है। दिल्ली और हरियाणा सरकार के इन आरोप-प्रत्यारोप के बीच यह भी एक सच्चाई है कि दिल्ली

इन दिनों गंभीर पेयजल संकट से जूझ रही है और अधिकतर इलाकों में लोग पानी के लिए परेशान हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में यह स्थिति कतई स्वीकार नहीं की जा सकती। हर साल गर्मी के दिनों में राजधानी में पानी के लिए हाहाकार मचता है, लेकिन यह निराशाजनक ही है कि इस समस्या से अब तक कोई निजात नहीं मिल सकी है। यदि जल बोर्ड के आरोप सही हैं कि हरियाणा से उसे कम पानी की आपूर्ति की जा रही है तो उसे तथ्यों के साथ अपनी बात सुप्रीम कोर्ट में रखनी चाहिए, ताकि यदि हरियाणा दिल्ली के हिस्से का पानी रोक रहा है, तो अदालत उसे दिल्ली को पूरा पानी देने के लिए निर्देशित करे। यदि तथ्यों के साथ अदालत में अपनी बात नहीं रखी जाएगी तो जैसा हरियाणा की ओर से कहा जा रहा है, सुप्रीम कोर्ट एक बार फिर हरियाणा को सही ठहराएगा। वहीं, दिल्ली में हर साल गर्मी के दिनों में होने वाली पेयजल समस्या को दूर करने के लिए जल बोर्ड को ठोस प्रयास करने चाहिए। जल बोर्ड को समयबद्ध तरीके से ऐसी योजना बनानी चाहिए कि दिल्लीवासियों की पेयजल समस्या को न्यूनतम किया जा सके।

दिल्ली-एनसीआर में अगले दो घंटे में तेज हवाओं के साथ होगी बारिश, IMD ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में अगले दो घंटे में तेज हवाओं के साथ बारिश होने की उम्मीद है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बताया है कि अगले 2 घंटों में दिल्ली, उत्तर-पूर्वी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, साउथ-ईस्ट दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा के सोनीपत, पलवल, राजस्थान के सियाणा,भरतपुर, यूपी के हापुड़, बुलंदशहर, सिकंदराबाद और आसपास के इलाकों में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होगी। मौसम विभाग ने बताया कि 30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेगी। इस दौरान हरियाणा के नारनौल में भी बारिश होने की उम्मीद है।

बता दें कि मानसून की बेरुखी से दिल्ली-एनसीआर में उमसभरी गर्मी का दौर खत्म नहीं हो रहा है। सोमवार दिनभर लोग गर्मी से परेशान रहे। इससे पहले रविवार को मौसम विभाग ने भी ट्वीट कर दिल्ली के आजादपुर, पीतमपुरा, नरेला व आया नगर इलाके में बारिश होने का पूर्वानुमान जारी किया था लेकिन बारिश नहीं हुई। वहीं, मौसम विज्ञानियों का कहना है कि उत्तर भारत के कुछ इलाकों के लिए मौसम विभाग के पूर्वानुमान में गड़बड़ी के पीछे पूर्वानुमान माडलों के गलत संकेत और पूर्वी व पश्चिमी हवाओं के बीच पारस्परिक प्रभाव के आकलन में कठिनाई जैसे कारण हैं। मौसम विभाग के अनुसार एक जून के बाद दिल्ली में सामान्य से 64 फीसद कम बारिश हुई है।

राजेंद्र पाल गौतम और स्वाति मालीवाल ने शेल्टर होम का किया औचक निरीक्षण

ध्रमेन्द्र सिंह लोधी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। मंत्री राजेंद्र पाल गौतम और दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने शेल्टर होम का औचक निरीक्षण किया। शेल्टर होम में अव्यवस्था मिलने पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि लड़कियों के शेल्टर में खाना बनाने वाले कुक पुरुष थे।

बच्चियों की सुरक्षा के मद्देनजर शेल्टर होम में तुरन्त महिला कुक रखने के निर्देश दिए हैं। केजरीवाल सरकार हर बच्चे के लिए अच्छी शिक्षा और विकास सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। 72 घंटे में अधिकारियों को एक्शन टेकन रिपोर्ट भी देने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली महिला आयोग के अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा कि शेल्टर होम में रहने वाले बच्चों को खास प्यार और स्नेह की आवश्यकता है। महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम और दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्षा स्वाति मालीवाल ने कमला नगर स्थित शेल्टर होम का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान शेल्टर होम में कई समस्याएं पायी गई। निरीक्षण के दौरान शेल्टर

होम में क्षमता से अधिक बच्चियां पायी गई। छोटे से शेल्टर होम में 78 लड़कियां रह रही हैं। इसके अलावा शेल्टर होम के कमरे बेहद छोटे थे और वेंटिलेशन की कोई सुविधा नहीं थी। शेल्टर होम चारों तरफ से बंद है और जेल जैसा प्रतीत होता है।? इसके अलावा कोरोना के दौर में सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क बेहद जरूरी है। ऐसे में टीम ने पाया की अधिकतर बच्चों ने मास्क तक नहीं पहने हुए थे। छोटे-छोटे कमरों में बच्चों के बीच सामाजिक दूरी रखना भी लगभग असंभव है। भीषण गर्मी के समय में भी दिन के वक्त शेल्टर के कूलर नहीं चलाए जाते और बच्चों को गर्मी में रहना पड़ता है। इसके अलावा बच्चियों के कमरे साफ नहीं थे, क्योंकि कमरों की सफाई के लिए कोई अतिरिक्त स्टाफ नहीं था। बच्चों को खुद ही अपना कमरा साफ करना पड़ता है। बच्चों के खेलने और मनोरंजन की कोई व्यवस्था नहीं है। बच्चों को हर वक़्त अंदर रखा जाता है और उन्हें बाहर निकलने की भी अनुमति नहीं है। इसके अलावा मंत्री राजेंद्र गौतम और स्वाति ने शेल्टर में खाना खाकर देखा, जिसमें पाया कि भोजन ठीक नहीं था। जहां पर खाना बनता है वहां बहुत गंदगी थी और कुक ने मास्क और ग्लव्स भी नहीं पहने थे।

कोरोना की मार खाए व्यापारियों की दुकानें सील कर रही भाजपा की एमसीडी, सील हटाने के बदले मांगे 2 लाख रुपए प्रति यूनिट

ट्रेड लाइसेंस कॉन्ट्रैक्ट 31 मार्च 2022 का था : दुर्गेश पाठक

यदि जमीन का विवाद था तो भाजपा ने उनके ट्रेड लाइसेंस मान्य ही क्यों किए थे : दुर्गेश पाठक

यदि आप दिल्ली वालों का अच्छा नहीं कर सकते हैं तो कम से कम उनके साथ बुरा भी मत कीजिए : दुर्गेश पाठक

रणवीर गहलोत. ओपन सर्च

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक ने सोमवार को बयान जारी करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की एमसीडी ने कोरोना की मार खाए कई व्यापारियों की दुकानें सील कर दी हैं, ट्रेड लाइसेंस रद्द कर दिया है। भाजपा ने सील हटाने के लिए उनसे प्रति यूनिट 2 लाख की मांग की है। यह मामला विधानसभा करावल नगर के सोनिया विहार क्षेत्र का है जहां एनजीटी ने एमसीडी, दिल्ली प्रदूषण बोर्ड और पुलिस की एक कमेटी बनाकर जांच करने और प्रदूषण करने वाली दुकानों को सील करने का आदेश दिया था। जांच के बाद लगभग 200 यूनिट में से प्रदूषण करने वाली 5 यूनिटों को सील किया गया।

इसके बाद भाजपा के नेताओं के मन में लालच आ गया और उन्होंने ज़मीनी विवाद बताकर कई व्यापारियों का ट्रेड लाइसेंस रद्द कर दिया। दुर्गेश पाठक ने प्रश्न किया, यदि जमीन का विवाद था तो भाजपा ने उनके ट्रेड लाइसेंस मान्य ही क्यों किए थे? आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि कोरोना के इस दौर में न जाने कितने घर बर्बाद हुए, न जाने कितने लोग सड़क पर आ गए और ना जाने कितने लोगों का व्यापार ठप हो गया। दुनिया में ऐसी कोई सरकार नहीं होगी जो अपने नागरिकों को इस विपदा से बाहर निकालने की कोशिश नहीं कर रही होगी। तरह-तरह की छूट देकर, तरह-तरह की सहूलियत देकर लोग कोशिश कर रहे हैं कि इकोनॉमी ट्रैक पर आ जाए, व्यापार ट्रैक पर आ जाए। लेकिन यह दिल्ली का दुर्भाग्य है, जहां सबसे बड़ी समस्या भारतीय जनता पार्टी की एमसीडी है। एक तरफ दिल्ली सरकार और अन्य सरकारें हैं जो इकोनॉमी और व्यापार को ऊपर लाना चाहती हैं। वहीं दूसरी ओर भाजपा की एमसीडी है जो कभी ट्रेड लाइसेंस फीस बढ़ाकर, कभी कमर्शियल टैक्स बढ़ाकर तो कभी प्रोफेशनल टैक्स बढ़ाकर व्यापारियों को तबाह करने में लगी हुई है। और जब इससे भी भाजपा का मन नहीं भरा तो अब वह व्यापार को सील करने में लगी हुई है। उन्होंने कहा, आज मैं आपको एक दुख भरी दास्तां सुनाऊंगा और आप लोग उसे सुनकर यह तय करें कि इसमें क्या करना चाहिए।

यह दास्तां मेरी ही विधानसभा करावल नगर की है। सोनिया विहार नाम का वहां एक छोटा सा क्षेत्र है जहां कुछ लोग मिलकर कबाड़ के गोदाम का व्यापार चलाते हैं। कई सालों से लोग वहां व्यापार कर रहे हैं। कुछ लोगों ने एनजीटी से शिकायत की, कि शायद यह लोग प्रदूषण कर रहे हैं। एनजीटी ने एमसीडी, दिल्ली प्रदूषण बोर्ड और पुलिस की एक कमेटी बनाई और उन्हें मामले की जांच करने को कहा। वहां करीब 200 यूनिट थे तो एनजीटी ने उन 200 यूनिट की जांच करने को कहा और साथ ही आदेश दिया कि यदि प्रदूषण का मामला है तो उन्हें तुरंत सील करें। आप नेता ने कहा, हमारा भी यही मानना है कि यदि कोई प्रदूषण का कारण बन रहा है तो उसे तुरंत सील कर देना चाहिए। मामले की जांच करने पर कमेटी को 200 यूनिट में से केवल 5 ऐसी यूनिट मिली जो प्रदूषण कर रही थी। पांचों यूनिट को तुरंत सील कर दिया गया। लेकिन इस कमेटी में शामिल भारतीय जनता पार्टी की ईस्ट एमसीडी यहां भी नहीं रुकी। खास बात यह है कि वहां पर जितनी भी दुकानें हैं, उनका ट्रेड लाइसेंस कॉन्ट्रैक्ट 31 मार्च 2022 का था। इसके बावजूद एमसीडी ने पिछले 2-3 दिनों में कई और दुकानों को बेवजह सील कर दिया। एमसीडी की एक लिस्ट का हवाला देते हुए दुर्गेश पाठक ने कहा, एमसीडी ने खुद से एक लिस्ट निकाली है जिसमें यह बताया कि इन लोगों के ट्रेड लाइसेंस रद्द कर रहे हैं। मैं बताना चाहूंगा कि ट्रेड लाइसेंस बनता कैसे है। जब कोई व्यक्ति ट्रेड लाइसेंस के लिए अप्लाई करता है तो एमसीडी के अधिकारी और इंस्पेक्टर जाकर जांच करते हैं, जांच करने के बाद ही लाइसेंस को मान्यता देते हैं।

एमसीडी का कहना है कि यहां पर जमीन का कुछ विवाद है इसलिए इनका ट्रेड लाइसेंस नहीं चल सकता है। बात उठी थी प्रदूषण की लेकिन एमसीडी जमीन के विवाद तक पहुंच गई। तो मेरा सवाल यह है कि यदि जमीन का विवाद था तो आपने इन सभी ट्रेड लाइसेंस को मान्य क्यों किया? इसका मतलब है कि आप की प्रक्रिया और आपके सिस्टम में गड़बड़ी है

सम्पादकीय...

ओपन सर्च

सीमित संसाधन, बढ़ती आबादी एक संकट

भारत एक ऐसा राष्ट्र है जहां प्राचीन समय से ही मानव जीवन को नियमित व संतुलित रूप से एक सीमित रूप से जीने की बात कही जाती रही है। सीमित संसाधनों का सीमित समय में व नियंत्रण में सदुपयोग एक नई विकास की गाथा रचता है। हमारा भारतीय समाज बहुत लंबे समय से ही पूरे विश्व के लिए जीवन जीने की विधि के लिए प्रसिद्ध तथा विख्यात व मार्गदर्शक की भूमिका में रहा है। समाज वक्त के साथ चलते-चलते परिवर्तन धारा में बहता रहता है जिसके कारण समाज में परिवर्तन आना स्वाभाविक होता है, लेकिन किसी भी कार्य और चीज की अति हो जाना उसे अंत की ओर ही ले जाती है। स्पष्ट है कि भारत में भी पिछले कुछ एक-दो दशकों से जनसंख्या में अति वृद्धि हुई है तथा निरंतर होती भी जा रही है। प्रकृति का नियम रहा है कि अति से ही क्षति होती है और क्षति से ही अंत निश्चित है। सार्वभौमिक तौर पर समस्त चीजें वक्त और परिस्थितियों पर ही निर्भर करती हैं। चाहे समाज कैसा भी हो, हमारे भारतीय समाज व देश में भी आज के वर्तमान समय में जो सब समस्याओं की जड़ प्रतीत हो रही है, वो कोई और नहीं बल्कि जनसंख्या विस्फोट ही नजर आती है क्योंकि जितने लोग होंगे उतना ही उपभोग होगा, संसाधनों पर भी उतना ही भार बढ़ जाएगा, लोगों की आवश्यकता की पूर्ति संतोषजनक नहीं होगी। चाहे वो जल हो, अन्न हो, पेट्रोल हो, डीजल हो, रोजगार हो या अन्य मानव सेवाएं, सब पर जनसंख्या वृद्धि से अत्यधिक भार पड़ना स्वाभाविक ही है जिसके परिणामस्वरूप एक संकट की स्थिति का उद्भव हो जाता है जोकि लूट-खसूट से प्रारंभ होकर प्राकृतिक संतुलन में गिरावट, आतंक, कृषि योग्य भूमि की कमी, महंगाई, भ्रष्टाचार, मारामारी, रोजगार की कमी, संसाधनों पर बोझ तक मानव निर्मित संकट के रूप में सामने आता है जोकि प्रकृति के लिए भी हानिकारक है और समस्त मानव समाज के लिए भी। इसलिए सबके लिए महत्त्वपूर्ण है जनसंख्या को नियंत्रित करके एक सुखी समाज व राष्ट्र की कल्पना करें। परिवार नियोजन वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता समाज के सुखद भविष्य के लिए महसूस की जा रही है। 'हम दो हमारे दो' व 'शेर का बच्चा एक ही अच्छा' जैसी अनेक जागरूक धारणाएं समाज में लोगो द्वारा दी जाने लगी हैं, लेकिन समाज का एक बड़ा वर्ग अभी भी जनसंख्या विस्फोट से अनजान है। इस प्रकार से जानबूझकर अनजान होना आने वाले समय में संकट के संकेत हैं जिसके लिए सबको अभी से तैयार रहना होगा, क्योंकि बाद में संभलने का मौका नहीं मिलने वाला है। गौरतलब है कि देश में आखिरी बार जनगणना 2011 में हुई थी। इस जनगणना को एक दशक पूरा हो चुका है। इस एक दशक में देश में बहुत कुछ बदल गया है। 2011 की जनगणना के अंतिम आंकड़ों के मुताबिक भारत की आबादी 1.21 अरब यानी 121 करोड़ थी। यह जनसंख्या अमरीका, इंडोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैस देशों की कुल आबादी से भी अधिक है।

> **परिवार नियोजन वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता समाज के सुखद भविष्य के लिए महसूस की जा रही है। 'हम दो हमारे दो' व 'शेर का बच्चा एक ही अच्छा' जैसी अनेक जागरूक धारणाएं समाज में लोगो द्वारा दी जाने लगी हैं, लेकिन समाज का एक बड़ा वर्ग अभी भी जनसंख्या विस्फोट से अनजान है। इस प्रकार से जानबूझकर अनजान होना आने वाले समय में संकट के संकेत हैं जिसके लिए सबको अभी से तैयार रहना होगा, क्योंकि बाद में संभलने का मौका नहीं मिलने वाला है।**

इन आंकड़ों से अब अंदाजा लगाया जा सकता है कि वर्तमान समय में जनसंख्या वृद्धि दर कहां होगी। जनसंख्या को नियंत्रण करना आज के दौर की सबसे प्रमुख चुनौती है। बढ़ती हुई जनसंख्या देश की आर्थिक स्थिति तो बिगाड़ती ही है, इसके साथ ही बेरोजगारी जैसी समस्या को भी जन्म देती है। इसके नियंत्रण के लिए सरकार को जागरूकता के साथ-साथ कानून भी बनाना होगा। देश के लोगों को कानून की बजाय स्वयं आगे आकर विवेक का इस्तेमाल कर जनसंख्या नियंत्रण में सहयोग करना चाहिए। यह भी एक तरह से किसी देशभक्ति से कम नहीं है। भारत में गरीबी, अशिक्षा और जातीय राजनीति की वजह से जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने का कोई फायदा नजर नहीं आता है। लोगों को जागरूक और शिक्षित कर ही इस मामले का हल निकाला जा सकता है। भारत के तकरीबन हर परिवार में लोगों की संतान के तौर पर पहली पसंद लड़का ही होता है। इस स्थिति में जनसंख्या नियंत्रण कानून से लड़कियों को गर्भ में ही मारने की घटनाएं बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने से पहले सरकार को इसके दुष्प्रभावों को लेकर लोगों में व्यापक जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है। विशेषज्ञों की मानें तो जनसंख्या नियंत्रण कानून से जनसांख्यिकीय विकार पैदा होने का खतरा बढ़ सकता है।

उच्च कोटि का हीरा बनाम जीवनदायी जंगल

जावेद अनीस

अक्टूबर 2009 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बक्सवाहा में ऑस्ट्रेलिया की हीरा कंपनी रियो टिन्टो के हीरा सेम्पल प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन करते हुये कहा था कि जल्दी ही इस क्षेत्र में उच्च कोटि का हीरा मिलने की संभावना है, जिससे क्षेत्र का विकास होगा, आर्थिक समृद्धि आएगी और साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। आज यही उच्च कोटि का हीरा इस क्षेत्र के जंगल और इकोसिस्टम के लिये सिरदर्द बन चुका का है. दरअसल बकस्वाहा के इस जंगल में 3.42 करोड़ कैरेट हीरे दबे होने का अनुमान लगाया गया है, जिसे देश का सबसे बड़ा हीरा भंडार बताया जा रहा है साथ ही इसकी गुणवत्ता भी बहुत अच्छी बतायी जा रही है।

इसी हीरे के भंडार को निकालने के लिये बकस्वाहा के करीब 382.131 हेक्टेयर जंगल क्षेत्र को खत्म करने की योजना है, और सरकारी अनुमान के मुताबिक इसमें करीब 2 लाख 16 हजार पेड़ काटे जायेंगें। जाहिर है वास्तविक रूप में यह संख्या कहीं अधिक हो सकती है। लेकिन यह सिर्फपेड़ों की कटाई का ही मसला नहीं है बल्कि इससे एक जंगल का इकोसिस्टम भी खत्म हो जायेगा, जिसमें इस जंगल मे रहने वाले हजारों जानवर, पक्षी, औषधीय पेड़, पौधे और अन्य जीव शामिल हैं। किसी भी जंगल के इकोसिस्टम को बनने में हजारों साल लग जाते हैं। गौरतलब है कि मई 2017 में मध्यप्रदेश के जियोलॉजी एंड माइनिंग विभाग और हीरा कंपनी रियो टिन्टो द्वारा पेश किये गये रिपोर्ट में बताया गया था कि बकस्वाहा के जंगल में तेंदुआ, बाज, भालू, बारहसिंगा, हिरण, मोर जैसे वन्यजीव पाए जाते हैं लेकिन अब बताया जा रहा है कि इस जंगल में संरक्षित वन्यजीव नहीं हैं। लंबे समय से बुंदेलखंड गरीबी और पलायन का शिकार रहा है, यहां की हरियाली और जल स्त्रोत पहले से ही नाजुक स्थिति में पहुंच चुकी है, लेकिन अब इस इलाके के बचे-खुचे हरे हिस्से पर भी इस प्रोजेक्ट की नजर लग गयी है। बक्स्वाहा क्षेत्र के जमीन में दफ्न हीरा ही उसका दुश्मन बन चूका है। हीरे के चक्कर में अगर जंगल नष्ट किया जाता है तो पहले से पानी की कमी की मार झेल रहे बुंदेलखंड के इस क्षेत्र में पानी की भीषण समस्या और गहरा सकती है। इसका असर पूरे बुंदेलखंड इलाके के ईको-सिस्टम पर असर पड़ना तय है। हीरा निकालने के लिये खदान को करीब 1100 फीट गहरा खोदा जाएगा जिससे आसपास के इलाके का भूमिगत जल स्तर प्रभावित हो सकता है साथ ही इस प्रोजेक्ट में रोजाना बड़ी मात्रा में पानी की जरूरत होगी, जिसे जमीन से निकाला जायेगा, जिससे बुंदेलखंड जैसा पहले से ही सूखाग्रस्त क्षेत्र बंजर बन सकता है। इसी प्रकार से बकस्वाहा के जंगल पर आसपास के गावों के एक हजार से ज्यादा परिवार अपने जीविकोपार्जन के लिये जंगल पर निर्भर हैं, जिनमें से अधिकतर आदिवासी हैं। अगर जंगल नष्ट किया जाता है तो इन परिवारों का जीविकोपार्जन भी पूरी तरह से प्रभावित होगा। फ़िलहाल प्रोजेक्ट बक्सवाहा को राज्य सरकार से हरी झंडी मिल चुकी है और केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने का इन्तेजार है. गौरतलब है कि 2004 में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा बुंदेलखंड क्षेत्र में हीरा की खोज के लिए सर्वे का काम रियो टिंटो कंपनी को दिया गया, जिसके तहत कंपनी को एक्सप्लोर करने की प्रोसपेक्टिंग लाइसेंस दिया गया था। उस दौरान स्थानीय स्तर पर इस प्रोजेक्ट और कंपनी का भी काफी विरोध हुआ था। बाद में रियो टिंटो ने खनन लीज के लिए आवेदन किया था। लेकिन मई 2017 में रियो टिंटो ने अचानक यहां अपना काम बंद कर दिया और कंपनी इस पूरी प्रक्रिया से अलग हो गयी। इसके बाद 2019 में आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी एसल माइनिंग ऐंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने बकस्वाहा में माइनिंग के लिये सबसे ज्यादा बोली लगाई, जिसके बाद मध्यप्रदेश सरकार द्वारा इस कंपनी को जंगल 50 साल की माइनिंग लीज पर दिया गया है। स्थानीय अखबारों के अनुसार कंपनी ने कुल 382.131 हेक्टेयर का जंगल क्षेत्र मांगा है, जिसके एक हिस्से का उपयोग खनन करने और प्रोसेस के दौरान खदानों से निकला मलबा डंप करने में किया जाएगा। बताया जा रहा है कि है एक बार ये प्रोजेक्ट शुरू हो गया तो ये एशिया का सबसे बड़ा डायमंड माइन्स बन सकता है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बक्सवाह जंगल में कटने वाले पेड़ों के एवज में क्षतिपूर्ति में एक के मुकाबले चार पेड़ लगाने की बात कर रहे हैं, लेकिन खुद शिवराज सरकार ने अभी तक जितने भी वनीकरण किये हैं, वो बस हवाई साबित हुये हैं। साथ ही हम सब जानते हैं कि एक जंगल की भरपाई पौधे लगाकर तो नहीं की जा सकती है, जंगल तो सदियों में बनते हैं। इसीलिए प्रोजेक्ट बक्सबाहा के विरोध का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। खास बात यह है कि इस मुद्दे के दायरे को बड़ा बनाने में युवाओं और सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है, स्थानीय युवा समूह बक्सबाहा के मुद्दे को ट्विटर पर कई बार ट्रेंड करा चुके हैं जिससे देश भर के लोग और समूह इससे परिचित हुये हैं और जुड़े हैं। साथ ही इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका भी दायर की गयी है।

शायद विरोध के दायरे को बढ़ता देखते हुये प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा को सामने आकर कहना पड़ा कि ष्बकस्वाहा प्रोजेक्ट का विरोध करने वाले लोग वामपंथी हैं जो विकास में रोड़ा पैदा कर रहे हैं। इधर लॉकडाउन हटने के बाद से कुछ जमीनी कारवाही भी शुरू हुयी हैं। इसी कड़ी में एक से चार जुलाई के दौरान युवाओं द्वारा दमोह शहर से बक्सवाहा के जंगल तक पदयात्रा निकाली जा गयी है, जिसका मकसद स्थानीय स्तर पर लोगों के बीच इस मुद्दे को पहुंचाते हुये उनका समर्थन जुटाना था। इस मामले में नागरिक उपभोक्ता मंच द्वारा राष्ट्रीय हरित अधिकरण भोपाल में भी एक याचिका दायर की गयी थी, जिसपर बीते 2 जुलाई को सुनवाई करते हुये एनजीटी ने कहा है कि बिना वन विभाग की अनुमति के बक्सवाहा के जंगलों में एक भी पेड़ न काटा जाए। साथ ही एनजीटी ने बक्सवाहा मामले में में फॉरेस्ट कंजर्वेशन एक्ट, इंडियन फॉरेस्ट एक्ट तथा सुप्रीम कोर्ट द्विया दिये गये निर्देशों के पालन करने का भी निर्देश दिया है। एनजीटी द्वारा इस मामले में अगली सुनवाई 27 अगस्त को तय की गयी है। जंगल हमारी धरती के फेफड़े हैं, ये इंसानों द्वारा पैदा किये गये कार्बन सोखकर ग्लोबल वार्मिंग को कम करते हैं, इन्हीं के बदोलत हमें साफ हवा मिलती है जो अभी भी काफी हद तक मुफ्त और सबकी पहुँच में है। करोना की दूसरी लहर के दौरान आक्सीजन की मारा-मारी ने तो हमें समझा ही दिया है।

मोदी ने मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल से सिर्फ चौंकाया

ललित गर्ग

लम्बे समय से केंद्रीय मंत्रिपरिषद के विस्तार की प्रतीक्षा थी, जो शुभ एवं श्रेयस्कर रूप में पूरी हुई। इस पहले बड़े विस्तार और फेरबदल से यही स्पष्ट हुआ कि नए मंत्रियों के चयन में योग्यता एवं अनुभव को प्राथमिकता देने के साथ ही क्षेत्रीय और सामाजिक समीकरणों का भी विशेष ध्यान रखा गया। नई टीम निश्चित ही राष्ट्र के लिये विकास की उड़ान साबित होने के साथ-साथ नव-निर्माण का आह्वान है। लोकतंत्र में इस तरह का बदलाव आवश्यक होता है। जबसे नरेन्द्र मोदी ने दूसरी बार देश की बागडोर संभाली है, देश के सामने अनेक चुनौतियां एवं संकटपूर्ण स्थितियां हावी रही हैं। इन स्थितियों में जिम्मेदारियों का आकलन एवं बदलाव न केवल स्वाभाविक, बल्कि जरूरी-सा हो गया था। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली इस दूसरी सरकार ने जहां अनेक महत्वपूर्ण फैसले लेकर दुनिया को चौंकाया, आश्वस्त किया, वहीं कुछ ऐसे मोर्चे भी रहे, जहां संतोषजनक परिणाम हाथ नहीं आए।

अनेक दिग्गज मंत्रियों के इस्तीफे और कई नए नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल करने के पीछे के जो संकेत हैं, उनकी विवेचना जरूर होनी चाहिए। सरकार को यह यथोचित एहसास है कि उससे समूचे राष्ट्र को कहीं ज्यादा उम्मीदें हैं। विशेष रूप से चिकित्सा के मोर्चे पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और राज्य मंत्री के स्तर पर बदलाव साफइशारा है। कोरोना ने पूरी अर्थव्यवस्था को तबाह किया, साथ ही चिकित्सा व्यवस्था भी लोगों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। मंत्रिमंडल में बदलाव की कुल हार्द यही है कि सरकार अपना चेहरा बदलकर आगे बढ़ना चाहती है। जन अपेक्षाओं पर खरा उतरना किसी भी सरकार की कसौटी होती है और इसके लिए उसके प्रत्येक मंत्री को लोगों के दिलों में झांक कर लोक कल्याण के लिये तत्पर होना ही चाहिए। विकास ऊध्वारोहण की प्रक्रिया है। बीज उगता है, जब बरगद बन विश्राम लेता है। दीए की बाती जलती है तब सबको उजाला बांटती है। समन्दर का पानी भाप बन ऊंचा उठता है तब बादल बन जमीं को तृप्त करने को बरसता है। राष्ट्र जीवन का ऊध्वारोहण भी विकास की ऐसी ही प्रक्रिया से गुजरता है और जन-अपेक्षाओं पर खरा उतरता है। एक सक्षम नेतृत्व इसके लिये हर तरह के बदलाव के लिये तत्पर रहता है। नरेन्द्र मोदी ऐसे ही अनूठे एवं समयोचित बदलाव करते आये हैं। उन्होंने इसके लिये पुरुषार्थ किया। तभी शक्तियां जागीं। स्वयं के एवं अपनी टीम के अस्तित्व की पहचान की तभी संभावनाओं को प्रस्तुति मिली। शनैः शनैः विकास के पायदान पर चढ़े हैं। जब से मोदी देश के प्रधानमंत्री के रूप में देश की बागडोर थामी, विकास की उड़ान और निर्माण का आह्वान आपके कर्तृत्व की विशेषता बनी है। ऐसा नहीं है कि प्रधानमंत्री को मंत्रिमंडल में सब कुछ बदल देने लायक लगने लगा था। उन्होंने अच्छा काम करने वाले मंत्रियों को न केवल बनाए रखा है, बल्कि अनुराग ठाकुर और हरदीप सिंह पुरी समेत कई मंत्रियों को पदोन्नत भी किया गया है।

उत्तर प्रदेश से सर्वाधिक नए मंत्री बनाए गए हैं, तो कोई आश्चर्य नहीं। संगठन में अच्छा काम करने वाले भूपेंद्र यादव को भी कैबिनेट में शामिल किया गया है, तो यह भाजपा संगठन में काम करने वालों के लिए एवं आगामी विधानसभा चुनाव की दृष्टि से उत्साहजनक बात है। यह एक पहले से बेहतर मिली-जुली सरकार बनाने की कोशिश है, संभावनाओं भरी उजली भोर है। मोदी केवल कल्पना के पंख लगाकर अंतहीन आकाश में निरुद्देश्य उड़ाना नहीं चाहते हैं। इसके लिये वे पहले पंखों की ताकत को परखते हैं और आसमां की सीमाएं भी मापते है। तभी निर्माण के लिए रखी गई बुनियाद से विकास का राजमहल बनाने में जुटते हैं। भारत के विकास की अनगिनत उपलब्धियां आज राष्ट्र के उज्ज्वल इतिहास का स्वर्णिम पृष्ठ बन चुकी हैं। आपने कोरोना महामारी को परास्त करने, शिक्षा, चिकित्सा, अर्थ, राष्ट्र-विकास सभी के साथ जीवन-मूल्यों को तलाशा, उन्हें जीवनशैली से जोड़ा और इस प्रकार पगडंडी पर भटकते हुए जन-जन के लिए राजपथ प्रशस्त कर दिया। नरेन्द्र मोदी के पुरुषार्थी जीवन की एक पहचान है गत्यात्मकता। वे अपने जीवन में कभी कहीं रुके नहीं, झुके नहीं। प्रतिकूलताओं के बीच भी आपने लक्ष्य का चिराग सुरक्षित रखा। इसीलिए उनकी हर सांस अपने दायित्वों और कर्तव्यों पर चौकसी रखती है। खून पसीना बनकर बहता है। रातें जगती हैं। दिन संवरते हैं। प्रयत्न पुरुषार्थ बनते हैं और संकल्प राष्ट्र-विकास में ढलते हैं। निश्चित ही नया मंत्रिमंडल जहां सरकार के पक्ष को मजबूत करेगा, वहीं लोगों के विश्वास को भी बढ़ाएगा। अमूमन देश में छोटे-छोटे बदलाव मंत्रिमंडल के स्तर पर होते थे, लेकिन यह बड़ा बदलाव बदली हुई सकारात्मक मानसिकता को भी जाहिर करता है। शायद केंद्र सरकार प्रदर्शन के स्तर पर समझौते के लिए तैयार नहीं है। जनता दल यूनाइटेड, लोक जनशक्ति पार्टी और अपना दल को मंत्रिमंडल विस्तार में महत्व दिया गया है, यह गठबंधन और आगे की चुनावी राजनीति के लिहाज से भी जरूरी था। मंत्रिमंडल में महिलाओं की संख्या दोहरे अंकों में है, जो सरकार की महिलाओं की राजनीति में सक्रिय भागीदारी के संकल्प को आकार दे रही है। इसके साथ ही वंचित एवं पिछड़े तबकों की भी हिस्सेदारी बढ़ी है।

सभी प्रमुख मजहबों, जातियों और समुदायों को इस टीम में जगह मिली है। इसका अर्थ है कि प्रधानमंत्री सोशल इंजीनियरिंग पर न केवल काम कर रहे हैं, बल्कि उसे बल भी प्रदान कर रहे हैं। मंत्रिमंडल में शामिल नेताओं में करीब 14 मंत्री पचास साल से कम उम्र के हैं, जो युवा भारत की युवा राजनीति के सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाती है। मोदी ने अपने साध्य को सदा शुद्ध साधन से जोड़े रखा। इसीलिए वे सत्ता और पद के मद में मदमस्त रहने वालों को पसन्द नहीं करते। यश और प्रतिष्ठा की बजाय वे कर्म करने वालों को आगे बढ़ाते हैं। इसके लिये वे किसी भी तरह की आलोचना और विरोध के लिये तत्पर रहते हैं। यह सब करते हुए मोदी प्रधानमंत्री होकर भी कभी किसी की अस्मिता पर हक और हुकूमत की शासना नहीं करते। गलतियों का परिष्कार करते हैं। सबको ऊंची उड़ान भरने के लिए खुला आसमां देते हैं। इसीलिए आपका अखण्ड व्यक्तित्व नमनीय बनता रहा है, मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर भी नमनीय बना है। धूप, वर्षा और वृक्ष जैसे व्यक्तित्व विशेष में बंटते नहीं, वैसे ही आपकी चेतना भी तेरे मेरे की परिधि से मुक्त होकर सबके लिए समरसता बिखेरती रही है। आपने राष्ट्र को विकास की अनगिनत ऊंचाइयां दीं। आपकी जागरूकता ने राष्ट्र में गलत को सहा नहीं, शोधन किया। सही को सदा स्वीकृति दी, प्रोत्साहन और प्रेरणा दी। विकास की हर संभावना आप तक पहुंची, क्योंकि आपमें पुरातन का आग्रह नहीं रहा और न नये का अर्धशून्य आकर्षण। सही और गलत का विवेक सदा जागता रहा। इसलिए विकास के सौ-सौ सूरज एक साथ आपके प्रभावी एवं चमत्कारी नेतृत्व में राष्ट्र के पथ का आलोक बनते रहे हैं। प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी अपने मन्त्रियों से परिणाम चाहते हैं और जिसमें असफल पाये जाने पर उन्हें पद मुक्त करने में कोई संशय नहीं होता। लोकतन्त्र में सरकार की सफलता के लिए मन्त्रियों का योग्य होना बहुत जरूरी होता है जिसके बूते पर लोकतन्त्र चलता है और जागरूक लोकतंत्र में इसी आधार पर अब शासन-प्रशासन के मोर्चे पर जहां सरकार से लोगों को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद पहले की तुलना में ज्यादा होगी, वहीं राजनीतिक स्तर पर भी सरकार को संतुलन बनाकर चलना होगा। आगामी विधानसभा चुनावों में सत्ताधारी गठबंधन या पार्टी ही नहीं, सरकार की भी प्रतिष्ठा दांव पर लगेगी। जिन दिग्गजों को मंत्रिमंडल से अलग किया गया है, उन्हें भी व्यस्त रखने के उपाय करने पड़ेंगे। नए मंत्रियों के सामने लगभग तीन साल हैं, उन्हें न केवल प्रधानमंत्री, बल्कि देश की नजरों में भी कारगर दिखना होगा, अपने होने का अहसास कराना होगा। जरूरी है कि ज्यादा ईमानदारी से जमीनी हकीकत के मद्देनजर सरकार की नई टीम लोगों के सपनों और उनसे किए गए वादों को साकार करे, घनघोर होते समस्याओं के बादलों की छंटनी करें, समस्यामुक्त जीवन का आश्वासन बने। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसी पराक्रमी, सुशासन के योद्धा के नेतृत्व में इस शेष कार्यकाल में नई टीम को इसलिए और भी तत्परता दिखानी होगी, क्योंकि कोरोना ने बहुत-सा समय बर्बाद करने के साथ ही मोदी सरकार के एजेंडे को जमीन पर उतारने में बाधाएं भी खड़ी कर दी हैं।

opensearch

बच्चों के खिलौने भी स्वास्थ्य के लिये हानिकारक

विजय कुमार जैन

नन्हे मुन्ने बच्चों को हम जब खिलौने दिलाते है। उन खिलौनों से बच्चे मन वहलाने लिये खेलते है। हम जब बाजार खरीदी के लिए जाते है अगर साथ में छोटे बच्चे हैं तो वे दुकान पर रखे खिलौनों को देखते ही जिद करके वह खिलौना खरीदने हमे मजबूर कर देते है या पास पड़ोस के बच्चे का नया खिलौना देख आते है तो वही खिलौना लेने की जिद करते है और खरीदकर ही दम लेते है।

हाल में यह तथ्य उजागर हुआ है बच्चे जिन खिलौनों से खेलते है वह जाँच में स्वास्थ्य के लिये हानिकारक निकले है। भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यू सी आई) ने कहा है भारत में आयात होने बाले 66.90 प्रतिशत खिलौने बच्चों के लिये खतरनाक होते हैं। क्यू सी आई ने गोपनीय तरीके से कराये गये अध्ययन एवं जाँच में यह पाया कि अनेक खिलौने मेकेनिकल, केमिकल और अन्य तरह की सूक्ष्म जाँच में अमानक या कसौटी पर खरे नहीं उतर पाये है। क्यू सी आई ने कहा है विदेशों से आयात किये गये खिलौनों एवं यहाँ के खिलौनों में केमिकल निर्धारित मात्रा से ज्यादा पाया गया। जिससे बच्चों में अनेक प्रकार की बीमारियां हो सकती है। लेकिन आम लोग एवं माता पिता इस स्थिति से अनभिज्ञ हैं। भोपाल की सुषमा हो या इंदौर की हेमलता उनका कहना है मेरे बच्चों को जो खिलौना पसंद आता है जिस खिलौने को लेने की जिद करते है हम खरीद लेते है। हमे नहीं लगता कि खिलौनों से कोई नुकसान होता है।

मेरे गृह नगर राघौगढ़ की सपना कहती है बच्चों के खिलौने में जेली का ध्यान रखती हूँ। बच्चे उससे खेलकर हाथ धो लें। भोपाल की सुषमा हो, इंदौर की हेमलता या ग्वालियर की कल्पना उनकी तरह कई और माँ बाप भी यहीं सोचते है कि खिलौनों से बच्चों को कोई नुकसान नहीं हो सकता। वे तो बच्चों की पसंद और क्वालिटी देखकर उसे खरीद लेते है।

उनके पास कुछ और तरीका जाँच करने का तरीका भी नहीं होता। मेरे गृह नगर राघौगढ़ के खिलौना बेचने बाले एक दुकानदार का कहना है छोटे बच्चों के कुछ खिलौनों पर टॉक्सिक और नॉन-टॉक्सिक लिखा होता है लेकिन सभी ग्राहकों को यह पता नहीं होता। दुकानदार ने बताया कि अधिकतर लोग वह खिलौना खरीद लेते है जो उन्हें पसंद आता है या जिसकी जिद बच्चे करते हैं। उस खिलौने की कीमत और चलाने के तरीके के अलावा वो कुछ और नहीं पूछते। विगत दिनों भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यू आई सी) के तत्कालीन महासचिव डॉक्टर आर पी सिंह ने जानकारी दी थी भारत में विदेशों से आने बाले वहुत से खिलौनों की जाँच एक सेंपल के आधार पर की जा रही है और उनकी कोई वैधता अवधि नहीं है, जिससे यह पता नही चल रहा था कि उस टेस्ट रिपोर्ट के साथ आ रहे खिलौनों के बंडल की जाँच की गई है या नही। इस बात को लेकर मंथन हुआ और फिर क्यू आई सी को बाजार में बिक रहे खिलौनों की जाँच के लिये कहा गया। क्यू आई सी ने दिल्ली और एन सी आर, मुंबई, भोपाल से खिलौने लिये। ये खिलौने कोई भी दुकान से एक खिलौना लेकर जाँच के लिये सेंपल चुने गये। इनकी जाँच एनएबील की मान्यता प्राप्त लैब में किया गया। अलग-अलग प्रकार के 121 तरह के खिलौनों की जाँच की गई। क्यू सी आई ने खिलौनों की मेकेनिकल और जाँच की, उसके बाद पेंट्स, लैड और हैवी मेटल की जाँच भी की गई। इस जाँच में मात्र 33 प्रतिशत खिलौने ही सही निकले। टॉक्सिक खिलौनों से होने बाले नुकसान पर डॉ आर पी सिंह ने कहा था, वहुत सारे खिलौने मेकेनिकल जाँच में फैल हो गये। मेकेनिकल जाँच का अर्थ है कि जैसे मेटल के खिलौने से बच्चे को त्वचा पर खरोंच आ सकती है, उसे कट लग सकता है।

मूँह में डालने पर गले में फसना नही चाहिए। इन सब चीजों की जाँच की जाती है। केमिकल जाँच में देखा जाता है कि किस तरह के केमिकल का उपयोग हो रहा है और उनकी मात्रा क्या है, जैसे कि साफ्ट टॉयज में एक केमिकल होता है थैलेट, जिससे कैंसर का खतरा भी हो सकता है।

उससे निकलने बाले रेशों से बच्चों को नुकसान नही पहुंचना चाहिए। खिलौनों में इस्तेमाल होने बाले केमिकल से त्वचा संबंधी बीमारियां हो सकती है। मूँह में लेने पर इंफेक्शन हो सकता है। इसके अलावा लेड, मर्करी और आरसैनिक जैसे हैवी मेटल भी नहीं होने चाहिए। बच्चों के टेंट हाउस और कॉस्ट्यूम्स जैसे खिलौनों को ज्वलनशील पाया गया। ये जल्दी आग पकड़ सकते हैं। जिन खिलौनों को जाँच के लिए चुना गया उनमें मुख्य है प्लास्टिक से बने खिलौने, साफ्ट टॉयध् स्टफड टॉय,इलेक्ट्रिक खिलौने, लकड़ी के बने खिलौने, मेटल से बने खिलौने, जिन खिलौनों के अंदर बच्चे जा सकते है जैसे टॉय टेंट, कॉस्ट्यूम्स। क्यू आर सी द्वारा करायी गयी जाँच के परिणाम चौकाने बाले आये है।

41.3 प्रतिशत सैंपल मेकेनिकल जाँच में फैल हुए। 3.3 प्रतिशत सैंपल फैलाइट केमिकल जाँच में फैल हुए। 12.4 प्रतिशत सैंपल फैलाइट और मेकेनिकल जाँच में फैल हुए। 7.4 प्रतिशत सैंपल ज्वलनशीलता जाँच में फैल हुए। 2.5 प्रतिशत सैंपल मेकेनिकल और ज्वलनशीलता में फैल हुए। भारत में सबसे ज्यादा खिलौने चीन से आते है। इसके अलावा श्रीलंका, मलेशिया, जर्मनी, हांगकांग और अमेरिका से भी खिलौने आते है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरवा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के पास पहुंच रहा है विकास: स्वामी प्रसाद मौर्या

कुशीनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष का शपथ ग्रहण एवं सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार मे हुआ। इस समारोह में जिलाधिकारी एस. राजलिंगम के द्वारा जिला पंचायत अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित श्रीमती सावित्री जायसवाल को अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण करवाई गयी। इसके बाद सावित्री जायसवाल के द्वारा नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलवाया गया।

इस अवसर पर माननीय श्रम एवं सेवायोजन मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा की प्रधानमंत्री तथा कर्मठ मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विकास का कारवां चल रहा है। चतुर्दिक विकास एवं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम पायदान पर व्यक्ति के पास पहुंच रहे हैं। प्रदेश में कई तरीके की योजनाएं चल रही हैं।एक को दूसरे से जोड़ने का प्रयास चल रहा है। इस संदर्भ में उन्होंने पूर्वांचल एक्सप्रेस वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे, गंगा एक्सप्रेस वे की चर्चा की। उन्होंने कहा कि गांव-गांव को अच्छी सड़कों से जोड़ा जा रहा है। कोरोना महामारी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही है। उन्होंने कहा कि विकास ही नहीं विकास के साथ-साथ लोगों को सम्मान के साथ खड़ा रहने का अवसर भी प्रदान किया जा रहा है। कोरोना महामारी और लॉकडाउन का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि लॉकडाउन के बावजूद प्रदेश में किसी को भी रोजी के लाले नहीं पड़े। पूरे देश में 80 करोड़ लोगों को निशुल्क खाद्यान्न की सेवा मुहैया करवाई जा रही है। संकट के समय में भी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सम्मान के साथ खड़े रहने का अवसर दिया गया और कोरोना का डटकर मुकाबला किया गया। माननीय मंत्री जी ने विकास को सही अमलीजामा देने में पंचायत की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को सकारात्मक सोच का होना चाहिए। क्षेत्र पंचायत में भी जनता के हितों का ध्यान रखने वाला, विकास कार्यों के माध्यम से अपने उत्तरदायित्व को निभाने वाला होना चाहिए। छोटी बड़ी निर्माण कार्यों को

जिला पंचायत के माध्यम से सूचित किया जाना चाहिए। माननीय श्रम मंत्री ने बताया कि जिला पंचायत का जिले के विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है। यदि पूरे देश में विकास कार्य प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुआ है तो माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश का विकास कार्य हुआ है। उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष से अच्छा कार्य करने अपेक्षा की। सभी निर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं और बधाइयां देते उन्होंने कहा कि विकास कार्य करने की पूरी छूट है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का संकल्प सबका साथ सबका विकास के स्तर पर कुशीनगर में भी कार्य होना चाहिए। उन्होंने यह भी अपेक्षा की कि सब मिलकर जिले के विकास में सफलता दिलाने में कामयाब होंगे।

सांसद कुशीनगर विजय कुमार दूबे ने बताया कि विकास की छोटी-छोटी आवश्यकता को पूरा करने के लिए जिला पंचायत सबसे बड़ी इकाई होती है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी में जब अवरोध था तो उस अवरोध को दूर करके उत्तर प्रदेश के विकास की रफ्तार को आगे बढ़ाने का कार्य हुआ। उन्होंने बताया कि 40 वर्षों से जीर्ण शीर्ण हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में निर्माण कार्य को पूरा किया गया। कोरोना में विकास की रफ्तार पर भले असर पड़ा हो किंतु कुशीनगर के विकास की रफ्तार में कमी नहीं आई। कुशीनगर को उन्होंने पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की बात की। उन्होंने कहा कि पर्यटक स्थल के रूप में विकास के दृष्टिकोण से कुशीनगर को भारत ही नहीं अंतराष्ट्रीय पटल पर स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर राज्य मंत्री अतुल सिंह ने कहा कि जनपद के विकास के स्तर पर उत्तर प्रदेश के प्रमुख स्थान के रूप में लाया जाएगा।

विधायक खडडा जटाशंकर त्रिपाठी ने कहा कि ये अति उत्साह का दिन है। नवनिर्वाचित सदस्यों का उन्होंने अभिनंदन किया तथा जिलाधिकारी को उन्होंने सार्थक सोच वाला व्यक्ति बताया। विधायक कुशीनगर रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने भी इसे खुशी का अवसर बताया। खुशी का इजहार और जीत का इजहार करने का दिन बताया। उन्होंने कहा कि विकास की गंगा दिल्ली से कुशीनगर तक पहुंची है।

एक नज़र

आजमगढ़ में दो प्रेमियों की एक ही निकली मोहब्बत, प्यार पाने के लिए बन गया खून का प्यासा

आजमगढ़ (एजेंसी)। इश्क का रंग लाल होता है और वह भी खूनी लाल रंग का। जी हां, यह सच साबित हुआ आजमगढ़ जिले के बिलरियागंज थाना क्षेत्र में सोमवार को। मधनापार स्थित सड़क पुलिया से सटे बाग में रविवार को आईटीआई के छात्र मनीष मिश्रा की प्रेम प्रसंग में हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर ही इस मामले को उजागर करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जबकि दूसरे आरोपी की तलाश जारी है। छात्र की हत्या से सनसनी : बिलरियागंज थाना क्षेत्र के मधनापार स्थित पुलिया से सटे बाग में रविवार को मनीष मिश्रा उम्र 21वर्ष पुत्र राकेश मिश्रा निवासी गड़ेरूवा (माटी का पूरा) थाना जीयनपुर की लाश मिली थी।

युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया सूचना पर पहुंचे मृतक के भाई पीयूष मिश्रा ने बिलरियागंज थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। आइटीआइ के छात्र की दिनदहाड़े हत्या से पुलिस काफी सकते में आ गई। परेशान थानाध्यक्ष बिलरियागंज धर्मेंद्र सिंह ने अपने खुफिया तंत्र को सक्रिय किया और 24 घंटे के अंदर ही इस मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने लगाई फील्डिंग : थानाध्यक्ष बिलरियागंज ने बताया कि सोमवार को संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश में बिलरियागंज में चेकिंग की जा रही थी इस बीच मुखबिर से सूचना मिली कि मनीष मिश्रा पुत्र राकेश मिश्रा की हत्या में आरोपित रूपेश उपाध्याय पुत्र स्वर्गीय दिवाकर उपाध्याय निवासी सेहदा थाना कंधरापुर सियरहा पुलिया के पास मौजूद है जो कही भागने की फिराक में है। सूचना मिलते ही हम लोग मौके पर पहुंच गए और घेर कर उसको 11:05 बजे गिरफ्तार कर लिया।

पकड़े गए रुपेश के पास से एक आदत कट्टा और 315 बोर का जिंदा कारतूस बरामद हुआ। एक प्रेमिका और दो प्रेमी का पेंच : थानाध्यक्ष द्वारा कड़ाई से पूछने पर पकड़े गए युवक ने बताया कि जीयनपुर थाना क्षेत्र के एक लड़की से मेरा प्रेम प्रसंग है जिससे मनीष मिश्र भी प्रेम करता था। कई बार मनीष को समझाया लेकिन वह नहीं माना हम दोनों एक दूसरे से शादी करना चाहते थे इसलिए मनीष मिश्रा को रास्ते की से हटाने के लिए मैंने भांजे सागर तिवारी पुत्र स्वर्गीय बृजेश तिवारी निवासी धनकपुर थाना सिधारी जनपद आजमगढ़ से मिलकर मधनापार बिलरियागंज में रविवार को दिन में 1:30 बजे के करीब चाकू और बांस से वार कर मनीष की हत्या कर दिए। थानाध्यक्ष बिलरियागंज ने बताया कि आरोपित की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू और बाईक भी बरामद कर ली गई है।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमत के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

प्रयागराज (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस और यूपी नेतृत्व के आह्वान पर देश भर में 7 से 17 जुलाई तक पेट्रोल-डीजल की बेतहाशा बढ़ रही कीमतों पर प्रदर्शन हो रहा है। इसके तहत पार्टी की ओर से चरणबद्ध तरीके से प्रदर्शन करने के लिए कहा गया था। इसी क्रम में सोमवार को कांग्रेस पदाधिकारियों का प्रयागराज में प्रदर्शन हुआ। कांग्रेसियों ने नैनी यमुना ब्रिज से जिलाधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च निकालकर पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने का ऐलान किया था। हालांकि पुलिस को पहले से ही इसकी भनक लग गई थी।

कांग्रेसियों को रोकने के लिए नैनी ओवर ब्रिज टोल प्लाजा समेत नैनी स्थित लेप्रोसी चौराहे को छावनी में तब्दील कर दिया। हाथों में सरकार विरोधी लिखी नारों की तख्तियां लेकर पदयात्रा निकाल रहे कांग्रेसियों ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष अरुण तिवारी, प्रदेश सचिव मुकुंद तिवारी और शहर अध्यक्ष नफीस अनवर की अगुवाई में नैनी जेल रोड पर जुटे कांग्रेसियों को हिरासत में लेकर थाना करछना में भेज दिया गया। कांग्रेसियों को हिरासत में लिए जाने के दौरान पुलिस से तीखी नोकझोंक और झड़प भी हुई। इस दौरान जिला कांग्रेस प्रवक्ता हसीब अहमद को हल्की चोट भी आई। थाने में ही कांग्रेसी धरना पर बैठ गए। प्रदेश सचिव और जिला कांग्रेस प्रभारी वसीम अंसारी ने कहा कि देश में बेरोजगारी बढ़ रही है।

ऐसे में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाना जनता पर अत्याचार करने जैसा है। अरुण तिवारी और मुकुंद तिवारी ने देश में पहली बार डीजल के दाम पेट्रोल के दाम से ज्यादा हो गए हैं। जिसका भार किसान वर्ग पर भी पड़ेगा। कांग्रेसियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि बढ़े हुए पेट्रोल डीजल के दाम वापस लेने तक सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन जारी रहेगा।

गिरफ्तारी देने वाले कांग्रेसियों में अरुण तिवारी, मुकुंद तिवारी, नफीस अनवर, वसीम अंसारी, हसीब अहमद, फुजैल हाशमी, किशोर वार्ष्णेय, विवेक पाण्डेय, डाक्टर दिनेश सोनी, आनंद शुक्ला, मंजू संत, नमस्ते यादव, सिब्बतैन बब्लू, महेश त्रिपाठी, बृजेश सिंह, शमीम उद्दीन, विनय पांडेय, बब्लू खान, परवेज सिद्दीकी, मयंक मिश्रा, नागेश पांडेय, नयन कुशवाहा, राकेश श्रीवास्तव, अतुल तिवारी, चंद्रभूषण तिवारी, मोहम्मद जाहिद, मंगला यादव समेत आदि रहे।

अक्सर मिनहाज के घर दिखाई देते थे कश्मीरी युवक, कपड़े और ड्राई फ्रूट्स बेचने के बहाने करते थे रेकी

लखनऊ (एजेंसी)। गिरफ्तार आतंकी मिनहाज की गतिविधियां शुरू से ही संदिग्ध थीं। मिनहाज के घर पर अक्सर कश्मीर से संदिग्ध युवक आते थे। यही नहीं, कपड़े और ड्राई फ्रूट बेचने वाले कश्मीरी युवक भी मिनहाज के घर पर रुकते थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि मिनहाज की हरकतें संदिग्ध प्रतीत होती थीं। हालांकि किसी ने इसकी शिकायत पुलिस से नहीं की थी। एटीएस ने दुबग्गा चौराहे के पास बरावन कला स्थित मिनहाज के मकान से सटे दो अन्य घरों में भी सर्च आपरेशन चलाया।

मिनहाज के पिता सिराज अहमद अपने भाई रियाज के साथ वहां रहते हैं। सिराज और रियाज सरकारी कर्मचारी थे, जो अब सेवानिवृत हो चुके हैं। एटीएस ने मिनहाज के घरवालों से कश्मीर कनेक्शन और उसकी गतिविधियों के बारे में कई घंटे पूछताछ की। घर में मौजूद महिलाओं से भी टीम ने मिनहाज और मसीरुद्दीन उर्फ मुशीर से मिलने वालों के बारे में जानकारी ली। एटीएस यह पता लगा रही है कि दोनों आतंकी कब-कब कश्मीर गए थे। दोनों ने लखनऊ को दहलाने के लिए किन जगहों पर प्रशिक्षण लिया था। इसके बारे में खुफिया एजेंसियां सुराग लगा रही हैं। माना जा रहा है कि फेरी वाले बनकर मिनहाज के घर पर आने वाले कश्मीरी युवकों का भी आतंकी संगठनों से संबंध है। पड़ोस में रहने वाले एक युवक ने बताया कि मिनहाज आसपास के लोगों से बहुत कम मिलता था।

मिनहाज अहमद

वह सऊदी अरब भी गया था। पांच साल पहले वह सऊदी से लौटकर आया था, जिसके बाद से उसके व्यवहार में काफी अंतर आ गया था। स्थानीय निवासियों का कहना था कि बातचीत से उन्हें कभी नहीं लगा कि मिनहाज देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त है। वह कम बोलता था और अपने काम से मतलब रखता था।

15 साल से जमा था आतंकी : स्थानीय लोगों ने बताया कि मिनहाज बरावन कला में करीब 15 साल से रह रहा था। पहले वह इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में काम करता था, जहां उसकी पत्नी प्रोफेसर है। मिनहाज के घर के बाहर खड़ी कार पर यूनिवर्सिटी का कार पास भी लगा है। पास में बलरामपुर जिले की एक अन्य कार भी खड़ी थी, जिसके बारे में खुफिया एजेंसियां पता लगा रही हैं।

अनजान चेहरों से अनजान रहना भी खतरे की घंटी, सरकारी जमीनों पर बनी अवैध बस्तियों में कौन रह रहा पुलिस को जानकारी नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। वह हमारी बोली भी नहीं समझते हैं और हम आप भी उनकी बोली नहीं समझ पाते हैं। बस, ऐसे ही काम चलता रहता है। ये अनजान चेहरे हम आप से घुल-मिल गए हैं। सुबह से लेकर दोपहर तक हमारे घरों के इर्दगिर्द रहने वाले इन अनजान चेहरों से खुफिया तंत्र भी सालों से अनजान है। सरकारी जमीनों पर बस्तियां बनाकर रहते हैं और समय-समय पर इन बस्तियों में रहने वाले चेहरे भी बदल जाते हैं। देश में आतंकवाद की कई घटनाओं में चर्चा में आए रोड्क्षहग्या समुदाय के लोगों के भी इन बस्तियों में रहने की आशंका कई बार जताई जा चुकी है लेकिन पुलिस और खुफिया तंत्र हमेशा से मौन बना रहा।

कोई ठोस जांच न होने से इनकी संख्या इस कदर बढ़ती जा रही है कि ट्रांस गोमती इलाके से जुड़ी कॉलोनियों के आसपास इसका डे[illegible]। [illegible] कर चुके हैं: जानकी[illegible]रम वि[illegible]तार में सरकारी जमीनों पर [illegible] बना[illegible] रह रहे अनजान चेहरों ने यहां [illegible] निवासियों पर हमला तक बोल दिया था। करीब साढ़े तीन साल पहले यह लोग धार्मिक चबूतरा बनाने का विरोध होने पर तलवारों से लैस होकर रात भर पूरी कॉलोनी में हंगामा काटते रहे थे लेकिन, पुलिस कोई कड़ी कार्रवाई नहीं कर पाई थी। बस, उन्हें वहां से हटा दिया गया था। कालोनी के निवासियों ने तो इन लोगों पर रोड्क्षहग्या होने तक के आरोप लगाए थे। अब ये लोग मड़ियावं के आगे मिर्जापुर पुलिया से सटे एक खेत, तिवारी पुर, शुक्ला चौराहे और भिठौली रेलवे क्रासिंग के पास डेरा जमाए हुए हैं। बीती मार्च में जम्मू में रोड्क्षह[illegible] [illegible] [illegible] प्रास[illegible] कार्रवा[illegible] के बाद [illegible] लखन[illegible] पुलिस [illegible] कोई सक्रियता नहीं दिखी थी। जानकीपुरम विस्तार जनकल्याण आवासीय समिति के अध्यक्ष पंकज तिवारी कहते हैं कि खाली जमीनों पर अवैध तरह से रह लोगों की गतिविधियां हमेशा से ही संदिग्ध रही है और तमाम बार पुलिस को पत्र देने के बाद कार्रवाई तो दूर उनकी जांच तक नहीं हो पाई है। यह पार्षद चुनाव में मतदान तक करते देखे गए हैं। असमी या कोई औरः नगर निगम के ठेकेदार शहर की सफाई व्यवस्था जिनसे करा रहे हैं, उसे वह असमी कहते हैं। ये लोग घरों से कूड़ा उठान से सड़कों की सफाई तक करते हैं। ये लोग अपने को असम के बारपेटा शहर का निवासी बताते हैं और वहां की आइडी भी दिखाते हैं।

हालांकि लखनऊ पुलिस और खुफिया तंत्र इनकी गहराई से पड़ताल करने में हमेशा से नाकाम रही है। इनके कई ठेकेदार हैं : शहर में अवैध तरह से घरों से कूड़ा उठान से लेकर सड़कों की सफा[illegible] करा रह[illegible] [illegible] ठे[illegible]दार इन्हें य[illegible] लाते हैं। [illegible] गृह[illegible]थी [illegible] साथ लो[illegible] यहां आते हैं [illegible] ठेके[illegible]ार पहले से ही किसी खाली जमीन को तलाश करके रखता है। जहां उन्हें बसा दिया जाता है। ठेकेदार कूड़ा बटोरने के बाद उससे निकले कबाड़ को भी बेचता है और घरों से कूड़ा उठाने का शुल्क भी वसूलते हैं। मुनाफे का धंधा होने के कारण शहर में ऐसे कई ठेकेदार खड़े हो गए हैं। मड़ियावं, गुडंबा, जानकीपुरम, अलीगंज, विकास नगर, खुर्रमनगर इंदिरानगर, गोमतीनगर, डालीबाग, आशियाना और कानपुर रोड एलडीए कॉलोनी में इन अजनबी चेहरों की भरमार है। मवैया में भी दस साल से ठिकाना हैः आपने देखा होगा कि कुछ लड़कियां आपके सामने खड़ी हो जाती है और कहती हैं कि कश्मीर में बाढ़ आ गई है।

कुछ मदद कर दीजिए। कई साल से यह बाढ़ से हुए नुकसान की बात कहकर मदद मांग रही हैं। इनका परिवार मवैया के गढ़ी कनौरा में रहता है। यहां पर टेंट लगाकर ये लोग एक दशक से रह रहे हैं। खुद को कश्मीरी बताने वाले इन लोगों पर एलआइयू की नजर रहती है और उनकी रिपोर्ट भी तैयार होती है। इसमे कुछ ड्क्षहदू भी [illegible] जो धर्म परिवर्तन कर मुसल[illegible] ब[illegible] चुके हैं। तमाम बार यह सवाल खड़े [illegible] चुके हैं कि आखिर [illegible]मी से [illegible]ए लोग यहां किस मकसद से रह रहे हैं। एलआइयू से जुड़े लोगों का कहना है कि उन्हें हटाने को लेकर जिला पुलिस को पत्र भी भेजा जा चुका था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो पाई। इनको संरक्षण भी एक स्थानीय निवासी ने दे रखा है।

आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई पर अखिलेश यादव ने उठाया सवाल, बोले- यूपी पुलिस व BJP पर भरोसा नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में एटीएस की ताबड़तोड़ कार्रवाई में चार आतंकियों के पकड़े जाने पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को भरोसा नहीं है। अखिलेश यादव ने आतंक के खिलाफ इस बड़ी कार्रवाई पर सवाल खड़ा कर दिया। लखनऊ में रविवार को समाजवादी पार्टी के कार्यालय में उन्होंने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई पर मीडिया के सवाल पर उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ ही भाजपा पर सवालिया निशान लगाया। लखनऊ में रविवार को उत्तर प्रदेश की एटीएस ने काकोरी के दुब्बगा से दो आतंकियों को पकड़ा।

इसके बाद में रात में कानपुर से इनके दो साथियों को उठाया है। इस बाबत जब मीडिया ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई पर सवाल दागा तो उन्होंने साफ कहा कि उत्तर प्रदेश की पुलिस और भाजपा पर उनको जरा भी भरोसा नहीं है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ योगी आदित्यनाथ सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है। अखिलेश यादव ने कहा कि आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई के मामले में मुझे मुझे यूपी पुलिस और भाजपा पर जरा सा भी भरोसा नहीं है।

अखिलेश यादव का यह बयान यूपी पुलिस और आतंकवाद निरोधी दस्ते के रविवार को लखनऊ में अलकायदा से जुड़े दो आतंकियों को गिरफ्तार करने के बाद आया है। इन दोनों ने एटीएस से पूछताछ में बताया कि यह लोग लखनऊ के साथ उत्तर प्रदेश में आठ शहरों में स्वतंत्रता दिवस से पहले सिलसिलेवार विस्फोट की योजना बना रहे थे। इनके पास से दो प्रेशर कुकर बम, एक अर्धनिर्मित टाइम बम तथा बड़ी मात्रा में विस्फोटक तथा असलहे मिले हैं। इससे पहले भी अखिलेश यादव ने कोरोना वैकसीन को भाजपा की वैकसीन बताया था और सर्जिकल स्ट्राइक पर भी सवाल उठाया था। अखिलेश यादव के इस बयान की काफी किरकिरी हो रही है। पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी ठीक नहीं है। पूर्व पुलिसकर्मी होने के नाते में कहना चाहता हूं कि उनका बयान सही नहीं है। राजनेताओं को पुलिस के बारे में ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

गोरखपुर का सर्राफ लूट का सामान खरीदने के आरोप में गिरफ्तार

गोरखपुर (एजेंसी)। लूट का सामान खरीदने के आरोप में पीपीगंज नगर पंचायत के वार्ड नंबर छह निवासी सर्राफ राहुल वर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी महराजगंज की फरेंदा पुलिस ने की है। किया है। फरेंदा पुलिस ने शनिवार को लूट के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक उन्होंने गोरखपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र में एक युवती से चेन छीनी और उसे राहुल को बेच दी। पीपीगंज थानाध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि फरेंदा पुलिस राहुल को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई।

फरेंदा पुलिस ने सुबह गोरखपुर-सोनौली राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित वीर बहादुर सिंह पार्क के पास दो बदमाशों को चोरी की एक बाइक, एक तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। बदमाशों के खिलाफ पीपीगंज व गोरखपुर के थानों में मुकदमे दर्ज हैं। फरेंदा कोतवाली में सीओ सुनील दत्त दुबे ने कहा कि राहुल जायसवाल निवासी जंगल कौडिया जनपद गोरखपुर व राहुल वर्मा वार्ड नंबर छह पीपीगंज को पुलिस ने एक चोरी की बाइक, तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। राहुल शातिर गैंगस्टर है। यह लूट, वाहन चोरी व छिनैती के कई मामलों में लिप्त रहा है। गोरखपुर के शाहपुर में 2017 तीन लूट व 2019 में पीपीगंज थाने में एक लूट की घटना को अंजाम दिया था।

बदमाशों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया है। पीपीगंज कस्बे में बीती रात पुलिस बूथ के सामने रेलवे परिसर से चोरों ने दो दुकानों से नकदी समेत हजारों रुपयों के सामान की चोरी की। तीसरे दुकान में भी चोरों ने पीछे की दीवार तोडने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहे। रेलवे परिसर में राजेश जायसवाल की किराने की दुकान है। सुबह जब वह दुकान पर पहुंचे तो देखा कि दुकान के ऊपरी हिस्से का सीमेंटेड शेड टूटा हुआ है।

ऑस्ट्रेलिया के सांसद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उधार में मांगा, दवा की कमी दूर करने में मिलेगी मदद

लखनऊ (एजेंसी)। कोरोना वायरस संक्रमण के दौर में देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश को बड़े संकट से उबारने वाले योगी आदित्यनाथ के प्रशंसक भारत ही नहीं, विदेश के सांसद भी हैं। ऑस्ट्रेलिया के सांसद क्रेग कैली ने तो उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ को कुछ दिन के लिए उधार मांगा है, जिससे कि उनके देश में कोरोना वायरस संक्रमण काल में दवा की कमी दूर हो सके।

वहां पर आइवरमेक्टिन की बेहद कमी हो गई है। क्रेग कैली ने एक ट्वीट किया है, जिसके जवाब में सीएम ऑफिस ने भी ट्वीट कर उनकी मेजबानी की पेशकश की है। ऑस्ट्रेलिया के सांसद क्रेग कैली ने कोरोना वायरस संक्रमण काल में उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व काम करने वाले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जमकर सराहा है। इसमें भी उनके दवाओं को लेकर प्रबंधन की विशेष प्रशंसा की है। इतना ही नहीं, उन्होंने तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कुछ दिनों के लिए उधार भी मांगा है। कैली का मानना है कि अगर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमको कुछ दिन के लिए उधार में मिल जाएं तो हमारे देश में आइवरमेक्टिन की कमी का उचित प्रबंधन हो जाएगा। शीघ्र ही इसकी कमी से हमको बेहद निराशाजनक दौर से उबरने का मौका मिलेगा। इसके जवाब में सीएम ऑफिस से भी ट्वीट किया गया है कि हम आपकी बेहतर मेजबानी के साथ ही हम आपके साथ कोविड प्रबंधन के उन अनुभवों को बांटने को आतुर हैं, जो कि कोरोना संक्रमण काल में हमें पीएम नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में मिला। इसी कारण हम लोग वैश्विक महामारी में दवा की कमी को दूर कर सके।

पीएम मोदी के मार्गदर्शन में हमें कोरोन महामारी से लड़ने में मदद मिली। आइए, हम सभी कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ इस वैश्विक लड़ाई में सहयोग करें। आस्ट्रेलिया के सांसद क्रेग कैली ने कहा कि बीते 30 दिनों में भारत की आबादी का 17 प्रतिशत हिस्सा अपने पास रखने वाले उत्तर प्रदेश में सिर्फ 2.5 प्रतिशत मौत तथा एक प्रतिशत नए संक्रमण के मामले आए हैं। वहीं, देश की नौ प्रतिशत आबादी वाले महाराष्ट्र में 18 प्रतिशत नए मामले तथा 50 प्रतिशत मौत के मामले सामने आ रहे हैं। भारत में महाराष्ट्र भले ही दवा निर्माण में चैम्पियन है, लेकिन उत्तर प्रदेश तो आइवरमेक्टिन के उपयोग में माहिर है।

नीट की प्रवेश परीक्षा को लेकर चल रहीं अफवाह, एनटीए की वेबसाइट पर रखें नजर

बरेली (एजेंसी)। जेईई मेन 2021 की तीसरे और चौथे चरण की तिथिया जारी होने के बाद नीट यूजी की परीक्षा तिथि का छात्राओं का इंतजार है। नीट यूजी की परीक्षाओं के स्थगित होने जैसी अफवाह भी चल रही हैं।

इसे लेकर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने इसका खंडन किया है। कहाकि नीट यूजी की परीक्षाओं की तिथियों को लेकर विचार चल रहा है। जल्द ही इसे जारी किया जाएगा। शहर में नीट कोचिंग कराने वाले इंस्टीट्यूशन का कहना है कि छात्र एनटीए की वेबसाइट पर नजर बनाए रखें।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने 12 मार्च को एक नोटिस जारी किया था, जिसमें नीट यूजी की 2021 की परीक्षा एक अगस्त को पेन और पेपर मोड में कराने की बात कही थी। लेकिन बाद में कोरोना संक्रमण शुरू हो गया और इसकी आवेदन प्रक्रिया भी पूरी नहीं हो सकी। न ही परीक्षा स्थगित करने को लेकर कोई सूचना दी गई। शहर के ओमेगा क्लासेस के डायरेक्टर मो. कलीमुद्दीन ने बताया कि परीक्षा तिथि को लेकर अभी असमंजस बरकरार है। लेकिन जानकारी मिली है कि एनटीए इसे लेकर स्टेक होल्डर्स से चर्चा कर रही है। परीक्षा के लिए नई तिथि कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखकर तय की जाएगी। उन्होंने नीट यूजी 2021 की परीक्षा का इंतजार कर रहे छात्र छात्राओं से कहा कि वह नए अपडेट के लिए एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट nta.nic.in और ntaneet.nic.in देखते रहें। नीट यूजी 2021 की परीक्षा में शामिल होने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी आवश्यक डॉक्यूमेंट्स तैयार कर लें। ताकि आवेदन प्रक्रिया जब शुरू हो, प्रमाण पत्र आदि के लिए परेशान न होना पड़े।

नीट यूजी 2021 के लिए आवेदन करते समय अभ्यर्थी के रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो की स्कैन कॉपी, अभ्यर्थी के हस्ताक्षर की स्कैन फोटो, अभ्यर्थी के बाएं अंगूठे के निशान की स्कैन इमेज, 10वीं पास होने का सर्टिफिकेट आदि की जरूरत पड़ेगी।

opensearch

एक नज़र

लुधियाना में चोरी के दो स्कूटर बेचने निकले दो गिरफ्तार, रिमांड हासिल करके पूछताछ में जुटी पुलिस

लुधियाना (एजेंसी)। पुलिस ने दो जगहों पर की गई कार्रवाई के दौरान चोरी के दो स्कूटरों समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर सोमवार को अदालत में पेश किया। जहां से एक-एक दिन का रिमांड हासिल करके कड़ी पूछताछ की जा रही है। थाना डिवीजन नंबर 1 कोतवाली पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रेखी सिनेमा चौक में की गई नाकाबंदी के दौरान चोरी का स्कूटर बेचने के लिए जा रहे युवक को गिरफ्तार कर लिया।

एएसआइ मेजर सिंह ने बताया कि उसकी पहचान जनकपुरी स्थित गणेश मंदिर के पास रहने वाले सौरव सहगल के रूप में हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपित चोरी के टीवीएस जुपिटर स्कूटर नंबर पीबी 91बी 3474 पर सवार होकर विश्वकर्मा चौक से घंटाघर चौक की ओर जा रहा है। सूचना के आधार पर की गई नाकाबंदी के दौरान उसे धर लिया गया। उधर, थाना डिवीजन नंबर 4 पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर फतेहगढ़ मोहल्ला स्थित शिव मंदिर के बाहर की गई नाकाबंदी के दौरान चोरी का स्कूटर बेचने के लिए जा रहे युवक को गिरफ्तार कर लिया।

एएसआई हरदीप सिंह ने बताया कि उसकी पहचान शिमलापुरी की गली नंबर 4 निवासी हरजीत सिंह के रूप में हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपित चोरी के एक्टिवा स्कूटर नंबर पीबी 10डीएक्स-8159 पर सवार होकर गांधी नगर से घंटाघर चौक की और जा रहा है। सूचना के आधार पर की गई नाकाबंदी के दौरान उसे काबू कर लिया गया। थाना डाबा पुलिस ने हेरोइन तस्करी कर रही महिला को गिरफ्तार किया है।

उसके कब्जे से 5 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपित महिला के खिलाफ केस दर्ज करके सोमवार अदालत में पेश किया गया। जहां से एक दिन का रिमांड हासिल करके कड़ी पूछताछ की जा रही है। एएसआई राजिंदरपाल सिंह ने बताया कि महिला की पहचान आजाद नगर की गली नंबर 1 राज रानी के रूप में हुई। पुलिस की टीम रविवार शाम गश्त करते हुए शिमला पुरी के जैन दा ठेका से बागी स्टैंड की और जा रही थी। सामने से आ रही महिला ने पुलिस को देख कर पीछे की ओर मुड़कर भागने की कोशिश की। शक होने पर रोक जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से वो हेरोइन बरामद हुई।

बटाला में परिवार से मारपीट के आरोप में दंपती सहित 3 लोग नामजद

बटाला (एजेंसी)। शनिवार को एक परिवार से मारपीट करने के आरोप में दंपती और उसके बेटे के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना घुमान के एसआई दीदार सिंह ने बताया कि पलविंदर सिंह निवासी भोमा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने घर से निकला तो देखा कि उनके घर के नजदीक गली में उसका छोटा भाई मलकीत सिंह निवासी भोमा पानी की पाइप लगाकर छोटा हाथी साफ कर रहा था और जो मिट्टी उतर रही थी, वह नाली में फेंक रहा था। उसने उससे कहा कि वह मिट्टी को नाली में ना फेंके, क्योंकि पानी की निकासी बंद हो जाएगी।

यह बात सुनकर वह भड़क गया और उससे गाली गलौच करने लगा। वह तैश में आकर अपने घर से लोहे की पाइप ले आया और उसके पीछे उसका बेटा मनप्रीत सिंह गंडासी लेकर और उसकी पत्नी कुलविंदर कौर बाहर आ गई। इस दौरान मलकीत सिंह ने उस पर गंडासी से वार किया, जिसके बाद उक्त तीनों उसके साथ मारपीट करने लगे। जब उसकी अपनी लड़की बचाव के लिए आगे आई तो मलकीत सिंह ने उसकी लड़की के बाल पकड़कर घसीटा। उसके कपड़े फाड़े और बेइज्जत किया। इसके बाद उसकी छोटी लड़की छुड़ाने के लिए आई तो इन लोगों ने उससे भी मारपीट की और धमकियां दी। मामले संबंधी पुलिस ने उक्त दंपती और उनके बेटे के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। गुरदासपुर।

थाना सदर के अधीन आते नबीपुर कालौनी में चोरों ने एक घर में से सोने के गहने और नकदी चुरा ली। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। नरिंदर सिंह निवासी नबीपुर कालोनी गुरदासपुर ने बताया कि सात जुलाई को अपने घर को ताले लगाकर परिवार सहित बटाला में निजी कामकाज के लिए गया था। उसी दिन दोपहर ढ़ाई बजे घर वापिस आए तो देखा कि घर के ड्राइंग रुम का एक दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। जबकि कमरे में सामान इधर-उधर बिखरा हुआ था। जब गोदरेज की अलमारी चेक की तो उसमें उसके बहू के चार तोले सोने के गहने व 1100 यूएसए डालर गायब था। जब घर में पड़ी दूसरी अलमारी को चेक किया गया तो उसमें भारतीय करंसी चोरी थी।

गुरुग्राम, फरीदाबाद सहित हरियाणा में 19 तक बढ़ा लॉकडाउन, इस बार मिली कई छूट

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा सरकार ने तमाम तरह की रियायतों के साथ राज्य में लाकडाउन की अवधि 19 जुलाई तक बढ़ा दी है। इस दौरान आइटीआइ और ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट खोलने की अनुमति प्रदान कर दी गई है। प्रदेश सरकार ने दोहराया कि कोविड से बचाव के नियमों का अनुपालन नहीं करने वालों पर कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। कोविड के नियमों का पालन करना हर किसी के हित में है। हरियाणा के मुख्य सचिव विजयवर्धन ने रविवार शाम को आदेश जारी कर महामारी अलर्ट-सुरक्षित हरियाणा के तहत लाकडाउन की अवधि 19 जुलाई को सुबह पांच बजे तक बढ़ा दिया है, लेकिन साथ ही कहा कि जितनी भी रियायतें दी जा रही हैं, उनमें कोविड से बचाव के नियमों का अनुपालन करना जरूरी है।

प्रदेश सरकार ने नेशनल ला यूनिवर्सिटी दिल्ली के वाइस चांसलर की अनुमति का हवाला देते हुए कामन ला एडमिशन टेस्ट (सीएलएटी) 23 जुलाई को आयोजित किए जाने की बात कही है। हरियाणा सरकार ने शादियों में बारात लाने और ले जाने की भी अनुमति प्रदान कर दी। किसी भी विवाह समारोह और अंतिम संस्कार क्रिया में अब 100 तक लोग हाजिर हो सकेंगे। पहले यह अनुमति सिर्फ 50 लोगों तक थी। खुले में अब 100 के बजाय 200 लोग इकट्ठा हो सकेंगे। राज्य सराकर ने प्रदेश के सभी स्पा सेंटर सुबह छह बजे से रात आठ बजे तक खोलने की अनुमति प्रदान कर दी, जबकि सिनेमाघर सीटों की 50 फीसद उपस्थिति के साथ चालू हो सकेंगे।

प्रदेश सरकार ने स्वीमिंग पूल, ट्रेनिंग सेंटर, कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी और ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट भी खोलने की अनुमति दी है, लेकिन इन सभी में कोविड के नियमों का अनुपालन जरूरी है। राज्य सरकार कालेज पहले ही खोलने की अनुमति दे चुकी है। अब राज्य की सभी आइटीआइ खोली जा सकेंगी। हरियाणा के गृह व स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने लोगों से कहा कि अभी कोविड का खतरा टला नहीं है। कोविड से बचाव के लिए नियमों का अनुपालन करने में सभी की भलाई है।

हरियाणा में आज झमाझम बरसेगा मानसून, बना बारिश का माहौल

करनाल (एजेंसी)। लोग चिंता न करें। इस समय मानसून की हवाएं बरसात होने के अनुकूल बनी हुई हैं। हरियाणा में किसी भी समय मूसलाधार बरसात हो सकती है। बीती रात हिसार सहित कई जगहों पर बारिश हुई, लेकिन महज बूंदाबांदी हुई और इससे उमस और बढ़ गई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, आज हरियाणा के अधिकतर स्थानों पर झमाझम बारिश की संभावना है। रविवार को दोपहर के समय रोहतक में बूंदाबांदी तो फतेहाबाद के टोहाना में हल्की बारिश हुई। कई जिलों में रात तक मौसम बदल सकता है।

लेकिन रविवार को जो बरसात की संभावना है, उससे जींद और हिसार अछूते रह सकते हैं। यह बात अलग है कि सोमवार को इन जगहों पर मानसून मेहरबान हो सकता है। इस समय एक टर्फ रेखा पंजाब से उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक दक्षिण हरियाणा दक्षिण उत्तर प्रदेश झारखंड और उत्तरी ओडिशा तक फैली हुई है। उत्तर आंध्र और दक्षिण ओडिशा तट पर पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। जो बरसात होने की प्रबल संभावना को बता रहा है। हालांकि रविवार के मौसम पर गौर किया जाए तो सुबह से ही बादल छाए हुए हैं।

राजपुरा में किसानों व पुलिस में भिड़ंत, बंधक भाजपा नेताओं को छुड़ाने के लिए लाठीचार्ज, प्रदेशभर में भाजपाइयों का प्रदर्शन

पटियाला (एजेंसी)। राजपुरा में उग्र किसानों द्वारा बंधक बनाए बनाए गए भाजपा नेताओं को छुड़ाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस पर गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने पुलिस व भाजपा नेताओं पथराव किया। हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने हाई कोर्ट के आदेश पर प्रदर्शनकारी किसानों द्वारा बंधक बनाए गए भाजपा नेताओं को छुड़ाने के लिए कार्रवाई की। बाद में पुलिस भाजपा नेताओं को छुड़ाकर ले गई। वहीं, भाजपा नेताओं का कहना है कि किसानों पर अभी तक मामला दर्ज नहीं हुआ है। इस संबंध में भाजपा ने आज डीजीपी से भी मिल रहे हैं।

इस घटना के विरोध में राज्यभर में भाजपाई सड़कों पर उतर आए हैं। लुधियाना में प्रदर्शन के दौरान एक भाजपा नेता तबियत भी बिगड़ गई। बता दें कि इससे पहले रविवार को किसानों ने पंजाब के राजपुरा में बैठक कर रहे भाजपाइयों के साथ मारपीट की और शाम को जिला सचिव के घर पहुंचे वरिष्ठ नेताओं को बंधक बना लिया। कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसान संगठनों ने पंजाब के राजपुरा में बैठक कर रहे भाजपाइयों के साथ मारपीट की और शाम को जिला सचिव के घर पहुंचे वरिष्ठ नेताओं को बंधक बना दिया। किसानों ने घर की बिजली काट दी। इसके बाद तड़के करीब 3.30 बजे पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने का प्रयास किया। इस पर प्रदर्शनकारी किसान भड़क गए। पुलिस सुरक्षा घेरे में ले जा रहे भाजपाइयों को किसानों ने पानी से भरी बोतलें व पत्थर मारने शुरू कर दिए। इससे कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए।

बता दें कि इससे पहले प्रदेश भाजपा रात में ही पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट पहुंच गई। अर्जी पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश सुवीर सहगल की पीठ ने रात करीब साढ़े बारह बजे बंधक बने भाजपा नेताओं को सुरक्षित निकालने का आदेश दिया और ताकीद की कि इस दौरान किसी को कोई नुकसान नहीं होना चाहिए। हाई कोर्ट के आदेश पर पुलिस किसान नेताओं को समझाया। रातभर माहौल तनावपूर्ण बना रहा। हाई कोर्ट ने सोमवार दो बजे तक प्रशासन से कार्रवाई रिपोर्ट पेश करने को कहा था। रात को किसान नेता रजामंदी के लिए राजी हो गए हैं। डीसी 12 किसान नेताओं को भाजपा नेताओं के साथ बैठक करने के लिए अंदर ले गए। किसान नेताओं को समझाने के लिए एडीजीपी ला एंड आर्डर खुद पहुंचे, लेकिन किसान पीछे हटने को बिल्कुल ही तैयार नहीं थे। रात पौने तीन बजे किसान नेता भाजपा नेताओं से बैठक के लिए राजी हो गए। डीसी 12 किसान नेताओं को भाजपा नेताओं के साथ बैठक करने के लिए अंदर ले गए। वहीं, किसानों ने आसपड़ोस के घरों की छतों पर भी डेरा जमाया हुआ था, ताकि कोई भी पीछे से न निकल सके। बंधक लोगों में तीन महिलाओं, दो बच्चों सहित 17 लोग शामिल थे। बता दें, रविवार को राजपुरा में भाजपा के कई कार्यक्रमों का आयोजन था। पार्टी नेता सुबह भारत विकास परिषद भवन में बैठक कर रहे थे। उसी समय किसान पहुंच गए और मारपीट करने लगे। एक भाजपा नेता का कुर्ता फाड़ दिया।

पुलिस ने मुश्किल से भाजपाइयों को वहां से सुरक्षित निकाला। इसके बाद दोपहर करीब तीन बजे जब पार्टी के प्रदेश महासचिव सुभाष शर्मा लायंस भवन में बैठक करने पहुंचे तो किसान वहां पहुंचकर हंगामा करने लगे। शाम साढ़े पांच बजे स्थिति उस समय गंभीर हो गई जब करीब 250-300 किसानों ने भाजपा के जिला सचिव डा. अजय चौधरी के घर को घेर लिया। घर की बिजली सप्लाई भी काट दी और प्रदेश महासचिव सुभाष शर्मा, जिला प्रभारी भूपेश अग्रवाल, जिलाध्यक्ष ग्रामीण विकास शर्मा, शहरी जिलाध्यक्ष हरिंदर कोहली, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप नंदा सहित करीब 17 लोगों को घर में बंधक बना लिया। मौके पर पहुंचे पटियाला के डीआइजी विक्रमजीत दुग्गल, एसएसपी संदीप गर्ग, एसपी केसर सिंह व अन्य अधिकारियों ने किसानों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने।

एसएसपी डा. संदीप गर्ग ने कहा कि जल्द ही समाधान निकाला जाएगा। भाजपा के प्रदेश महासचिव सुभाष शर्मा ने कहा कि सूचना के बावजूद पुलिस भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं को सुरक्षा नहीं दे सकी। किसानों के भेष में हमलावर लाठियां और राड लेकर आए थे। यह पंजाब सरकार की सोची समझी साजिश का हिस्सा है। पंजाब व हरियाणा में कृषि कानूनों के विरोध के बहाने लगातार भाजपा नेताओं पर हमले हो रहे हैं।

हरियाणा के करनाल में मुख्यमंत्री की सभा के लिए बनाए गए मंच को तहस-नहस कर दिया गया था और उनका कार्यक्रम नहीं होने दिया गया। पंजाब में हालात इससे भी ज्यादा खराब हैं। किसान संगठनों ने भाजपा के विधायक अरुण नारंग को निर्वस्त्र कर दिया था। प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा व पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला के काफिले पर भी हमले हो चुके हैं।

शिक्षण की प्रासंगिक कार्यशैली, सामयिक बदलावों से ही सार्थक सिद्ध होगी हमारी शिक्षा

भटिंडा (एजेंसी)। स्वातंत्र्योत्तर भारत के विकास और चतुर्दिक उन्नयन को शिक्षा के माध्यम से नियोजन एवं प्रबंधन करने के वैचारिक उपक्रम के तहत निर्मित पहले शिक्षा आयोग (1964-66) के अध्यक्ष डॉ. डीएस कोठारी ने रेखांकित करते हुए कहा था कि 'भारत की नियति अब इसकी कक्षाओं में आकार ले रही है।

इसके लिए व्यक्ति, राष्ट्र एवं मानवता को पुन : जीवंत करने हेतु शिक्षकों को सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन का माध्यम बनना होगा।' वस्तुत : यह प्रबोधन शाश्वत ज्ञान के पुनर्स्थापना की दिशा में अनवरत संलग्न शिक्षकों के प्रेरक व्यक्तित्व, प्रोत्साहन कर्ता एवं सक्रिय [illegible] के रूप में भूमिका [illegible] न्यायपूर्ण अभिव्यक्ति [illegible] शिक्षा संबंधी अपनी प्रतिबद्धता को साकार करते हुए राष्ट्र निर्माण हेतु संकल्पित वर्तमान सरकार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को अंगीकार किया। कहना न होगा कि यह नीति शिक्षकों के लिए संदर्भ, सरोकारों एवं दूरदर्शिता तथा सीखने और ज्ञान की परंपरागत तथा आधुनिक पद्धतियों के साथ एक रचनात्मक सहसंबंध की स्थापना हेतु भगीरथ प्रयास है। इस शिक्षा नीति की शिक्षकों से भिन्न अपेक्षाएं हैं, जिसकी पूर्ति नवाचारी दृष्टिकोण एवं कौशलयुक्त शिक्षक-शिक्षा द्वारा ही संभव है। इस संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का लक्ष्य अधिगम प्रणाली को अधिक प्रासंगिक और आत्मनिर्भर बनाना है, जिसमें बहुविषयक समग्र चिंतनशील शिक्षा, अकादमिक एवं शोध कार्यक्रमों की पुनर्रचना, अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम, अकादमिक क्रेडिट बैंक, नवाचार अनुभवजन्य अधिगम तथा शैक्षिक एवं सह शैक्षिक गुणों के आकलन हेतु मूल्यांकन प्रणाली को और [illegible] समाहित है। [illegible] संदेह शोध मानवीय उत्कृष्टता की महत्वपूर्ण संज्ञानात्मक परियोजना है। इसीलिए इस नीति में अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को सृजित एवं प्रबंधित करने के लिए समाजोपयोगी अनुसंधान हेतु नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की परिकल्पना की गई है। इस नीति में एक व्यापक एवं समावेशी इकाई के अंतर्गत 'सहज किंतु कठोर' नियामक प्रणाली का प्रविधान किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य युवाओं को प्रशिक्षित करना एवं उन्हें वैश्विक दक्षता और जीवन कौशलों से समृद्ध करना है, ताकि वे सामाजिक एवं आर्थिक रूप से प्रासंगिक होकर वैश्विक ज्ञान समाज का अनिवार्य प्रतिभाग बन सकें।

तात्पर्य यह है कि शिक्षण अधिगम की प्रणालियों में आज के विद्यार्थियों की समावेशी आवश्यकताओं तथा 21वीं सदी के बहु-विषयक अनुशासनों तथा कौशलों से युक्त अधिगम को समायोजित करना अनिवार्य है। इस संदर्भ में विचारणीय यह है कि क्या हमारे शिक्षक [illegible] तथा [illegible] अधिगम परिदृश्य का नवाचारी रूप से क्रियान्वयन कर सकेंगे। ध्यातव्य है कि देश में पाठ्यक्रम निर्माण और विकास की गतिशीलता के अभाव के कारण हम वैश्विक संदर्भों में दक्ष एवं अपेक्षा अनुरूप विद्यार्थियों का सृजन नहीं कर पाए।

दुष्कर्म मामले में लुधियाना के विधायक सिमरजीत बैंस समेत सात पर केस

लुधियाना (एजेंसी)। करीब पांच महीने से इंसाफ के लिए लड़ रही दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली महिला को अब उम्मीद की किरण नजर आई है। अदालत के निर्देश पर लुधियाना के थाना डिवीजन नंबर 6 पुलिस ने लोक इंसाफ पार्टी प्रधान विधायक सिमरजीत सिंह बैंस समेत 7 लोगों के खिलाफ साजिश के तहत दुष्कर्म, छेड़छाड़ तथा धमकाने के आरोप में केस दर्ज कर लिया है।

इससे पहले अदालत के निर्देश के बावजूद पर्चा दर्ज [illegible] करने के विरोध में सोमवार को [illegible] नेता व कार्यकर्ताओं ने पुलिस कमिश्नर दफ्तर के बाहर धरना प्रदर्शन किया। हालांकि उससे पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर दी। अकाली दल ने विधायक की गिरफ्तारी की मांग की है। इसको लेकर अकाली दल ने फिरोजपुर रोड जाम कर दिया है। हरीश राय ढांढा व शरणजीत सिंह ढिल्लो समर्थको के साथ पहुंचे थे। केस में नामजद अन्य आरोपित कोट मंगल सिंह की गली नंबर 5 निवासी कर्मजीत सिंह, परमजीत सिंह, जसबीर कौर, ईशर नगर मेन रोड निवासी बलजिंदर कौर, ईशर नगर की गली नंबर 6 निवासी सुखचैन सिंह तथा पीए गोगी शर्मा हैं। पुलिस ने ईशर नगर निवासी 44 वर्षीय महिला की शिकायत पर उनके खिलाफ केस दर्ज किया है।

महिला ने पुलिस को शिकायत दी थी कि प्राप्टी विवाद के चलते वो विधायक के संपर्क में आई थी, मगर विधायक ने अपने रसूख का इस्तेमाल करते हुए उसका शारीरिक शोषण किया। इसमें अन्य आरोपितों ने विधायक बैंस का साथ दिया। पुलिस को शिकायत देने के बाद उसे लगातार जान से मारने की धमकियां मिलने लगीं। इस पर पुलिस कमिश्नर ने महिला की रक्षा के लिए उसे सिक्योरिटी प्रदान कराई। मगर इन्वेस्टीगेशन के नाम पर मामले को लटका दिया। इसके चलते उसने अदालत का दरवाजा खटखटाया। चार दिन पहले अदालत ने पुलिस को विधायक बैंस व अन्य आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज करने के निर्देश जारी किए।

विधायक सिमरजीत सिंह बैंस के खिलाफ पर्चा दर्ज करने और उनकी गिरफ्तारी के लिए अकाली दल ने पुलिस कमिश्नर दफ्तर में धरना दिया। धरने से पहले अकाली कार्यकर्ता जुटने लगे हैं। उनका नेतृत्व जिला प्रधान रंजीत सिंह ढिल्लों कर रहे हैं। वरिष्ठ नेता हीरा सिंह गाबड़िया और महेश इंदर सिंह ग्रेवाल भी पहुंचे हैं।

करनाल में देर रात मचा हड़कंप, केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग

करनाल (एजेंसी)। करनाल से इंद्री रोड पर गांव दरड़ के समीप स्थित कैमिकल फैक्ट्री में आधी रात को अचानक ही आग लग गई, जिससे हड़कंप मच गया। फैक्ट्री में मौजूद मजदूरों ने भागकर जान बचाई तो वहीं फायर ब्रिगेड की दर्जन भर गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

ल्यूब्रिकेंट आयल बनाने वाली यह फैक्ट्री कई वर्षो से स्थित है। हर रोज की तरह रविवार रात करीब एक बजे छह से सात मजदूर फैक्ट्री में थे, जो सोने की तैयारी कर रहे थे। अचानक ही उन्हें धुआं उठता हुआ दिखाई दिया और देखते ही देखते आग भड़क उठी। वे तत्काल ही फैक्ट्री से बाहर भागे और फैक्ट्री मालिक बृज कुमार को सूचना दी। वे भी आनन-फानन में मौके पर पहुंचे तो वहीं फायर ब्रिगेड केंद्र पर भी सूचना दी गई। करनाल, घरौंडा व इंद्री से करीब दर्जन भर गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि सुबह होने तक फैक्ट्री में धुआं उठता रहा।

वहीं रात को हुई इस घटना की जानकारी मिलते ही राहगीर व आसपास के लोगों की भी भीड़ जुट गई तो सदर थाना व रंभा पुलिस चौकी से पुलिस टीमें भी मौके पर पहुंची। हालांकि फैक्ट्री में आग लगने से कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन माना जा रहा है कि लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। अभी आग लगने के कारणों का भी पता नहीं चल पाया है।

पंजाब कांग्रेस में इसी हफ्ते बड़ा फेरबदल, जाखड़ की जगह बन सकता है नया अध्यक्ष, सिद्धू को भी मिलेगी जिम्मेदारी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में अंतर्कलह को खत्म करने के लिए 41 दिन से चल रही कोशिश इस हफ्ते कुछ रंग ला सकती है। कांग्रेस हाईकमान पार्टी की पंजाब इकाई में बड़ा फेरबदल करने की तैयारी में है। इसका ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया है। संकेत हैं कि पंजाब कांग्रेस को इस हफ्ते नया अध्यक्ष मिल सकता है। अब सिर्फ प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश रावत की औपचारिक घोषणा का इंतजार है।

वह इन दिनों बीमार चल रहे हैं। उनके ठीक होने के बाद ही तस्वीर साफ हो पाएगी। कांग्रेस में तीन स्तर पर बदलाव होने हैं। एक तो पंजाब कांग्रेस को नया अध्यक्ष दिया जाएगा। दूसरा, नवजोत सिंह सिद्धू को एडजस्ट किया जाएगा और उनको नई जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके बाद पंजाब कैबिनेट में भी फेरबदल किया जाना है। सिद्धू के मामले में पार्टी हाईकमान ने पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह की बात मान ली है। सिद्धू को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही। सोनिया गांधी से हुई मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया था कि अगर पार्टी सिद्धू को अध्यक्ष बनाती है, तो पंजाब का हिंदू वर्ग कांग्रेस से छिटक सकता है। पार्टी हाईकमान भी कैप्टन की इस बात से सहमत है। यही कारण है कि सिद्धू को न तो सरकार में और न ही संगठन में एडजस्ट किया जाएगा।

उन्हें आगामी चुनाव को देखते हुए स्क्रीनिंग कमेटी का सदस्य या चुनाव प्रचार कमेटी का चेयरमैन बनाया जा सकता है। इस पर कैप्टन और सिद्धू ने अपनी सहमति पार्टी हाईकमान को दे दी है। वहीं, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ की छुट्टी तय मानी जा रही है। उनकी छुट्टी करके प्रदेश अध्यक्ष की कमान किसी हिंदू नेता को दी जाएगी। नए प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में कैबिनेट मंत्री विजय इंदर सिंगला का नाम सबसे आगे है। सिंगला को कैप्टन अमरिंदर सिंह विश्वास पात्र हैं और राहुल गांधी की भी गुड बुक में हैं। ऐसे में उनके नया अध्यक्ष बनने की संभावना ज्यादा है। सिंगला को संगठन में लाने से सरकार को भी फायदा होगा। इससे कैबिनेट में एक सीट खाली हो जाएगी। सिद्धू के कैबिनेट से इस्तीफा देने के बाद पंजाब कैबिनेट में एक सीट पहले से ही खाली पड़ी हुई है।

ऐसे में दो विधायकों को कैबिनेट मंत्री बनाकर संतुष्ट किया जा सकता है। कैबिनेट में कुछ और फेरबदल का अधिकार भी कैप्टन के पास है। कुछ और भी बदलाव किए जाने हैं, जिसकी तैयारी कर ली गई है। ये सारे फैसले हरीश रावत के स्वस्थ्य होने तक रुक सकते हैं। उन्हें सोमवार को अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। हरीश रावत भी पंजाब में होने वाले बदलाव के बाद उत्तराखंड में फोकस करना चाहते हैं। पंजाब के साथ उत्तराखंड में भी चुनाव होने हैं। वह मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं।

'आप' सरकार के कम जलापूर्ति के आरोप पर हरियाणा का पलटवार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा और दिल्ली के बीच यमुना जल विवाद को लेकर माहौल फिर गर्मा गया है। दोनों राज्यों की सरकारें आमने-सामने आ गई हैं। दिल्ली में कम जलापूर्ति के आरोपों पर हरियाणा सरकार ने पलटवार किया है। हरियाणा की मनोहरलाल सरकार ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार पर इस मामले में झूठ बोलने का आरोप लगाया है।

हरियाणा सरकार का कहना है कि दिल्ली में पानी की कमी पूरी तरह से वहां की सरकार का आंतरिक मामला है और इसमें हरियाणा की कोई भूमिका नहीं है। मानसून में देरी के कारण खुद हरियाणा पानी की भारी किल्लत झेल रहा है, लेकिन इसके बावजूद दिल्ली को बिना किसी कटौती के उसके हिस्से का पूरा पानी सप्लाई किया जा रहा है। बता दें कि दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने दिल्ली में पानी के संकट को लेकर हरियाणा सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। साथ ही पानी की कटौती के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की बात कही है। आम आदमी पार्टी के आरोप को पूरी तरह से राजनीतिक और आदतन शिकायत का प्रारूप बताते हुए हरियाणा सरकार ने तथ्यों के साथ उस पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। हरियाणा का कहना है कि दिल्ली को नहर के माध्यम से मूनक में 1049 क्यूसेक पानी दिया जाता है, जिसकी मात्रा बवाना कांटेक्ट प्वाइंट पर 950 क्यूसेक बनती है। इस पानी को हरियाणा की ओर से दिल्ली को निरंतर उपलब्ध कराया जा रहा है। हरियाणा सरकार का कहना है कि मानसून में देरी के कारण और दिल्ली सरकार के जल प्रबंधन की कुव्यवस्था से दिल्लीवासियों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है।

दिल्ली सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए झूठी राजनीतिक बयानबाजी कर रही है। सच तो यह है कि यमुना में इस वर्ष लगभग 40 फीसद पानी की कमी के बावजूद हरियाणा ने दिल्ली को अपने हिस्से का पानी दिया है। हरियाणा सरकार ने कहा कि दिल्ली सरकार की 2017 की इकोनामिक सर्वे रिपोर्ट में दिल्ली में पेयजल के कुप्रबंधन के कारण 20 फीसद पानी व्यर्थ हो जाता है। व्यर्थ होने वाले पेयजल की मात्रा 30 फीसद तक बढ़ती रही है। इसके बावजूद हरियाणा सरकार अपने सकारात्मक प्रयत्न एवं सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए भी दिल्ली सरकार की आलोचना झेल रही है। हरियाणा की दलील है कि यमुना और राबी ब्यास के पानी से मूनक में दिल्ली का हिस्सा 719 क्यूसेक पानी है। इसके अलावा, 29 फरवरी 1996 में सुनाए गए सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन के लिए मूनक में हरियाणा द्वारा 330 क्यूसेक अतिरिक्त यमुना का पानी छोड़ा जाता है। ऊपरी यमुना नदी बोर्ड की 52वीं और 54वीं बैठक में इस स्थिति की पुष्टि भी की जा चुकी है। इस साल मई के महीने में दिल्ली ने इस आधार पर सुप्रीम कोर्ट में एक सिविल रिट याचिका दायर की थी कि हरियाणा, दिल्ली को पानी का पूरा हिस्सा नहीं दे रहा है।

जल शक्ति मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया। पिछले वर्षो में दिल्ली द्वारा दायर इसी तरह की याचिकाओं को भी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। हरियाणा के सीएम के प्रिंसिपल मीडिया एडवाइजर विनोद मेहता ने राघव चड्ढा के आरोपों पर एक बार फिर उनकी घेराबंदी की है। मेहता ने कहा कि पानी की कमी को आधार बनाते हुए दिल्ली पहले भी कई बार सुप्रीम कोर्ट में गई है। सुप्रीम कोर्ट ने हमेशा यह पाया है कि हरियाणा अलोकेटिड से ज्यादा पानी दिल्ली को देता रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप करते हुए हमेशा कहा कि हरियाणा की ओर से दिल्ली को पानी की सप्लाई ठीक है, लेकिन आप दिल्ली की जरूरत समझिए। मेहता के अनुसार हरियाणा ने अक्सर दिल्ली के लोगों की जरूरत समझी और दिल्ली को ज्यादा पानी दिया। दिल्ली पर सिर्फ आम आदमी पार्टी का ठेका नहीं है। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है। वह हमारे देश की शान है। आम आदमी पार्टी के लोगों की आदत शिकायत करने की हो गई है। उनकी शिकायत को कोई गंभीरता से नहीं लेता। दिल्ली को हक का पूरा पानी दिया जा रहा है।

लांछन लगाना आम आदमी पार्टी की आदत बन गई है। इसीलिए उनको अब कोई गंभीरता से नहीं लेता। आम आदमी पार्टी लगातार अपना विश्वास खोती जा रही है। दिल्ली सरकार पहले भी दिल्ली में प्रदूषण और आक्सीजन की सप्लाई के मामले में लोगों को गुमराह करती रही है। कोविड काल में पर्याप्त आक्सीजन की उपलब्धता के बावजूद आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आक्सीजन नहीं होने की राजनीतिक नौटंकी की। केजरीवाल को यदि दिल्ली और हरियाणा के हित प्यारे हैं तो उन्हें पंजाब सरकार पर हरियाणा को एसवाइएल का पानी देने का दबाव बनाना चाहिए।

राष्ट्रीय मुख्य कोच ने कहा, भारतीय निशानेबाज पैरालंपिक में कम से कम चार पदक जीतने में सक्षम

नई दिल्ली। पैरालंपिक में निशानेबाजों से कम से कम चार पदक की उम्मीद कर रहे मुख्य राष्ट्रीय कोच जेपी नौटियाल ने कहा कि भारतीय पैरा निशानेबाज तोक्यो खेलों में कुछ अच्छे नतीजे हासिल करने में सक्षम हैं। तोक्यो पैरालंपिक खेलों के लिए भारत के रिकॉर्ड 10 पैरा निशानेबाजों ने क्वालीफाई किया है। पैरालंपिक 24 अगस्त से शुरू हो रहे हैं। रियो खेलों में सिर्फ एक निशानेबाज नरेश शर्मा ने राइफल स्पर्धा में क्वालीफाई किया था। नौटियाल ने कहा, ''सभी कड़ी मेहनत कर रहे हैं और एकाग्र हैं। मुझे यकीन है कि वे अच्छे नतीजे हासिल करेंगे। मुझे टीम से स्वर्ण पदक सहित कम से कम चार पदक की उम्मीद है।'' उन्होंने कहा, ''यह पूरी टीम के लिए शानदार सफर रहा जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में शानदार नतीजे दिए। उनमें से कई निशानेबाजों में फाइनल्स में अच्छे नतीजे हासिल करने का जज्बा है।'' दस सदस्यीय टीम में शीर्ष पिस्टल निशानेबाज सिंहराज और मनीष नरवाल भी शामिल हैं। पूरी टीम डॉ. कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में रोजाना छह घंटे की ट्रेनिंग कर रही है जिसके शारीरिक और मानसिक ट्रेनिंग, निशानेबाजी, स्ट्रेंथनिंग और स्ट्रेचिंग शामिल है। निशानेबाजी तकनीकी समिति (एसटीसी) के अध्यक्ष ने कहा, ''यह संतुलित टीम है जिसमें युवा और सीनियर खिलाड़ियों को मिश्रण है और इनमें से अधिकतर ने पिछले महीने से जारी ट्रेनिंग के दौरान शानदार स्कोर बनाए हैं।'' नौटियाल की सबसे बड़ी चिंता कोविड-19 महामारी के बीच खिलाड़ियों का मानसिक स्वास्थ्य है। उन्होंने कहा, ''काफी देशों ने पिछले कुछ समय में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है विशेषकर युक्रेन और रूस ने। तोक्यो 2020 खेल निश्चित तौर पर चुनौतीपूर्ण होंगे।'' नौटियाल ने कहा, ''मेरी सबसे बड़ी चिंता कोविड-19 की मौजूदा स्थिति के बीच टीम को सुरक्षित और स्वस्थ रखना है।'' टीमः पुरुषः मनीष नरवाल (पी1, पी4), सिंहराज (पी1, पी4), दीपेंदर सिंह (पी1), दीपक (आर1, आर6, आर7), सिद्धार्थ बाबू (आर3, आर6), स्वरूप महावीर उनहालकर (आर1), आकाश (पी3, पी4) और राहुल जाखड़ (पी3)। महिलाः अवनी लेखाड़ा (आर2, आर3, आर6, आर8) और रूबिना फ्रांसिस (पी2)।

एक्लेस्टोन, कॉनवे आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई (एजेंसी) । इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन भारत की युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा और आलराउंडर स्नेह राणा को पीछे छोड़कर जून महीने के लिये आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुनी गयी जबकि पुरुष वर्ग में यह पुरस्कार न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे को दिया गया। बायें हाथ की स्पिनर एक्लेस्टोन यह पुरस्कार पाने वाली इंग्लैंड की दूसरी महिला खिलाड़ी हैं। उनसे पहले फरवरी में टैमी ब्यूमोंट को यह पुरस्कार मिला था। एक्लेस्टोन भारत के खिलाफ ब्रिस्टल में एकमात्र टेस्ट मैच में सबसे सफल गेंदबाज रही थी। इस मैच में उन्होंने आठ विकेट लिये थे। उन्होंने इसके बाद दो वनडे में तीन दू तीन विकेट हासिल किये थे। आईसीसी की विज्ञप्ति के अनुसार एक्लेस्टोन ने कहा, ''पुरस्कार जीतकर वास्तव में अच्छा लग रहा है। इस दौर में हम तीन प्रारूपों में खेले थे तथा यह बहुत अच्छा अहसास है कि टेस्ट और सीमित ओवरों की श्रृंखला में मेरे प्रदर्शन को सम्मान मिला।'' शेफाली भी इस पुरस्कार की दौड़ में थी। उन्होंने अपने टेस्ट पदार्पण पर 96 और 63 रन की पारियां खेली और फिर दो वनडे में भी अच्छा योगदान दिया था। राणा ने टेस्ट मैच की दूसरी पारी में नाबाद 80 रन बनाकर भारत की हार टाली थी। उन्होंने चार विकेट भी लिये थे। पुरुष क्रिकेट में कॉनवे यह पुरस्कार हासिल करने वाले न्यूजीलैंड के पहले खिलाड़ी बने। बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ लाड्र्स में पदार्पण मैच में दोहरा शतक जड़ा और फिर अगले दो मैचों में दो अर्धशतक बनाये। इनमें भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी शामिल है।

दबाव में खेलने का लुत्फउठा रही हूंः दीप्ति

होव (एजेंसी) । भारतीय महिला टीम की इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत की सूत्रधार रही प्रतिभाशाली आलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा कि अब वह मैच की परिस्थितियों से बेहतर ढंग से निबट रही है और दबाव में खेलने का आनंद उठा रही है। इंग्लैंड सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट (59) और कप्तान हीथर नाइट (30) की पारियों से जीत की तरफ बढ़ रहा था लेकिन 14वें ओवर में दीप्ति ने यह साझेदारी तोड़ी जिससे भारत वापसी करने में सफल रहा। दीप्ति ने भारत की आठ रन से जीत के बाद वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुझे दबाव की परिस्थितियों खेलना पसंद है, चाहे बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी या क्षेत्ररक्षण। मैं अपने विभाग में योगदान देकर टीम को आगे बढ़ाना चाहती हूं। '' उन्होंने कहा, ''मुझे आगे बढ़कर नेतृत्व करना पसंद है जैसे कि घरेलू टूर्नामेंटों में जब मैं सीनियर खिलाड़ी के रूप में खेलती हूं और टीम के लिये मैच जीतती हूं। इससे अलग तरह का विश्वास पैदा होता है। '' उन्होंने कहा, ''जब आप उस विश्वास के साथ यहां खेलने के लिये उतरते हो, निश्चित तौर पर यह मंच आसान नहीं है लेकिन यह इस पर निर्भर करता है कि आप इससे कैसे पार पाते हो। मैं अब परिस्थितियों का आकलन करना और उनसे निबटना जानती हूं। इसलिए मुझे अब खेलना आसान लगता है क्योंकि मैं चीजों से आसानी से निबट सकती हूं। '' दीप्ति ने 14वें ओवर में ब्यूमोंट को पगबाधा आउट किया और फिर नाइट को रन आउट करके इंग्लैंड को संकट में डाल दिया। इंग्लैंड को तब जीत के लिये 36 गेंदों पर 43 रन चाहिए थे लेकिन इसके बाद भारतीय स्पिनरों ने शिकंजा कस दिया। उन्होंने कहा, ''यह महत्वपूर्ण ओवर और अहम विकेट था। इससे पहले भी हमने डीआरएस लिया था लेकिन भाग्य ने हमारा साथ नहीं दिया। इस बार जब मैंने गेंद की तो यह अंपायर का फैसला था और गेंद स्टंप पर लग रही थी। इससे हमारा काफी मनोबल बढ़ा। इसके बाद रन आउट से हमें मैच में वापसी करने में मदद मिली।

महीने भर के जश्न के बाद गम में डूबे इंग्लैंड के प्रशंसक

लंदन (एजेंसी) । इंग्लैंड की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने एक महीने तक अपने प्रशंसकों को जश्न मनाने का भरपूर मौका दिया लेकिन यूरोपीय चौंपियनशिप के महत्वपूर्ण मैच में सबसे महत्वपूर्ण मुकाम पर चूक से उनकी खुशी जाती रही और वे निराशा के गहरे सागर में डूब गये। इंग्लैंड की टीम ने उम्मीद जतायी थी कि वह वर्षों से चली आ रही निराशा को समाप्त कर देगी। इंग्लैंड ने 1966 में विश्व कप के बाद कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीता था लेकिन इस बार जिस तरह से टीम प्रदर्शन कर रही थी उसे देखते हुए लग रहा था कि वह यूरोपीय चौंपियन बन जाएगी। लेकिन इंग्लैंड पेनल्टी शूट आउट में फिर से मार खा गया। इटली ने उसे 3-2 से हराकर खिताब जीता। इससे पूरा इंग्लैंड गमगीन हो गया। इटली की जीत के साथ जहां उसके प्रशंसक खुशी से झूम रहे थे वहीं वेम्बले स्टेडियम की अधिकतर सीटों पर मुर्दानगी छायी थी। इंग्लैंड के प्रशंसक सिर पकड़कर बैठे थे। यही हाल बाहर सड़कों पर था। प्रशंसकों की जमकर जश्न मनाने की सारी तैयारियां धरी की धरी रह गयी। दक्षिण लंदन के क्रोयडोन में प्रशंसकों के लिये बने विशेष क्षेत्र में लोग रो रहे थे और एक दूसरे को सांत्वना दे रहे थे। लंदन के ट्रैफलगार स्क्वायर पर मौजूद सैकड़ों लोगों ने अपना गुस्सा बीयर की बोतलों पर निकाला। उत्तरी इंग्लैंड के न्यूकास्टल में कुछ लोग हालांकि निराश टीम के समर्थन में खड़े भी हुए। अठारह वर्षीय छात्रा मिली कार्सन ने कहा, ''हमने लंबी राह तय कर ली थी, जीत महत्वपूर्ण होती। टीम ने देश को एकजुट कर दिया था। सभी इस मुश्किल दौर में खुशी के साथ जीवन बिता रहे थे। '' इंग्लैंड की टीम की फाइनल से पहले की सफलता ने देश की उम्मीदों को बढ़ा दिया था विशेषकर उस दौर में जबकि ब्रिटेन में कोरोना वायरस महामारी के कारण 128,000 से अधिक लोगों की जान गयी। रविवार को लोगों ने मैच शुरू होने से काफी पहले ही जश्न की तैयारियां शुरू कर दी थी। इंग्लैंड ने जब दूसरे मिनट में गोल किया तो कुछ लोगों ने पार्टी मनानी भी शुरू कर दी थी। मैच आगे बढ़ने के साथ उनकी धड़कनें बढ़ती गयी जो पेनल्टी शूटआउट समाप्त होते ही थम सी गयी।

भारतीय हॉकी टीम पदक जीतने की प्रबल दावेदार

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम हर बार की तरह इस बार भी ओलंपिक में पदक जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। टीम के हाल के प्रदर्शनों को देखते हुए इस बार इसकी संभावना ज्यादा है कि टीम टोक्यो ओलंपिक में अपना लोहा मनवाने में कामयाब रहेगी। आठ बार की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 1960 में रजत और 1968 तथा 1972 में कांस्य पदक जीते थे। भारत ने आखिरी बार 1980 ओलंपिक में स्पेन को 4-3 से हराकर हॉकी में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद से ही भारतीय हॉकी टीम उम्मीदों पर नहीं उतर पाई है और उसे हार तथा निराशा मिली है। टीम से उम्मीदें तब भी रहती थी जब टीम रैंकिंग में फिसल गई थी और उसे बड़े टूर्नामेंटों में अच्छे नतीजे नहीं मिल रहे थे। इसके बाद टीम 2008 बीजिंग ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में भी नाकाम रही थी। हालांकि, भारतीय टीम ने अपने प्रदर्शन में सुधार किया है और वह विश्व रैंकिंग में 10वें से चौथे स्थान पर आ गई है। टोक्यो ओलंपिक के लिए खिलाड़ी काफी आश्वस्त हैं, बावजूद इसके कि टीम का कैंपेन कोरोना के कारण प्रभावित रहा था। भारतीय हॉकी टीम 23 जुलाई से शुरू हो रहे खेलों के महाकुंभ ओलंपिक के लिए तैयार है और भारतीय पुरुष टीम बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड और जर्मनी के साथ पदक जीतने के उम्मीदवार में से एक है। कई वर्षो से टीम का लक्ष्य नॉकआउट चरण में पहुंचना रहा है लेकिन इस बारे उम्मीदें काफी ज्यादा है क्योंकि चयनकर्ताओं ने बेहद संतुलित टीम चुनी है। गोलकीपर पीआर श्रीजेश, मनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह, रूपिंदर पाल सिंह और बीरेंद्र लाकड़ा जैसे अनुभवी खिलाड़ी टीम का हिस्सा हैं। भारत रियो ओलंपिक की चैंपियन अर्जेंटीना, विश्व की नंबर-1 टीम ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, स्पेन और जापान के साथ ग्रुप ए में है जबकि बेल्जियम, नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, कनाडा और दक्षिण अफ्रीका ग्रुप बी में है। प्रत्येक ग्रुप से चार टीमें नॉकआउट चरण में जाएंगी। भारतीय टीम के कोच ग्राहम रीड उम्मीदों से अच्छी तरह वाकिफहैं और उन्होंने उम्मीद जताई है कि भारत अपना चार दशक का सूखा खत्म करेगा।

रानी रामपाल के नेतृत्व में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अमेरिका को क्वालीफायर्स में हराकर ओलंपिक में क्वालीफाई किया था। टीम का मुख्य लक्ष्य नॉकआउट चरण में प्रवेश करना होगा। हालांकि, मुख्य कोच शुअर्ड मरिने ने कहा कि अगर टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में नाकाम भी रही तो उन्हें इतनी निराशा नहीं होगी। भारतीय महिला टीम नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका के साथ ग्रुप ए में है जबकि अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, चीन, न्यूजीलैंड, स्पेन और जापान अन्य ग्रुप में है। मरिने ने कहा, भारतीय टीम से काफी उम्मीदें हैं। लेकिन आप वास्तिविकता को देखें तो जापान और दक्षिण अफ्रीका ही हमसे रैंक में नीचे है। हालांकि, उन्होंने भरोसा जताया कि टीम क्वार्टर फाइनल तक जरूर पहुंचेगी।

क्रिकेटर पीटरसन ने इंग्लैंड के अश्वेत फुटबॉलरों के साथ नस्ली दुर्व्यवहार की निंदा की

लंदन (एजेंसी) । इंग्लैंड के पूर्व स्टार क्रिकेटर केविन पीटरसन ने यूरो फाइनल में हारने के बाद सोशल मीडिया पर फुटबॉल टीम के तीन अश्वेत खिलाड़ियों के साथ नस्ली दुर्व्यवहार की सोमवार को निंदा की और सवाल उठाया कि ऐसी

स्थिति में क्या उनके देश को 2030 फीफा विश्व कप की मेजबानी का अधिकार मिलना चाहिए। राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान पीटरसन यहां के वेम्बले स्टेडियम में खेले गये फाइनल में इंग्लैंड के शानदार प्रदर्शन के बाद पेनल्टी शूटआउट में इटली से हारने के बाद फैली अराजकता में फंस गए थे। पीटरसन से पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और इंग्लैंड में इस खेल की संचालन संस्था फुटबॉल संघ (एफए) ने पेनल्टी शूट आउट में इटली के खिलाफ गोल करने चूकने वाले इंग्लैंड के तीन अश्वेत खिलाड़ियों के प्रति नस्ली टिप्पणी की निंदा की थी। रविवार रात हुए फाइनल में मार्कस रशफोर्ड की पेनल्टी गोल पोस्ट से टकरा गई थी जबकि बुकायो साका और जेडन सांचो की पेनल्टी को इटली के गोलकीपर ने रोक दिया। नियमित और अतिरिक्त समय में मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद इटली ने पेनल्टी शूट आउट में 3-2 से जीत दर्ज की। पीटरसन से ट्वीट किया, ''कल रात मैं डायलन के साथ अपनी कार से घर आ रहा था तो स्थिति पूरी तरह से भयानक थी। 2021 में ऐसा व्यवहार हमें इतनी खुशी देने वाले खिलाडियों के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल'' उन्होंने कहा, ''क्या हम वास्तव में 2030 विश्व कप (मेजबानी) के लायक हैं?'' इससे पहले प्रधानमंत्री जॉनसन ने ट्वीट किया, ''ये खिलाड़ी नायक की तरह तारीफ के हकदार हैं, न कि सोशल मीडिया पर नस्लीय दुर्व्यवहार के।'' उन्होंने कहा, ''इस तरह के घटिया दुर्व्यवहार के लिए जिम्मेदार लोगों को खुद पर शर्म आनी चाहिए।'' पीटरसन ने एक अन्य ट्वीट में लिखा, ''ब्रिटेन में मीडिया शायद दुनिया में सबसे शक्तिशाली है। यह उनकी जिम्मेदारी होनी चाहिए कि सोशल मीडिया कंपनियों को हर उस व्यक्ति का सत्यापन करने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए जिसका उस पर खाता (जो सोशल मीडिया पर मौजूद) है।'' उन्होंने कहा, ''कोई रोबोट या कोई नकली खाता नहीं होना चाहिए। सभी के लिए जवाबदेही होनी चाहिए। यह समाज को नष्ट कर रहा है।'' यूनाइटेड किंगडम 2030 में विश्व कप की मेजबानी के लिए दावा पेश करने वाले देशों में शामिल है।

opensearch

श्रीलंका श्रृंखला में आईपीएल का आत्मविश्वास लेकर उतरेंगे युवाः भुवनेश्वर

कोलंबो (एजेंसी) । श्रीलंका दौरे पर गयी भारतीय सीमित ओवरों की टीम में भले ही छह खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का अनुभव नहीं है लेकिन उप कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि कम अनुभवी होना कोई मसला नहीं है और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के कारण पूरी टीम आत्मविश्वास से भरी है। कप्तान विराट कोहली और सीमित ओवरों की टीम के उप कप्तान रोहित शर्मा के टेस्ट श्रृंखला के लिये इंग्लैंड में होने के कारण भारत ने सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की अगुआई में कम अनुभवी टीम श्रीलंका भेजी है। भारतीय टीम में देवदत्त पडिक्कल, चेतन सकारिया, नितीश राणा, कृष्णप्पा गौतम, रुतुराज गायकवाड़ और वरुण चक्रवर्ती को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का अनुभव नहीं है, लेकिन इन सभी ने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया जिसके दम पर उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह मिली। भुवनेश्वर ने स्टार स्पोर्ट के एक कार्यक्रम में कहा, ''हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं और उन्हें आईपीएल का अनुभव है। वे भले ही युवा है लेकिन उनके पास आईपीएल का अनुभव है। वे लंबे समय से टी20 में खेल रहे हैं और उन्होंने अपनी टीमों के लिये अच्छा

प्रदर्शन किया है।'' उन्होंने कहा, ''इसलिये यह टीम के लिये लाभदायक स्थिति है कि वे आईपीएल से मिले आत्मविश्वास के साथ यहां खेलने के लिये उतरेंगे। वे युवा और प्रतिभाशाली हैं। टीम में अनुभवी खिलाड़ी भी हैं और यह अच्छा दौरा होगा।'' भुवनेश्वर ने कहा, ''युवा खिलाड़ी जो अपने पहले दौरे पर आये हैं और जिन्होंने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करके टीम में जगह बनायी है यदि वे यहां अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो इससे उनका मनोबल काफी बढ़ेगा।'' यह सीनियर तेज गेंदबाज पिछले साल के आईपीएल के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर हो गया था और फिर आस्ट्रेलिया दौरे पर भी नहीं जा पाया था। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में वापसी की। भुवनेश्वर ने कहा, ''जब मैं पूरी तरह फिट हो गया था तो घरेलू क्रिकेट चल रहा था। इसलिए मेरा ध्यान फिट रहने और वापसी करने पर था और इसके बाद मैंने मैचों के लिये तैयारियां शुरू कर दी।'' उन्होंने कहा, ''इंग्लैंड श्रृंखला से पहले मैं घरेलू क्रिकेट में खेला। इससे मुझे जरूरी मैच अभ्यास का मौका मिला। घरेलू क्रिकेट खेलते हुए किसी को भी चीजों को हल्के से नहीं लेना चाहिए और यह मुझे भारत की तरफ से खेलने और फिट रहने के लिये प्रेरित करता है।

इटली बना यूरो चौंपियन, पेनल्टी शूटआउट में इंग्लैंड को हराया

लंदन (एजेंसी) । इटली की फुटबॉल में सुखद वापसी हो गयी लेकिन इंग्लैंड का किसी बड़े खिताब का पिछले पांच दशकों से भी अधिक समय से चला आ रहा पीड़ादायक इंतजार बदस्तूर जारी रहा। और यह केवल एक पेनल्टी शूटआउट के कारण हुआ।

इटली ने रविवार की रात को खेले गये फाइनल में इंग्लैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर यूरोपीय फुटबॉल चौंपियनशिप दू यूरो 2020 का खिताब जीता। दोनों टीमें नियमित और अतिरिक्त समय तक 1-1 से बराबरी पर थी। यह दूसरा अवसर है जबकि इटली यूरो चौंपियन बना।

जियानलुगी डोनारुम्मा ने अपनी बायीं तरफ डाइव लगाकर बुकायो साका का शॉट रोका और इस तरह से इंग्लैंड को अपने पसंदीदा वेम्बले स्टेडियम में लगातार तीसरी बार पेनल्टी शूटआउट में नाकामी हाथ लगी। अभी चार साल पहले ही इटली की फुटबॉल की स्थिति अच्छी नहीं थी। वह छह दशक में पहली बार विश्व कप में जगह बनाने में असफल रहा था। अब वह यूरोप की सर्वश्रेष्ठ टीम है और कोच राबर्टो मनीची के रहते हुए सर्वाधिक मैचों में अजेय रहने के राष्ट्रीय रिकार्ड की राह पर है। इंग्लैंड पिछले 55 वर्षों में पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट का फाइनल खेल रहा था। उसने 1966 में विश्व कप में जीत के बाद कोई बड़ा खिताब नहीं जीता है। इससे पहले उसने 1990, 1996, 1998, 2004, 2006 और 2012 में बड़े टूर्नामेंटों में पेनल्टी शूटआउट में मैच गंवाये थे। इंग्लैंड ने ल्यूक शॉ के दूसरे मिनट

में किये गये गोल से बढ़त बना ली थी। यह यूरोपीय चौंपियनशिप के फाइनल में सबसे तेज गोल था। इटली के लियोनार्डो बोनुची ने 67वें मिनट में बराबरी का गोल किया। लंदन के रहने वाले 19 वर्षीय साका को पेनल्टी में उनकी चूक के बाद इंग्लैंड के कई खिलाड़ियों ने गले लगाया। इंग्लैंड के कोच गेरेथ साउथगेट इससे पिछली पेनल्टी चूकने वाले जादोन सांचो के गले लगे जबकि पेनल्टी में नाकाम रहे एक अन्य खिलाड़ी मार्कस रशफोर्ड निराश होकर मैदान से बाहर चले गये। सांचो और रशफोर्ड को अतिरिक्त समय के अंतिम क्षणों में स्थानापन्न के रूप में लाया गया था। ऐसा लगता है कि पेनल्टी लेने की उनकी विशेषज्ञता के कारण यह फैसला किया गया था। निर्णायक पेनल्टी रोकने के बाद डोनारुम्मा के आंसू नहीं थम रहे थे। उनके साथी उनकी तरफ दौड़ पड़े और उन्हें अपने गले लगा दिया। इटली के प्रशंसक मदहोश थे और खिलाड़ी जोश में। इटली ने इससे पहले 1968 में यूरोपीय चौंपियनशिप जीती थी। यूरोपीय चौंपियनशिप के पिछले छह में से तीन फाइनल की तरह यह मैच भी अतिरिक्त समय तक खिंच गया। यह अप्रत्याशित नहीं था क्योंकि दोनों सेमीफाइनल भी अतिरिक्त समय तक खिंचे थे और उन मैचों में भी इन दोनों टीमों ने अपनी रक्षात्मक क्षमता का अच्छा नमूना पेश किया था। असल में इटली की मजबूत रक्षापंक्ति में केवल एक बार सेंध लगायी गयी और वह भी तब जब शॉ ने कीरन ट्रिपियर के क्रास पर गोल किया। यह शॉ का इंग्लैंड की तरफ से पहला गोल था। विशिष्ट अतिथियों के बॉक्स में बैठे डेविड बैकहम और टॉम क्रूज ने भी अन्य दर्शकों की तरह इस गोल का जश्न मनाया। इसके बाद इटली के मध्यपंक्ति के खिलाड़ियों ने दबदबा बनाया। उनकी पासिंग लाजवाब थी। इंग्लैंड का रक्षण भी मजबूत था, लेकिन दूसरे हाफ में इटली उसमें सेंध लगाने में सफल रहा।

यूरो चौंपियन बनने के बाद खुशी में झूम उठा इटली

रोम (एजेंसी) । इटली ने यूरोपीय फुटबॉल चौंपियनशिप के खिताब का जश्न न सिर्फ अपनी युवा राष्ट्रीय टीम बल्कि एक ऐसे देश के लिये भी नयी शुरुआत के रूप में मनाया जो कोरोना वायरस महामारी के कारण बुरी तरह प्रभावित होने के बाद अब सामान्य स्थिति में लौटने की कोशिश कर रहा है। इटली की लंदन के वेम्बले स्टेडियम में इंग्लैंड पर पेनल्टी शूटआउट में जीत के बाद पूरा देश खुशी से झूम उठा। कोई कार के हार्न बजाकर अपनी खुशी व्यक्त कर रहा था तो कोई आतिशबाजी के साथ जश्न मना रहा था। रात में इटली की सड़कों की रौनक देखते ही बनती थी। लोग गा रहे थे और झूम रहे थे। आखिर 2006 के विश्व कप के बाद पहली बार देश ने कोई बड़ा टूर्नामेंट जीता था। आखिर पिछले विश्व कप के लिये क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद इटली यूरोपीय चौंपियन बन गया था। रोम में बड़ी स्क्रीन पर मैच देखने वाले 29 वर्षीय फैब्रिजियो गालियानो ने कहा, ''हम पिछले डेढ़ वर्ष में मुश्किल दौर से गुजरे हैं। एक ऐसा दौर जिसमें दुनिया के अन्य देशों की तरह हम भी बुरी तरह आहत रहे। '' उन्होंने कहा, ''इसलिए यह खिताब हमारे लिये काफी मायने रखता है। खेल हमें एकजुट करता है। आखिर हमें वह खुशी मिली जो कहीं खो गयी थी।'' अधिकतर इतालवी लोग यूरोपीय चौंपियनशिप की जीत को देश के लिये अच्छी शुरुआत के रूप में देख रहे हैं जो पिछले 16 महीनों में महामारी और लॉकडाउन के दर्द झेलता रहा। इटली एशिया के बाहर पहला देश था जो कोविड-19 के कारण बहुत अधिक प्रभावित रहा। पिछले साल एक दौर ऐसा भी था जबकि अस्पतालों में जगह नहीं थी और मृतकों की संख्या लगातार बढ़ रही थी। इटली में 127,000 लोगों की जान गयी जो यूरोपीय यूनियन के 27 देशों में सर्वाधिक है। मिलान की 30 वर्षीय मिशेला सोफनेली ने कहा, ''यह हर किसी के लिये मुश्किल वर्ष था लेकिन हमारे लिये यह बेहद मुश्किल था क्योंकि महामारी से प्रभावित होने वाला हमारा पहला देश था।

जोकोविच ने विंबलडन जीतकर फेडरर-नडाल के ग्रैंडस्लैम खिताब का रिकार्ड बराबर किया

लंदन (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके रविवार को यहां विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में मैटियो बेरेटिनी को हराकर रोजर फेडरर और राफेल नडाल के 20 ग्रैंडस्लैम खिताब के रिकार्ड की बराबरी की। जोकोविच ने तीन घंटे 23 मिनट तक चले फाइनल में इटली के सातवें वरीय बेरेटिनी को 6-7 (4), 6-4, 6-4, 6-3 से पराजित किया। यह उनका विंबलडन में लगातार तीसरा और कुल छठा खिताब है। इस जीत से जोकोविच ने 20 ग्रैंडस्लैम खिताब के फेडरर और नडाल के रिकार्ड की बराबरी की। जोकोविच ने आस्ट्रेलियाई ओपन में नौ, यूएस ओपन में तीन और फ्रेंच ओपन में दो खिताब जीते है। सर्बिया का यह 34 वर्षीय खिलाड़ी अब एक कैलेंडर वर्ष में चारों ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने

की राह पर है। यह करिश्मा आखिरी बार 1969 में रॉड लेवर ने किया था। यह जोकोविच का 30वां ग्रैंडस्लैम फाइनल था। केवल फेडरर (31 फाइनल) उनसे आगे हैं। सातवीं वरीयता प्राप्त बेरेटिनी का यह पहला ग्रैंडस्लैम फाइनल था। इस फाइनल की एक और विशेषता यह थी मारिजा सीसैक चेयर अंपायर थी। पुरुष फाइनल में अंपायरिंग करने वाली वह पहली महिला बनी। बेरेटिनी ने शुरू में काफी सहज गलतियां की जिसका फायदा उठाकर जोकोविच ने शुरू में ही उनकी सर्विस तोड़ दी। इसके बाद जब जोकोविच 5-2 से आगे थे तब बेरेटिनी ने सेट प्वाइंट बचाया। इटली के इस खिलाड़ी ने दर्शकों के समर्थन के बीच अगले गेम में अपनी सर्विस बचायी और फिर ब्रेक प्वाइंट लेकर मैच को टाईब्रेकर की तरफ बढ़ा दिया। बेरेटिनी ने टाईब्रेकर में शुरू में ही 3-0 की बढ़त बनायी। अपना 30वां ग्रैंडस्लैम फाइनल खेल रहे जोकोविच ने बराबरी की लेकिन बेरेटिनी ने जल्द ही दो सेट प्वाइंट हासिल कर दिये। उन्होंने ऐस जमाकर पहले सेट प्वाइंट पर यह सेट अपने नाम किया जो एक घंटा 10 मिनट तक चला। जोकोविच ने दूसरे सेट में भी बेरेटिनी को वापसी का मौका दिया। सर्बियाई खिलाड़ी ने एक समय 4-0 से बढ़त बना रखी थी लेकिन 5-2 पर अपनी सर्विस पर सेट जीतने में नाकाम रहे। जोकोविच ने 5-3 के स्कोर पर तीन सेट प्वाइंट गंवाये लेकिन अगले गेम में आसानी से अपनी सर्विस पर अंक बनाकर मैच का स्कोर 1-1 से बराबर किया। तीसरे सेट के तीसरे गेम में जोकोविच ने बेरेटिनी की सविस तोड़कर 2-1 से बढ़त बनायी और इसके बाद अपनी सर्विस बचाये रखी। उन्होंने छठे गेम में दो ब्रेक प्वाइंट बचाये। उनके पास 5-4 के स्कोर पर दो सेट प्वाइंट पर थे। बेरेटिनी का फोरहैंड बाहर जाने से उन्होंने दूसरे सेट प्वाइंट पर मैच में बढ़त हासिल की। शीर्ष वरीयता प्राप्त सर्बियाई खिलाड़ी ने चौथे सेट में बेरेटिनी के डबल फॉल्ट का फायदा उठाकर 4-3 की बढ़त बनायी और फिर अंतिम गेम में ब्रेक प्वाइंट हासिल किया।

5जी नेटवर्क मामले में जूही चावला की याचिका पर सुनवाई टली, जज ने केस से खुद को अलग किया

दिल्ली हाई कोर्ट ने बॉलिवुड ऐक्ट्रेस जूही चावला की उस याचिका पर सुनवाई टाल दी है जो उन पर लगे 20 लाख रुपये के जुर्माने के खिलाफ दाखिल की गई थी। जूही चावला ने 2 अन्य लोगों के साथ 5 जी मोबाइल नेटवर्क के खिलाफदिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका दाखिल की थी जिसे कोर्ट ने खारिज करते

हुए याचिकाकर्ताओं पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। इस मामले की सुनवाई करने वाले जस्टिस संजीव नरुला ने भी खुद को मामले से अलग कर लिया है और किसी दूसरी बेंच को मामला ट्रांसफर करने को कहा गया है। अब इस मामले की सुनवाई दूसरी बेंच 29 जुलाई को करेगी। इससे पहले पिछले हफ्ते जस्टिस जेआर मिढा ने जूही चावला की अपील को खारिज किए जाने के बजाय रिजेक्ट कर दिया था और याचिकाकर्ताओं को जल्द से जल्द उन पर लगाया गया 20 लाख रुपये का जुर्माना भरे जाने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने इसके लिए एक हफ्ते का टाइम भी दिया था, हालांकि जूही चावला ने अभी तक 20 लाख का जुर्माना नहीं भरा है। बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट ने 4 जून को 5जी वायरलेस नेटवर्क तकनीक को चुनौती देने वाली चावला की याचिका को खारिज करते हुए उन पर और साथी याचिकाकर्ताओं पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। कोर्ट ने कहा था कि याचिका खामियों से भरी, कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग और प्रचार पाने के लिए दायर की गई थी।

सुशांत सिंह राजपूत की जगह नजर आएंगे शाहीर शेख

सुशांत सिंह राजपूत और अंकिता लोखंडे की मुख्य भूमिकाओं वाले सुपरहिट टीवी शो 'पवित्र रिश्ता' के सेकंड सीजन की शूटिंग शुरू हो गई है। इस सीरियल में सुशांत ने मानव जबकि अंकिता ने अर्चना की भूमिका निभाई थी। अब 'पवित्र रिश्ता 2' में मानव की भूमिका में सुशांत सिंह राजपूत की जगह शाहीर शेख नजर आने वाले हैं। शूटिंग के सेट से शाहीर और अंकिता की पहली तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। शो को प्रड्यूस कर रहे ऑल्ट बालाजी के हैंडल से रविवार को पवित्र रिश्ता 2 के शूटिंग की पहली तस्वीरें शेयर की गई हैं। इन तस्वीरों में शाहीर शेख और अंकिता लोखंडे हाथ में क्लैपबोर्ड लिए नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में शाहीर के साथ ऐक्ट्रेस ऊषा नादकर्णी भी नजर आ रही हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, 'कई बार हमें बेहद साधारण जिंदगियों में असाधारण लव स्टोरीज मिल जाती हैं। मानव और अर्चना की इस असाधारण लव स्टोरी के गवाह बनें। पवित्र रिश्ता 2 की शूटिंग शुरू हो गई है। यह जल्द ही ऑल्ट बालाजी पर प्रसारित होगा।' इन तस्वीरों के सामने आने के बाद फैन्स के खूब कॉमेंट्स आ रहे हैं। जहां कुछ फैन्स इस सीरियल के दूसरे सीजन को लेकर उत्साहित हैं वहीं कुछ फैन्स ने इस बात पर निराशा जाहिर की है कि वह सेकंड सीजन में सुशांत सिंह राजपूत को मानव के किरदार में बहुत मिस करने वाले हैं। इस बार पवित्र रिश्ता 2 पूरी तरह डिजिटल प्लैटफॉर्म पर प्रसारित किया जाएगा और इसका प्रसारण किसी टीवी चौनल पर नहीं किया जाएगा।

एक्टर सुनील शेट्टी की बिल्डिंग सील, निगरानी के लिए सुरक्षाकर्मी तैनात

मुंबई में कोरोना के मामलों में फिर से बढ़ोतरी देखी जा रही है। इस बीच बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी की बिल्डिंग को निगम की टीम ने सील किया है। दरअसल बिल्डिंग को सील करने का कारण यह है कि यहां अचानक कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ी है। जिसके बाद अब बिल्डिंग को सील किया गया है। हालांकि राहत की बात यह है कि सुनील शेट्टी और उनका पूरा परिवार मुंबई से बाहर हैं। बताते चले कि एक्टर सुनील शेट्टी का घर अल्टामाउंट रोड पर स्थित पृथ्वी अपार्टमेंट्स में है। इस बिल्डिंग में 30 माले और 120 फ्लैट्स हैं।

वहीं अचानक कोरोना के नए मामलों में वृद्धि होने के बाद अस्सिटेंट कमिश्नर प्रशांत गायकवाड़ ने बिल्डिंग को सील कर दिया है। मुंबई के डी वार्ड में इस समय कोरोना के 10 जगहों को सील किया गया है। इसमें मालाबार हिल्स और पेडर रोड भी शामिल है। कोरोना की दूसरी वेव में हाई राइज जगहों से 80 प्रतिशत मामले सामने आए थे। बता दें कि आर्थिक राजधानी मुंबई में बीते कुछ दिनों से फिर से कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। जिसके बाद अब मुंबई जिला प्रशासन कोरोना के नए मामलों को लेकर अलर्ट हो गई है। मुंबई के अलावा केरल में भी संक्रमितों की संख्या बढ़ रहे हैं।

जावेद- सलीम की जोड़ी पर बन रही डॉक्यूमेंट्री में सलमान के साथ नजर आएंगे फरहान

बॉलीवुड की सुपरहिट राइटर जोड़ी सलीम-जावेद पर बन रही डॉक्यूमेंट्री फिल्म में सलमान खान और फरहान अख्तर काम करते नजर आयेंगे। सलमान खान के पिता सलीम खान और फरहान अख्तर के पिता जावेद अख्तर के जीवन पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनायी जा रही है।सलीम-जावेद की जोड़ी ने एक साथ मिलकर शोले, जंजीर, दीवार, शक्ति, त्रिशूल और डॉन जैसी कई सुपरहिट फिल्मों के लिए राइटिंग की है, जिनका सफर अब डॉक्यूमेंट्री के जरिए दर्शकों तक पहुंचाया जाएगा। इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म में सलमान और फरहान काम करते नजर आयेंगे।सलमान खान के साथ काम करने को लेकर फरहान पर रोमांचित हैं। फरहान अख्तर ने कहा,÷मैं और सलमान पहले भी साथ काम करने वाले थे लेकिन दुर्भाग्य से बात नहीं बन पाई थी। अब हमने दोबारा हाथ मिला लिया है। मेरे ख्याल से यह प्रोजेक्ट किसी और फिल्म से ज्यादा स्पेशल होने वाला है क्योंकि हम दोनों सलीम अंकल (सलीम खान) और मेरे पिता (जावेद अख्तर) की बतौर राइटर पार्टनरशिप पर बन रही डॉक्यूमेंट्री में साथ नजर आने वाले हैं। सलमान खान के साथ कोलेबोरेट करना मेरे लिए बेहद अद्भुत है। मैं इसके लिए बेहद रोमांचित हूं।

ऐक्टर और मशहूर मिमिक्री आर्टिस्ट माधव मोघे का निधन, कई बड़ी फिल्मों में किया था काम

बॉलिवुड के मशहूर ऐक्टर, कमीडियन और मिमिक्री आर्टिस्ट माधव मोघे का 68 साल की उम्र में रविवार 11 जुलाई 2021 को निधन हो गया। माधव पिछले काफी समय से फेफड़ों के कैंसर से जूझ रहे थे। माधव ने पार्टनर, दामिनी, घातक, मैंने प्यार क्यों किया जैसी बॉलिवुड की कई मशहूर फिल्मों में काम किया था। माधव खास तौर पर संजीव कुमार की मिमिक्री करने के लिए पसंद थे और कई शोज में शोले के ठाकुर के किरदार की मिमिक्री करते भी नजर आए थे। माधव की पिछले एक महीने से तबीयत ज्यादा खराब चल रही थी। इसके चलते उन्हें पिछले हफ्ते ही बॉम्बे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उनकी बेटी प्राची मोघे ने बताया कि यहीं पर उनके फेफड़ों के कैंसर के बारे में पता चला जो अडवांस स्टेज में पहुंच चुका था। बाद में शनिवार को मोघे को हॉस्पिटल से घर वापस लाया गया था।

मैंने करवाई है नाक की सर्जरी...

श्रुती हासन ने बयां किया पैनिक अटैक और एंग्जाइटी का दर्द

बॉलीवुड की कई एक्ट्रेसेस प्लास्टिक सर्जरी को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में रह चुकी हैं। इस लिस्ट में एक्ट्रेस श्रुति हासन का नाम भी शामिल है। उन्होंने अपनी नाक की सर्जरी करवाई थी, जिसके बाद उन्हें कई बार ट्रोल्स का सामना करना पड़ा, लेकिन ये एक्ट्रेस ऐसे ट्रोल्स को शानदार जवाब देना जानती हैं। कभी सोशल मीडिया पोस्ट तो कभी इंटरव्यूज के जरिए श्रुति, चेहरे पर

सर्जरी को लेकर खुलकर बात करती दिखाई दी हैं। वहीं, हाल ही में श्रुति का एक इंटरव्यू खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वो प्लास्टिक सर्जरी पर बात करते हुए बचपन से लेकर अब तक अपनी मेंटल हेल्थ का दर्द भी बयान किया है। श्रुति हासन ने बॉलीवुड में फिल्म लक से एंट्री ली थी। उन्होंने इसके बाद ही सर्जरी करवाई थी, इस बारे में पिंकविला से बात करते हुए उन्होंने कहा- ऐसे कई एक्टर्स हैं, जो फिलर्स, राइनोप्लास्टी, कई बार करवाते हैं लेकिन वो इस बारे में बात नहीं करते। वो उनकी च्वाइस है लेकिन मैं इस पर खुलकर बात करना चाहती हूं क्योंकि ये मेरी जिंदगी है, मेरा चेहरा है, ये मेरी च्वाइस है, मेरी बॉडी है। मैं किसी भी तरह से प्लास्टिक सर्जरी को प्रमोट नहीं कर रही हूं लेकिन ये मेरी पसंद है कि मैं अपने चेहरे को ऐसा बनाऊं। उनका कहना है कि मैं जैसी हूं खुद को पूरी तरह एक्सेप्ट करती हैं... इस पर हम सभी काम कर रहे हैं। मैं खुद को आंतरिक तौर पर एक्सेप्ट करने की कोशिश कर रही हूं क्योंकि इसे ठीक करने के लिए कुछ नहीं है। श्रुति ने ये बताया कि जब उन्हें बॉलीवुड की पहली फिल्म लक ऑफर की गई तो उन्होंने वो सिर्फ पैसों के लिए की थी।

सनी लियोनी ने फैन्स को दे दी कोविड पर नसीहत

बोलीं- पहाड़ कहीं भागे नहीं जा रहे

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस सनी लियोनी केवल अपनी फिल्मों में ही नहीं सोशल मीडिया पर भी काफी ऐक्टिव रहती हैं। सनी लियोनी सोशल मीडिया पर काफी मजेदार फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। अब सनी लियोनी ने अपने फैन्स को एक वीडियो के जरिए कोविड-19 पर नसीहत दी है और घर पर ही रहने की सलाह दी है। दरअसल सनी लियोनी ने अपना एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह सेट पर शूटिंग करती नजर आ रही हैं। उनके शॉट का रीटेक लिया जाता है और इसी बीच में वीडियो में मनाली की वह वायरल तस्वीर आ जाती है जो कुछ दिनों पहले ही लॉकडाउन खुलने पर ली गई थी और उसमें हजारों की भीड़ नजर आ रही थी। इस वीडियो को शेयर करते हुए सनी ने लिखा, 'घर पर रहें। पहाड़ कहीं भागे नहीं जा रहे हैं... और न ही आपको जाना चाहिए।'

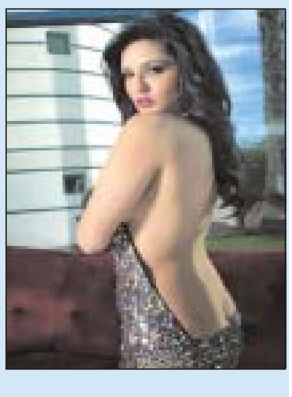

वर्कफ्रंट की बात करें तो सनी लियोनी आखिरी बार फिल्म 'मोतीचूर चकनाचूर' के स्पेशल नंबर में दिखाई दी थीं। सनी लियोनी अब डायरेक्टर विक्रम भट्ट की फिल्म 'अनामिका' में नजर आएंगी।

वामिका की एक मुस्कान ने हमारी दुनिया बदल दी: अनुष्का शर्मा

अनुष्का शर्मा और स्टार क्रिकेटर विराट कोहली की बेटी वामिका अब छह महीने की हो गई हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री का कहना है कि उसकी एक मुस्कान ने उनकी पूरी दुनिया बदल दी है। अनुष्का ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में अनुष्का वामिका के साथ खेल रही है जबकि दूसरी तस्वीर में विराट अपनी बेटी को पकड़े हुए हैं और मुस्कुरा रहे हैं। अनुष्का ने तस्वीर के साथ लिखा, उनकी एक मुस्कान ने हमारी पूरी दुनिया को बदल दिया है। मुझे उम्मीद है कि हम दोनों उस प्यार को जी सकते हैं, जिसके साथ आप हमें देखते हैं, नन्ही सी बच्ची को 6 महीने की शुभकामनाएं। वामिका का जन्म 11 जनवरी को हुआ था। अनुष्का और विराट, जिन्हें उनके प्रशंसक प्यार से विरुष्का कहते हैं, उन्होंने दिसंबर 2017 में इटली के टस्कनी में शादी की थी। अभिनेत्री की दो फिल्में पाइपलाइन में हैं। वह नवदीप सिंह की कनेड़ा और क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की

बायोपिक में नजर आएंगी। अभिनेत्री को आखिरी बार 2018 में फिल्म जीरो में देखा गया था। उन्होंने पिछले साल ओटीटी के लिए वेब सीरीज पाताल लोक और फिल्म बुलबुल का निर्माण किया था।

opensearch

शिल्पा शेट्टी को मात देने की तैयारी में बेटा वियान, जिम वर्कआउट और बैक फ्लिप में है उस्ताद

फिटनेस के मामले में शिल्पा शेट्टी का जवाब नहीं, लेकिन इस वक्त उनका बेटा वियान का एक ऐसा ही वीडियो वायरल है। इस वीडियो में वियान जिम में जिस तरह से वर्कआउट करता नजर आ रहा है, उसे देखकर तो यही लगता है कि

वह जल्द ही अपनी मां को टक्कर देता नजर आएगा। यह वीडियो शिल्पा शेट्टी की बहन शमिता ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें वियान जिम के अंदर अलग-अलग वर्कआउट करता नजर आ रहा है। इस छोटी सी उम्र में वियान जिस सफाई से वर्कआउट करता दिख रहा है, ऐसा लग रहा है कि जल्द ही वह फिटनेस के मामले में अपनी मां शिल्पा शेट्टी को भी मात दे सकता है। वीडियो में जिम के अंदर काफी मेहनत करता नजर आ रहा वियान अंत में अपने एब्स दिखाता नजर आ रहा है। इन एब्स को देखकर साफ है कि वियान की यह मेहनत नई नहीं बल्कि लंबे समय से चल रही है। बता दें कि कॉमिडी फिल्म 'हंगामा 2' से लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर कमबैक करने जा रही हैं शिल्पा शेट्टी और इस फिल्म में फेमस सॉन्ग 'चुरा के दिल मेरा' पर एक बार फिर से ऐक्ट्रेस थिरकती दिखेंगी। इस गाने में शिल्पा शेट्टी के साथ जावेद जाफरी के बेटे मिजान जाफरी के साथ ठुमके लगाती दिख रही हैं। फिल्म में शिल्पा शेट्टी परेश रावल की वाइफ की भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म में शिल्पा मुश्किल में फंसे मिजान जाफरी की मदद करने की कोशिश करती हैं, लेकिन परेश रावल को लगता है कि उनकी वाइफ यानी शिल्पा शेट्टी का उनसे अफेयर है।

सूर्या की सूरराई पोटरू का बनाया जाएगा हिंदी रीमेक

तमिल स्टार सूर्या की 2020 की हिट सूरराई पोटरू का हिंदी में रीमेक बनाया जाएगा। इसका निर्देशन सुधा कोंगारा करेंगी, जिन्होंने तमिल मूल फिल्म का निर्देशन किया था। सूरराई पोटरू नेदुमारन राजंगम और मारा की कहानी है, जो सूर्या द्वारा निभाई गई है। इसमें आम आदमी को उड़ने की सुविधा मुहैया कराई जाती है और इस प्रक्रिया में अपने परिवार, दोस्तों और सरासर इच्छा शक्ति की मदद से दुनिया के सबसे अधिक पूंजी उद्योग को खड़ा लेता है। यह फिल्म आंशिक रूप से एयर डेक्कन के संस्थापक कैप्टन जीआर गोपीनाथ के जीवन की घटनाओं से प्रेरित है। सूर्या कहते हैं, सूरराई पोटरू पर जो प्यार और प्रशंसा बरसाई गई, वह अभूतपूर्व थी। जिस क्षण से मैंने पहली बार यह कहानी सुनी, मुझे लगा कि यह एक अखिल भारतीय फिल्म होनी चाहिए, क्योंकि इसकी आत्मा ऐसी थी। कैप्टन गोपीनाथ की प्रेरक कहानी को हिंदी में बताने के लिए अबुदंतिया एंटरटेनमेंट के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है, जिन्होंने गुणवत्तापूर्ण कंटेंट बनाया है। इसे जोड़ते हुए, एयर डेक्कन के संस्थापक, कैप्टन जीआर गोपीनाथ कहते हैं, मैं सूरराई पोटरू को मिली प्रतिक्रिया से अभिभूत हूं और अब फिल्म के हिंदी रूपांतरण का बेसब्री से इंतजार कर

रहा हूं। यह तमिल फिल्म 78वें गोल्डन ग्लोब पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म श्रेणी में प्रदर्शित होने वाली दस भारतीय फिल्मों में से एक थी और इसे 93वें अकादमी पुरस्कारों के लिए भी भेजा गया है। जबकि हिंदी फिल्म की कास्ट अभी तय नहीं की गई है, रीमेक को सूर्या और विक्रम मल्होत्रा द्वारा समर्थित किया जाएगा। सुधा, जो वर्तमान में हिंदी रूपांतरण की पटकथा में लेखकों के एक समूह के साथ काम कर रही हैं, कहती हैं, कि मैं तुरंत सूरराई पोटरू की कहानी के लिए तैयार हो गई, जो एक साहसी मनमौजी और एक प्रेरक उद्यमी कैप्टन गोपीनाथ की कहानी है, जो नब्बे के दशक में न्यू इंडिया का प्रतीक है। मैं अब तक मिले सभी प्यार के लिए आभारी हूं और इस अनूठी और अद्भुत कहानी को हिंदी में बताने के लिए उत्सुक हूं। मुझे उम्मीद है कि इस आधिकारिक हिंदी रीमेक को भी मूल जैसा ही प्यार मिलेगा।

सायरा बानो ने मेरे सिर पर हाथ रखा और कहा, दिलीप साहब आपके लिए पूछ रहे थे: नसीरुद्दीन शाह

बीते बुधवार को जब बॉलीवुड के दिग्गज ऐक्टर दिलीप कुमार का निधन हुआ, उसी दिन नसीरुद्दीन शाह भी अस्पताल से छुट्टी लेकर घर लौटे। नसीरुद्दीन शाह भी उसी हिंदुजा अस्पताल में भर्ती थे, जहां दिलीप कुमार का निधन हुआ। फेफड़ों में संक्रमण के कारण नसीरुद्दीन शाह को अस्पताल में भर्ती किया गया था। बीमार होने की वजह से वह न तो दिलीप साहब के अंतिम दर्शन करने उनके घर जा सके और न ही विदाई देने कब्रिस्तान। लेकिन अब इमोशनल नसीरुद्दीन शाह ने खुलासा किया है कि अस्पताल में सायरा बानो उनसे मिलने आई थीं। ऐक्टर ने बताया कि दिलीप कुमार उनकी तबीयत का हाल जानना चाहते थे, इसलिए उन्होंने सायरा जी को उनके पास भेजा था। दिलीप कुमार का बुधवार, 7 जुलाई को 98 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें 29 जून को सांस लेने में तकलीफके कारण हिंदुजा अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती किया गया था। 'द क्विंट' से बातचीत में नसीरुद्दीन शाह ने उस दिन को याद किया, जब अस्पताल में दिलीप कुमार की पत्नी और दिग्गज ऐक्ट्रेस सायरा बानो उनसे मिलने पहुंची थीं। नसीर कहते हैं, 'सायरा ने मेरे सिर पर हाथ रखा और मुझे आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा, साहब आपके बारे में पूछ रहे थे।' नसीरुद्दीन शाह आगे कहते हैं, 'मैं

उनकी बात सुनकर भावुक हो गया। मैं अस्पताल से छुट्टी से पहले उनसे मिलना चाहता था। लेकिन दुर्भाग्य से जिस दिन मुझे छुट्टी मिली, दिलीप साहब उसी दिन दुनिया से रुखसत हो गए।' नसीरुद्दीन शाह ने बताया कि उन्हें दिलीप साहब के अंतिम दर्शन नहीं कर पाने का मलाल हमेशा रहेगा। बातचीत के दौरान वह अपने स्ट्रगल के दिनों में दिलीप कुमार के घर पर बिताए दिनों को भी याद करते हैं। वह बताते हैं, 'मैं करीब एक हफ्ते तक उनके घर पर रुका था। उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे वापस घर लौट जाना चाहिए और अपनी पढ़ाई पूरी करनी चाहिए। अच्छे परिवार के लोगों को ऐक्टर बनने की चाहत नहीं रखनी चाहिए।' नसीरुद्दीन शाह बताते हैं कि दिलीप कुमार उनके पिता और बड़ी बहन सकीना आपा को जानते थे। नसीर घर छोड़कर ऐक्टर बनने आए थे। बॉलिवुड के सबसे बेहतरीन ऐक्टर्स में शुमार नसीरुद्दीन शाह ने दिलीप कुमार के साथ सुभाष घई की फिल्म 'कर्मा' में काम किया था। नसीर शूटिंग के दिनों को याद करते हुए कहते हैं, 'अपने करियर में सिर्फ यही एक फिल्म थी, जिसमें ऐक्टिंग करते वक्त मैं नर्वस था। अधिकतर समय तो मैं उनके पास जाने से भी घबराता था। मैं सिर्फ उन्हें शूट पर सुबह नमस्ते करता करता था।'

बॉयफ्रेंड संग लिव-इन में रहती थीं कृष्णा श्रॉफ, अब छलका 'पहले प्यार' से ब्रेकअप का दर्द

बॉलिवुड ऐक्टर जैकी श्रॉफ की बेटी कृष्णा श्रॉफ भले ही फिल्मों में काम नहीं कर रही हों मगर वह फैन्स के बीच काफी पॉप्युलर हैं। कृष्णा श्रॉफ सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव हैं और अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं जिन्हें काफी पसंद किया जाता है। कृष्णा श्रॉफ ने हाल में दिए एक इंटरव्यू में अपने पहले रिलेशनशिप के बारे में बताया है और कहा है कि वह 3 साल तक इस रिश्ते में रही थीं। कृष्णा श्रॉफ ने इंडियनएक्सप्रेस डॉट कॉम से बातचीत करते हुए बताया कि उनका पहला रिलेशनशिप काफी सीरियस था। उन्होंने कहा, 'हम लोग 3 साल तक साथ थे। यह बहुत सीरियस रिलेशनशिप था। हम लोग साथ रहने लगे, साथ दुनियाभर में घूमे और साथ में काम किया।' कृष्णा श्रॉफ ने बताया कि उनके इस रिलेशनशिप में ब्रेकअप बिल्कुल लड़ाई-झगड़े वाला नहीं था। दोनों लोग आपसी सहमति से एक-दूसरे से अलग हो गए थे। हालांकि कृष्णा श्रॉफ ने यह जरूर माना है कि इस ब्रेकअप के कारण पहली बार उनका दिल टूट गया था। मगर कृष्णा श्रॉफ ने इस ब्रेकअप से मोटिवेट होकर अपनी फिटनेस पर ध्यान देना शुरू कर दिया। कृष्णा श्रॉफपिछले कुछ समय से बास्केटबॉल प्लेयर एबन हायम्स के साथ रिलेशनशिप में थीं। पिछले साल नवंबर दोनों का ब्रेकअप हो गया। कृष्णा ने इस खबर को सोशल मीडिया के जरिए फैन्स के साथ शेयर किया था। एक अन्य हालिया इंटरव्यू में कृष्णा श्रॉफ ने एबन हायम्स से ब्रेकअप पर भी खुलकर बात की। कृष्णा कहा इस ब्रेकअप से उन्होंने काफी कुछ सीख ली है और अब वह कभी अपने रिलेशनशिप के बारे में कभी नहीं बताएंगी।